दैनिक
सांध्य प्रकाश

भोपाल की धड़कन

वर्ष 53/ अंक 16/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹2.10

संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, सोमवार 31 जुलाई 2023 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in

साध्यप्रकाश विशेष

किस्सा-ए-आईएएस: 5 साल की सेवा में यह आईएएस बना सबसे बड़े शहर का कलेक्टर

सुरेश तिवारी

मध्य प्रदेश ही नहीं वरन देश के अन्य राज्यों में जिला कलेक्टर बनने के लिए, इस प्रतिष्ठित सेवा आईएएस में आने के 6 से 8 साल बाद ही कलेक्टर पद हासिल हो पाता है। इसमें भी बड़े शहर का कलेक्टर तब बनाया जाता है जब आईएएस अधिकारी दो-तीन जिलों में अपनी सेवा का अनुभव प्राप्त कर चुका होता है। मध्य प्रदेश में तो अभी ऐसे भी उदाहरण हैं जब 2014 के सीधी भर्ती के आईएएस अधिकारी अभी तक कलेक्टर नहीं बन पाए हैं। लेकिन, तेलंगाना के एक अति युवा आईएएस अधिकारी को हैदराबाद का कलेक्टर पदस्थ कर वहां के मुख्यमंत्री ने नया इतिहास रच दिया है।

तेलंगाना सरकार ने हाल ही में हैदराबाद में अब तक का सबसे कम उम्र का कलेक्टर नियुक्त किया है। 2018 बैच के आईएएस अधिकारी और सिविल सेवा परीक्षाओं में अखिल भारतीय टॉपर अनुदीप डुरीशेट्टी को हैदराबाद की जिम्मेदारी सौंपी गई। उनकी यह नियुक्ति अपने आपमें

एक अनोखी घटना इसलिए है, क्योंकि पहली बार केवल पांच साल की सेवा वाले किसी आईएएस अधिकारी को इस महत्वपूर्ण कुर्सी पर पदस्थ किया गया।

2018 की सिविल सेवा परीक्षा में अपना असाधारण प्रदर्शन कर अनुदीप डुरीशेट्टी ने देशभर में शीर्ष रैंक हासिल की। उनकी उल्लेखनीय उपलब्धि को पहचानते हुए, मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने व्यक्तिगत रूप से अनुदीप और उनके माता-पिता को 2018 में लंच के लिए आमंत्रित किया था। मुख्यमंत्री ने अनुदीप की उपलब्धियों और क्षमताओं पर प्रकाश डालते हुए उन्हें राज्य के महत्वाकांक्षी युवाओं के लिए एक रोल मॉडल के रूप में उनकी प्रशंसा की थी।

तेलंगाना के इस प्रतिभाशाली युवा अनुदीप दुरीशेट्टी ने यूपीएससी के लिए कोई कोचिंग नहीं की थीं। हालांकि, यह बहुत आसान नहीं था। 2013 में उन्होंने इस परीक्षा के लिए तैयारी शुरू की। पहली बार में उन्हें सफलता नहीं मिली, पर दूसरी कोशिश में उन्हें 790वीं रैंक मिली थी। इसके चलते उन्हें भारतीय राजस्व सेवा मिली। हालांकि, उन्हें आईएएस अफसर ही बनना था, इसलिए उन्होंने तैयारी नहीं छोड़ी। वे लगातार प्रयास करते रहे और इसका नतीजा यह हुआ कि 2017 में उन्होंने इस परीक्षा में टॉप किया। आईएएस अधिकारी बनने की अपनी कोशिशों में वे तीन बार असफल हुए। 2017 में अनुदीप ने 2025 में से 1126 नंबर हासिल करके ऑल इंडिया में फर्स्ट रेंक हासिल किया। अनुदीप दुरीशेट्टी ने यूपीएससी परीक्षा में अब तक के सबसे ज्यादा नंबर प्राप्त किए।

दुरीशेट्टी तेलंगाना के जगत्याल के मेटपल्ली शहर से ताल्लुक रखते हैं। उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा श्री सूर्योदय हाई स्कूल और श्री चैतन्य जूनियर कॉलेज से पूरी की। 2011 में बिट्स पिलानी से इलेक्ट्रॉनिक्स और इंस्ट्रुमेंटेशन में बी-टेक किया। अपनी इंजीनियरिंग पूरी करने के बाद अनुदीप दुरीशेट्टी ने गूगल ज्वाइन किया और एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर के रूप में काम किया। लेकिन, अपना लक्ष्य हमेशा सामने रखा। अनुदीप ने यूपीएससी परीक्षा की तैयारी के लिए इंटरनेट की मदद ली। उनके पिता डी मनोहर तेलंगाना नॉर्दर्न पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी में असिस्टेंट डिविजनल इंजीनियर हैं और उनकी मां ज्योति हाउस वाइफ हैं।

2017 में अनुदीप ने फर्स्ट रैंक के साथ ऑल इंडिया टॉपर भी बने, लेकिन यहां तक पहुंचने में उन्होंने बहुत पापड़ बेले। उन्हें एक के बाद एक असफलताएं मिली। पर, अनुदीप पीछे हटने वालों में से नहीं थे। पांच प्रयासों में से दूसरे प्रयास में उनका सेलेक्शन आईआरएस सेवा के लिए हुआ। लेकिन, अनुदीप के दिमाग में हमेशा से आईएएस पद ही घूमता रहता था। उन्होंने अपने आखिरी अटेम्पट तक प्रयास किया और अंत में उन्हें सफलता का स्वाद चखने को मिला। इन सालों में अनुदीप ने बहुत से उतार-चढ़ाव देखे।

2012 में अनुदीप ने पहला अटेम्पट दिया। इस साल वे इंटरव्यू राउंड तक पहुंचे, लेकिन सिलेक्ट नहीं हुए। अगले साल अनुदीप ने 2013 में परीक्षा तो पास की, लेकिन रैंक कम आने की वजह से उन्हें आईआरएस सेवा मिली। यहां उन्होंने कस्टम्स एंड सेंट्रल एक्साइज ऑफिसर के तौर पर ज्वॉइन कर लिया। लेकिन, आईएएस पद के लिए अपने प्रयासों को नहीं रोका। कड़ी मेहनत और अथक प्रयास के बावजूद अनुदीप को अपने तीसरे और चौथे प्रयास में सफलता नहीं मिली। पर, धुन के पक्के अनुदीप लगे रहे और अंतिम प्रयास में सफलता पाने में कामयाब हुए।

जब आईएएस ने चपरासी के पैर छुए, यह देखकर वहां मौजूद सभी चौंके

पलामू (झारखंड)। पलामू जिले के एक आईएएस अधिकारी डिप्टी कमिश्नर (उपायुक्त) का ट्रांसफर होने के बाद हैरान कर देने वाला मामला सामने आया। अधिकारी ने तबादले के बाद विदाई लेने के दौरान अपने दफ्तर में चपरासी के पैर छुए। इससे वहां मौजूद दूसरे अधिकारी और कर्मचारी यह देखकर दंग रह गए। अधिकारी ने कहा कि उसके पिता भी कभी चपरासी ही थे। यह देखकर वहां मौजूद सबकी आंखें नम हो गई। चपरासी तो आंसू पोंछते नजर आया।

पलामू जिले में करीब एक साल बतौर उपायुक्त अपनी सेवा देने वाले आईएएस अधिकारी ए दोड्डे ने तबादले के बाद शुक्रवार को जिला छोड़कर जाते समय अपने दफ्तर में चपरासी नंदलाल प्रसाद के सबके सामने बाकायदा नीचे झुककर पैर छुए। पैर छूते वक्त उन्होंने कहा कि दफ्तर में सबसे ज्यादा कोई अधिकारी की सेवा करता है, तो वो उस कार्यालय का चपरासी ही होता है।

आईएएस अधिकारी ए दोड्डे ने भले ही ये कहा कि मेरे पिता भी प्यून थे। लेकिन, ऐसा शायद ही कभी होता है कि एक जिले का मालिक किसी प्यून के पांव छुए और कहे कि मेरे पिता भी चपरासी थे। ए दोड्डे को चपरासी के पैर छूते हुए देखकर पास खड़े दूसरे पदाधिकारी और कर्मचारी हक्का-बक्का रह गए। आईएएस अधिकारी ने सभी कर्मियों को शॉल देकर सम्मानित किया।

सभी निवर्तमान उपायुक्त के इस व्यवहार की प्रशंसा कर रहे हैं। रूटीन ट्रांसफर के दौरान पलामू के उपायुक्त ए दोड्डे का तबादला किया गया है। हर अधिकारी को मिलने वाला फेयरवेल उन्हें भी दिया गया, लेकिन उस वक्त जो हुआ उसकी उम्मीद शायद किसी को नहीं थी।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आबकारी, श्रम और सहकारिता विभाग के नियुक्ति पत्रों के वितरण कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। नियुक्ति पत्र वितरण के अंतर्गत आबकारी विभाग में 340 आबकारी आरक्षको, सहकारिता विभाग में 347 क्लर्क व कंप्यूटर ऑपरेटर तथा श्रम विभाग में बीमा चिकित्सा पदाधिकारी, फार्मासिस्ट, सहायक ग्रेड 3 और सफाई सेवक के पदों पर कुल 55 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए।

कुशवाहा समाज के महाकुंभ में पहुंचे मुख्यमंत्री

भोपाल। भेल गोविंदपुरा दशहरा मैदान पर कुशवाहा समाज का महाकुंभ शुरू हो गया है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्रदेश भर से आ चुके हैं। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान कार्यक्रम में पहुंच गए हैं। कुशवाहा समाज के लोगों ने मुख्यमंत्री चौहान को कुशवाहा कल्याण बोर्ड का गठन करने पर सम्मानित किया।

उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) भारत सिंह कुशवाहा ने बताया कि

कुशवाहा महाकुंभ में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान मुख्य अतिथि हैं। अखिल भारतीय कुशवाहा महासभा मप्र के अध्यक्ष और महाकुंभ के आयोजक नारायण सिंह कुशवाह ने बताया कि महाकुंभ का आयोजन मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करने के लिए किया गया है। बड़ी संख्या में समाज के लोग प्रदेश के अलग-अलग शहरों से आए हैं। सभी के लिए बैठक की व्यवस्था की गई है। समाज के नियुक्त प्रतिनिधि व्यवस्था संभालने में लगे हुए हैं।

रीवा में बिजली का तार श्रद्धालुओं पर गिरा, भगदड़, 20 से ज्यादा चपेट में आए, 4 की हालत गंभीर

रीवा। देवतालाब के शिव मंदिर में बिजली का तार टूटकर गिरने से 20 से ज्यादा श्रद्धालु करंट के चपेट में आ गए। 15 से ज्यादा श्रद्धालु गंभीर घायल हुए हैं। इनमें से 4 को हालत ज्यादा नाजुक होने पर रीवा शहर के संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। देवतालाब प्राचीन मंदिर लौर थाना इलाके में है। यह मध्यप्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष गिरीश गौतम का गृह क्षेत्र भी है।

सावन के चौथे सोमवार पर श्रद्धालु यहां बड़ी संख्या में जुटे थे। बताया जा रहा है कि जिस समय यह हादसा हुआ, तब मंदिर और परिसर में 3 हजार से ज्यादा श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचे थे। करंट फैलने से श्रद्धालुओं में भगदड़ भी मची। कलेक्टर प्रतिभा पाल और स्क्विविवेक सिंह ने घटनास्थल पहुंचकर जानकारी ली। घायलों को जिले के मऊगंज, नईगढ़ी, देवतलाब के अस्पतालों में भी ले जाया गया है। विधायक प्रदीप पटेल मऊगंज के अस्पताल पहुंचे। उन्होंने बताया, मंदिर में भीड़ ज्यादा थी। करंट फैलने से भगदड़ भी मची है। घायलों का इलाज अच्छे से हो सके, इसके लिए व्यवस्थाएं बनाई गई हैं। मऊगंज में 12 लोग लाए गए। बहुत बड़ी कैजुअल्टी नहीं हुई है। फिर भी जैसी जरूरत होगी, सभी व्यवस्थाएं की जाएंगी।

पालघर के पास जयपुर-मुंबई एक्सप्रेस में फायरिंग, 4 की मौत

आरपीएफ जवान ने एएसआई को गोली मारी

जयपुर। मुंबई एक्सप्रेस में सोमवार सुबह रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स के एक कॉन्स्टेबल ने अपनी ऑटोमैटिक राइफल से साथी असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर को गोली मार दी। इसके बाद वह दूसरे डिब्बे में गया और 3 पैसेंजर्स को भी शूट कर दिया। घटना के वक्त ट्रेन गुजरात से महाराष्ट्र जा रही थी। फायरिंग पालघर रेलवे स्टेशन के पास ट्रेन के कोच बी-5 में हुई। जवान को उसकी राइफल के साथ अरेस्ट कर लिया गया है।

एस्कॉर्ट ड्यूटी पर थे ASI और कॉन्स्टेबल

RPF के मुताबिक, घटना सुबह लगभग 5 बजकर 23 मिनट पर हुई। आरोपी कॉन्स्टेबल चेतन कुमार चौधरी और ASI टीका राम मीणा एस्कॉर्ट ड्यूटी पर थे। चेतन ने टीका राम पर फायरिंग के बाद 3 और यात्रियों को गोली मारी। इसके बाद वो दहिसर स्टेशन के पास ट्रेन से उतर कर भाग गया था।

अमित शाह की दो टूक, रिश्तेदारी, भाई-भतीजावाद पर नहीं मिलेगा टिकट

भोपाल। मध्यप्रदेश की चुनावी कमान थामने के बाद केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने साफ कहा है कि मध्यप्रदेश के विधानसभा चुनाव में टिकट वितरण रिश्तेदारी, भाई-भतीजावाद के आधार पर नहीं किया जाएगा। उन्होंने इंदौर संभाग के नौ जिलों के पार्टी के कोर सदस्यों से कहा है कि चुनाव वातावरण या माहौल से नहीं जीते जाते बल्कि व्यूह रचना और प्लानिंग के गणित के आधार पर जीते जाते हैं और इसलिए पार्टी ने 15 सूत्रीय जीत का फार्मूला तय किया है। इस पर 15 दिन में एक्शन लेना है जिसके बाद फिर नया प्लान जारी किया जाएगा। शाह ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि पूरे चुनाव में केंद्रीय मंत्री द्वय व प्रदेश चुनाव प्रभारी भूपेंद्र यादव व सह चुनाव प्रभारी अश्विनी वैष्णव ही सभी भूमिकाओं में रहेंगे। इनका निर्देश पार्टी हाईकमान का निर्देश माना जाएगा। शाह ने ये बातें रविवार रात को इंदौर में दिल्ली रवाना होने से पहले इंदौर संभाग के चुनिंदा कोर सदस्यों व पदाधिकारियों से चर्चा में कहीं। उन्होंने कहा कि वे तो इंदौर सिर्फ एजेंडे पर एक्शन के लिए आए थे।

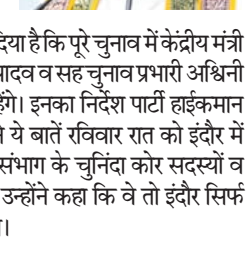

2 वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी डीजी वेतनमान में पदोन्नत

भोपाल। राज्य शासन ने आज एक आदेश जारी कर दो वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों को महानिदेशक (डीजी) वेतनमान में पदोन्नत किया है।

भारतीय पुलिस सेवा के 1989 बैच की अधिकारी सुषमा सिंह अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक सतर्कता मुख्यालय भोपाल को पदोन्नत कर विशेष पुलिस महानिदेशक सतर्कता पुलिस मुख्यालय भोपाल पदस्थ किया गया है। इसी प्रकार भारतीय पुलिस सेवा के 1990 बैच के अधिकारी डॉ एसडब्ल्यू नकवी अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक नारकोटिक्स भोपाल को पदोन्नत कर विशेष पुलिस महानिदेशक नारकोटिक्स पुलिस मुख्यालय भोपाल पदस्थ किया गया है। इस संबंध में राज्य शासन गृह विभाग द्वारा आदेश जारी कर दिए गए हैं।

(पुलिस विभाग के पदोन्नति एवं तबादला आदेश पेज छह पर देखें)

मप्र पुलिस करेगी पाकिस्तान पहुंची अंजू के मामले की जांच

गृहमंत्री ने दिए आदेश, अंतरराष्ट्रीय साजिश का शक!

भोपाल। मध्य प्रदेश पुलिस की स्पेशल ब्रांच भारत से पाकिस्तान जाकर इस्लाम अपनाकर फातिमा बन चुकी अंजू के मामले की जांच करेगी। गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने इसके आदेश दे दिए हैं। उन्होंने सोमवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि अंजू मामले में सरकार को इंटरनेशनल कांस्पीरेसी का शक है। उन्होंने कहा, पाकिस्तान में अंजू की जिस तरह से आवभगत हो रही है, लोग उससे मिल रहे हैं, उससे कहीं न कहीं संदेहों को बल मिलता है। उसे कहा गया है कि इस बात की जांच करे कि कहीं यह अंतरराष्ट्रीय स्तर की साजिश तो नहीं है। यह ग्वालियर का मामला है।

मणिपुर पर हंगामे के बाद दोनों सदन दोपहर तक स्थगित

सरकार बोली- हम आज 2 बजे ही चर्चा को तैयार, विपक्ष भाग रहा है

नई दिल्ली। मानसून सत्र के 8वें दिन सोमवार को संसद में विपक्ष ने मणिपुर का मुद्दा उठाया। लोकसभा की कार्यवाही शुरू होते ही हंगामे के चलते 2 बजे तक स्थगित कर दी गई। राज्यसभा में यह मुद्दा उठा तो सरकार ने कहा कि हम इस पर आज ही चर्चा को तैयार हैं। दोपहर 2 बजे इस पर चर्चा हो। राज्यसभा सांसद पीयूष गोयल ने कहा- विपक्ष चर्चा से भाग रहा है, वो सच को सामने नहीं आने दे रहा है।

विपक्षी सांसद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान पर अड़ गए। हंगामे के बाद राज्यसभा भी दोपहर 12 बजे तक तक स्थगित कर दी गई। इंडियन नेशनल डेवलपमेंट इन्क्लूसिव अलायंस के सांसद 2 दिन के मणिपुर के दौरे पर गए थे। वे दिल्ली लौट आए हैं। सोमवार सुबह विपक्षी दलों की बैठक ने उन्होंने मणिपुर के हालात बताए। उनका कहना है- हमने संसद में जो देखा, वो सबको बताएंगे।

विपक्षी गठबंधन की बैठक

कांग्रेस सांसद मनिकम टैगोर ने कहा कि विपक्षी गठबंधन के नेताओं की एक बैठक हो रही है। मणिपुर का दौरा करने गए प्रतिनिधिमंडल ने मणिपुर में जो कुछ भी देखा, उसके बारे में जानकारी दी जाएगी। अविश्वास प्रस्ताव लाया गया है, लेकिन पीएम मोदी संसद में आने के लिए तैयार नहीं हैं। मणिपुर गए विपक्ष के सांसदों में शामिल फूलो देवी ने बताया कि पीड़ित कह रहे हैं कि पुलिस मौजूद है, लेकिन वो कुछ कर नहीं रही।

विपक्ष ने सदन के 9 अहम दिन बर्बाद कर दिए- सरकार

राज्यसभा में सदन के नेता पीयूष गोयल ने कहा- हम मणिपुर पर डिस्कशन चाहते हैं और यह आज दोपहर दो बजे होगा। सांसदों को मिली छूट का इस्तेमाल विपक्ष गलत तरीके से कर रहा है। सरकार तो चर्चा के लिए तैयार है, लेकिन विपक्ष ने हंगामा करके सदन के 9 महत्वपूर्ण दिन बर्बाद कर दिए।

मणिपुर पर सीजेआई ने पूछा-हिंसा के बाद कितनी एफआईआर हुई

एक वीडियो सामने आया, ये इकलौती घटना नहीं, ऐसा दूसरी महिलाओं के साथ भी हुआ

नई दिल्ली। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डीवाई चंद्रचूड़ ने सोमवार को केंद्र और मणिपुर सरकार से पूछा कि हिंसा शुरू होने के बाद अब तक कितनी एफआईआर दर्ज की गई हैं। सीजेआईमणिपुर में निर्वस्त्र घुमाई गई दो पीड़ित महिलाओं की याचिका पर सुनवाई कर रहे हैं। दोनों ने केंद्र और राज्य सरकार के खिलाफ अपील की है। उनकी मांग है कि कोर्ट मामले में निष्पक्ष जांच का आदेश दे।

सुनवाई के दौरान सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा- एक वीडियो सामने आया, लेकिन यह महिलाओं के खिलाफ अपराध की इकलौती घटना नहीं है। ऐसा दूसरी महिलाओं के साथ भी हुआ। हमें महिलाओं के खिलाफ हिंसा जैसे गंभीर मसले के लिए एक मैकेनिज्म बनाना होगा।

चीफ जस्टिस चंद्रचूड़, जेबी पादरीवाला और मनोज मिश्रा की बेंच आज इस पर सुनवाई करेगी। पिटीशन में पीड़ित महिलाओं की पहचान जाहिर नहीं की गई है। उन्हें ङ्क और ङ्क नाम से संबोधित किया गया है। सुप्रीम कोर्ट आज मणिपुर हिंसा से जुड़ी दूसरी याचिकाओं पर भी सुनवाई करेगा।

याचिकाकर्ता के वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि यह साफ है कि पुलिस उन लोगों के साथ मिलकर काम कर रही है, जो महिलाओं के खिलाफ हिंसा की साजिश कर रहे हैं। पुलिस इन महिलाओं को ले गई और भीड़ में छोड़ दिया। इसके बाद भीड़ ने वो किया, जो सामने आया है। दोनों में से एक के पिता और भाई को कत्ल कर दिया गया। अभी तक उन्हें बॉडी नहीं मिली है। जीरो एफआईआर दर्ज की गई और वो भी 18 मई को। जब कोर्ट ने इस मामले पर सुनवाई की तो कुछ हुआ। हमारे पास अब किसका भरोसा है? ऐसी कई घटनाएं हुई हैं। इस मामले की स्वतंत्र जांच होनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा- हम दोनों पक्षों की बात सुनेंगे और उसके बाद कदम उठाएंगे। हमारे पास अभी कोई ठोस रिकॉर्ड नहीं है। पहले हम याचिकाकर्ताओं को सुनेंगे और इसके बाद अटॉर्नी जनरल और सॉलिसिटर जनरल की बात सुनेंगे।

मानसरोवर धाम पहुंची विशाल कावड़ जलाभिषेक यात्रा

भोपाल। श्रावण मास के अवसर पर हरिहर नगर फंदा के पास स्थित मानसरोवर धाम पर श्रद्धालुओं का अपार समूह उमड़ रहा है आज आसपास के 17 गांव के हजारों श्रद्धालु कावड़ यात्रा लेकर जलाभिषेक के लिए मानसरोवर धाम पहुंचे इस मानसरोवर धाम के लिए निकाली गई जलाभिषेक यात्रा का जगह-जगह भव्य स्वागत किया गया डीजे की धुन पर भक्तगण नृत्य करते हुए चल रहे थे भक्तों के लिए महा प्रसादी का वितरण भी किया गया मानसरोवर धाम के संजय कश्यप ने बताया कि मानसरोवर धाम पर साक्षात बाबा भोलेनाथ की कृपा बरस रही है भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण हो रही है श्रावण माह में भक्तों का अपार जनसमूह प्रतिदिन भोले बाबा के दर्शन के लिए उमड़ रहा है संजय कश्यप ने बताया कि मानसरोवर धाम पर इस वर्ष जनवरी में प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम हुआ यहां पर विष्णु लोक ब्रह्मलोक की स्थापना भी होनी है यह सभी 2025 तक पूर्ण स्वरूप में आ जाएंगे करीब 5 एकड़ में फैले मानसरोवर धाम पर आसपास का वातावरण बहुत ही सुरम्य है जो भक्तों का मन मोह लेता है मानसरोवर धाम भोपाल सीहोर हाईवे पर हरिहर नगर फंदा के समीप स्थित है

भोपाल। मध्यप्रदेश राष्ट्रभाषा प्रचार समिति द्वारा दो दिवसीय 28वीं पावस व्याख्यानमाला 2023 का आयोजन हिन्दी भवन में किया गया।

5 गायों के अवशेष मिलने से क्षेत्र में आक्रोश, किया प्रदर्शन

औबेदुल्लागंज। ओबैदुल्लागंज के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत जमुनिया खैरी टप्पा के पास 5 गौ माता के अवशेष मिलने से क्षेत्र में आक्रोश का माहौल जानकारी देते हुए हिंदू समाज के संगठनों के द्वारा बताया गया है कि रात लगभग 11 से 12 के बीच में एक हिंदू समाज के व्यक्ति की पांच गाय लगभग 3 दिन से लापता थी जिसकी तलाश में युवक इधर से उधर भटक रहा था रात लगभग 11 से 12 के बीच में मदरसा स्थित जहां पर अपराधिक गतिविधियों को अंजाम दिया जा रहा है हिंदू संगठनों ने आरोप लगाते हुए कहा कि गायों को काटने का कार्य एवं उनका मांस सप्लाई करने का आरोप लगाते हुए कहा कि दूसरे सामुदायिक के द्वारा 15 एकड़ भूमि पर अवैध कब्जा कर अवैध तरीके से काम किया जा रहा है यह पहली घटना नहीं है ऐसी कई घटनाएं लगातार सामने आती रही है हिंदू समाज संगठन के द्वारा जानकारी देते हुए बताया कि लगातार मध्यप्रदेश में गौमाता की तस्करी बढ़ती जा रही है गाड़ियों में ठूस ठूस ले जाया जाता है जिसके बाद समस्त संगठनों ने ओबैदुल्लागंज स्थित बाबा भीमराव अंबेडकर चौराहा पर धरना प्रदर्शन किया और क्षेत्रीय विधायक सुरेंद्र पटवा को जानकारी से अवगत कराना और जल्द से जल्द आरोपी के ऊपर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए और तत्काल उसे जेल भेजा जाए ऐसी मांगते हुए हिंदू संगठन के द्वारा नारेबाजी की गई।

खाद्य लाइसेंस और पंजीयन अनिवार्य

भोपाल । खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 नियम एवं विनियम 2011 के अंतर्गत समस्त प्रकार के छोटे-बड़े खाद्य कारोबार कर्ताओं को खाद्य लाइसेंस एवं रजिस्ट्रेशन लेना कानूनन अनिवार्य है। बिना लाइसेंस, रजिस्ट्रेशन के खाद्य कारोबार करने पर 6 माह की सजा एवं अधिकतम 2 लाख रूपये तक जुर्माने का प्रावधान है। खाद्य कारोबारकर्ता जो सालाना 12 लाख रूपये से अधिक का खाद्य कारोबार करते हैं उन्हें लायसेंस लेना है जिसके लिये 2 हजार रूपये का शुल्क प्रतिवर्ष निर्धारित किया गया है। लायसेंस एवं पंजीयन के लिए आवश्यक दस्तावेज नक्शा, आधार कार्ड की फोटोकापी, दुकान के पते का दस्तावेज, बिजली बिल साथ में लाना होगा। ऐसे खाद्य कारोबारकर्ता जो सालाना 12 लाख रूपये तक का खाद्य कारोबार करते हैं। उन्हें रजिस्ट्रेशन (पंजीयन) लेना अनिवार्य है। जिसके लिये 100 रूपये का शुल्क प्रतिवर्ष निर्धारित किया गया है। लायसेंस एवं पंजीयन के लिए आवश्यक दस्तावेज आधार कार्ड, पासपोर्ट फोटो, मीट मटन विक्रय के लिए नगर पालिका, ग्राम पंचायत की एनओसी लाना होगा।

एक से 7 अगस्त तक मनाया जाएगा विश्व स्तनपान सप्ताह

सांध्य प्रकाश संवाददाता
भोपाल

एक से 7 अगस्त के दौरान विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया जायेगा। विश्व स्तनपान सप्ताह की थीम इनेवलिंग ब्रेस्ट-फीडिंग = मेकिंग अ डिफरेंस फॉर वर्किंग पेरेंट्स%% है। स्तनपान माँ और बच्चा, दोनों के लिये आवश्यक है। परिवार में एक माता को दोहरे दायित्वों का निर्वहन करना होता है। इसलिये यह आवश्यक है कि एक माँ को उसके परिवार से यथोचित सहयोग प्राप्त हो, ताकि वह अपने बच्चे को समुचित स्तनपान करा सके। स्तनपान के लाभ के संबंध में जागरूता बढ़ाने और स्तनपान को प्रोत्साहन देने की गतिविधियों को विश्व स्तनपान सप्ताह में किया जायेगा। इस संबंध में एमडी एनएचएम प्रियंका दास ने सभी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी और सिविल सर्जन को निर्देश दिये हैं। कार्यक्रम का शुभारंभ महिला जन-प्रतिनिधि से करवाया जायेगा। कॉउंसिलिंग ऑवर के दौरान सभी अस्पतालों में एएनसी ओपीडी और पीडियाट्रिक ओपीडी में आने वाली गर्भवती एवं धात्री माताओं, पीएनसी वार्ड में भर्ती प्रसूताओं और एसएनसीयू, एनवीएसयू, एनआरसी में भर्ती बच्चों की माताओं को स्तनपान संबंधी समझाइश दी जायेगी। सभी शासकीय प्रसव केन्द्रों में पदस्थ मेडिकल और पैरा-मेडिकल स्टॉफ, हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर में पदस्थ कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर नवजात शिशु के जन्म के तुरंत बाद माताओं को स्तनपान कराने की समझाइश देंगे। स्वास्थ्य विभाग द्वारा निर्देश जारी किये गये हैं कि विश्व स्तनपान सप्ताह के दौरान मेटरनिटी एवं शिशु वार्ड के स्टॉफ नर्स और पोषण प्रशिक्षक भर्ती माताओं को सरल और रोचक ढंग से स्तनपान संबंधी परामर्श दें। क्विज के माध्यम से भर्ती माताओं का ज्ञानवर्धन करें। स्तनपान प्रोत्साहन संबंधी ऑडियो-वीडियो का प्रदर्शन करें। शीघ्र स्तनपान एवं 6 माह तक केवल स्तनपान के लिये गर्भवती प्रसूता के परिजन से शपथ ग्रहण करवाना सुनिश्चित करें। लेबर रूम के प्रभारी, स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञों, महिला चिकित्सकों और स्वास्थ्य संस्थाओं के प्रभारियों को स्तनपान के संबंध में जानकारी बढ़ाने के लिये समझाइश देने की जिम्मेदारी निर्वहन करने के लिये भी कहा गया है। मशाल-रैली, दीवार-लेखन आदि गतिविधियाँ की जायें। स्कूल और कॉलेज में स्तनपान संबंधी क्विज प्रतियोगिता, वाद-विवाद प्रतियोगिता, निबंध-लेखन और चित्रकला आदि गतिविधियाँ की जायें। व्हाट्सएप, फेसबुक, ट्यूटर आदि सोशल मीडिया प्लेटफार्म का उपयोग जन-जागरूकता बढ़ाने में किया जाये। शहरी क्षेत्रों में रोटरी क्लब, नर्सिंग होम एसोसिएशन आदि के प्रतिनिधियों की भागीदारी से स्तनपान प्रोत्साहन के कार्यक्रम किये जायें।

सेवा बस्तियों के 651 मेधावी छात्र-छात्राओं का सेवा भारती ने किया सम्मान

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

सेवा भारती महानगर अंतर्गत शंकराचार्य,महावीर, सुभाष, साकेत, मंडलों के संस्कार केंद्रों के विपरीत परिस्थितियों में 651 छात्र छात्राओं को स्कूल बैग्स छाता और प्रशस्ति पत्र कैबिनेट मंत्री विश्वास सारंग, पूनम जे. एन चोकसे ने 20,रोहित पंडित ने 10 केंद्र गोद लिए भोपाल उत्सव समिति के महामंत्री सुनील जेनाविन ने छात्र छात्राओं हेतु स्कूल बैग्स और छाते संस्था की ओर से भेंट किए विमल त्यागी, डा .आभा जैन, डा.अभिजीत देशमुख, प्रमोद जैन हिमांशु, चंदर लालचंदानी, सुबोध अग्रवाल,अजीत माधवानी, डा. महेश गुप्ता ने छात्र छात्राओं का सम्मान किया उपस्थित वक्ताओं ने सेवा भारती के कार्यों की सराहना करते हुए छात्र छात्राओं को उज्जवल भविष्य हेतु प्रेरक संस्मरण भी सुनाए मीडिया प्रभारी भगवानदास ढालिया ने बताया इस अवसर पर छात्र छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम और लघु नाटक स्वच्छता का संकल्प भी प्रस्तुत किया तत्पश्चात दानदाताओ, शिक्षिकाओं निरीक्षिकाओं का भी शाल श्रीफल से सम्मान हुआ कार्यक्रम में करण सिंह कौशिक, आभा पांडे, धनीराम पवार,कैलाश कुशवाहा, मनोज सोनी, जगदीश बसंतानी, राजेश मैथिल, राजबहादुर राजपूत, सुषमा विश्वकर्मा, त्रिलोकी अग्रवाल,सत्येंद्र साहू, ताराचंद जैन, रमेश हेडाऊ, सुरेंद्र मिश्रा,चेतन पटेल,मनोज शर्मा,मुकेश अवस्थी,देवी राम साहू,दिनेश पवार सहित काफी संख्या में छात्र छात्राएं और अभिभावक गण उपस्थित थे।

माहेश्वरी महिला संगठन ने 5000 पौधे लगाने का संकल्प

भोपाल। अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा 2.50 पौधे लगाने कौशल कर दिया गया है इसके तहत भोपाल में 5000पौधे लगाए जाने हैं आज अखिल भारतीय महिला संगठन की प्रदेश अध्यक्ष रंजना बाहेती के नेतृत्व में महिलाओं को पौधे वितरित किए गए अखिल भारतीय माहेश्वरी समाज संगठन के अनेक पदाधिकारियों ने आज महिला संगठन द्वारा किए जा रहे वृक्षारोपण कार्यक्रम को प्रोत्साहित किया इसमें जिलाध्यक्ष गिरधर गोपाल राठी प्रदेश उपाध्यक्ष त्रिलोक जाजू, कार्य मंडल सदस्य वैधराज राकेश माहेश्वरी वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष श्याम मानदानिया मनोज काबरा जिला सचिव गोपाल कृष्ण महेश्वरी विशेष रूप से उपस्थित रहे अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन की प्रदेश अध्यक्ष रंजना बाहेती ने बताया कि कामता एकादशी के अवसर पर आज भोपाल में 30 महिलाओं को 300 पौधे वितरित किए गए यह पौधे मेडिसिनल प्लांट है भोपाल में कुल 5000 पौधे लगाने का लक्ष्य संकल्प सिद्ध ग्राम विकास एवं राष्ट्रोदय समिति के बैनर तले नव हरित कार्यक्रम राष्ट्रीय कार्यकारिणी द्वारा चलाया जा रहा है आज के कार्यक्रम में प्रदेश अध्ययन रंजना बाहेती के साथ मालती मूंदड़ा जयश्री बजाज करुणा माहेश्वरी मनीषा काबरा सुधा माहेश्वरी सुनीता माहेश्वरी विनीता बाहेती सुप्रिया महेश्वरी एवं प्राची मूंदड़ा ने पौधारोपण कार्यक्रम में भाग लिया

रोटरी क्लब ने आयोजित किया चिकित्सक कैंप

भोपाल। रोटरी क्लब भोपाल हिल्स द्वारा सामुदायिक सेवा के कार्यक्रम के अंतर्गत मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य पर आधारित चिकित्सक कैंप गोकलदास एक्सपोर्ट अचारपुरा प्राइवेट लिमिटेड भोपाल के तत्वावधान में संयुक्त रूप से, भोपाल स्थित औद्योगिक एरिया में 29 जुलाई, शनिवार को आयोजित किया गया। रोटे डॉक्टर रश्मि जी गोयल, चेयर परसन के नेतृत्व, रोटे हर्ष मित्तल इवेंट कॉर्डिनेटर, रोटे डॉक्टर अनुप कुमार गोयल, रोटे डॉ नीरज तथा अनुभवी स्टाफ़ के साथ , क़रीब 550 महिलाओं और लड़कियों के समुदाय को मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं के लिए , चिकित्सीय देखभाल मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवा माँ एवं बच्चे के सर्वांगीण विकास से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी दी । करीब 100 संबंधित महिलाओं का रक्तचाप, मधुमेह एवं हेमोग्लोबीन टेस्ट किया गया । सभी ज़रूरतमंद महिलाओं को सुरक्षा एवं स्वच्छता के लिये मुफ़्त कीट बैग वितरित किए जिसमें टूथपेस्ट, माउथवॉश, इम्यूनिटी बूस्टर एवं अन्य सामग्री शामिल हैं । डॉक्टर के परामर्श पर सवाल-जवाब का अति सुन्दर प्रदर्शन किया गया । रोटरी क्लब भोपाल हिल्स के अध्यक्ष रोटे कुणाल सिंघल ने कहा कि रोटरी लगातार सामुदायिक सेवाओं में अग्रणी भूमिका निभा रहा हैं । प्रोग्राम मै बड़ी संख्या में क्लब के सदस्यों ने अपनी उपस्थिति दर्ज की।

शिव महापुराण कथा में सुनाया शिव-पार्वती के विवाह का प्रसंग

उपनगर गायत्री मंदिर में चल रही शिव महापुराण कथा

संत हिरदाराम नगर। सीआरपी गायत्री मंदिर मे चल रही शिव महापुराण के पंचम दिवस चेतन्य स्वरूप महाराज ने शिव विवाह और उसके उपरांत की कथा का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि शिव पार्वती के विवाह में सभी देवी देवताओं ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। भगवान भोलेनाथ और पार्वती ने कैलाश में प्रस्थान किया। कार्यक्रम के आचार्य पं रवि पटेरिया ने बताया की 1 अगस्त को कन्या भोज और आचार्य विदाई के साथ कथा का समापन होगा। व्यासपीठ का पूजन एमपी नगर के थाना प्रभारी सुधीर अरजरियाए समिति के कमल मनसुखानी ने की।

11 लाख पार्थिव शिवलिंग निर्माण से पहले निकली कलश यात्रा: संत हिरदाराम नगर के ओल्ड डेरी फार्म स्थित शिव दुर्गा मंदिर पर पंच दिवसीय 11 लाख पार्थिव शिवलिंग निर्माण का भव्य आयोजन का शुभारंभ रविवार से किया गया। आयोजन के पहले दिन कलश यात्रा निकाली गई जो मुख्य मार्ग से होते हुए आयोजन स्थल पहुंची। जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं कलश रखकर शामिल हुई। 31 जुलाई से 3 अगस्त तक प्रतिदिन सुबह 9 से दोपहर 2 बजे तक शिवलिंग निर्माण और दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक रूद्राभिषेक किया जाएगा।

थोक वस्त्र व्यवसाय संघ की बैठक में गूंजा ऐलिवेटेड ब्रिज का मुद्दा

संत हिरदाराम नगर। बैरागढ़ में थोक वस्त्र व्यवसाय संघ की कार्यकारिणी बैठक रखी गई। जिसमें बैरागढ़ में प्रस्तावित एलिवेटेड डबल डेकर ब्रिज का निर्माण को लेकर व्यापारियों ने अपने विचार रखे। संघ के सदस्यों ने कहा कि इसके निर्माण से कारोबार ठप हो जाएगा। संघ के पूर्व अध्यक्ष ने जानकारी देते हुए बताया कि आम व्यापारी ऐलिवेटेड के पक्ष में नहीं है क्योंकि इससे अधिक तोड़फोड़ होने की आशंका है इससे काफी नुकसान होगा। इससे संत नगर का विकास नहीं बल्कि कारोबार ठप हो जाएगा। उन्होंने कहा कि बीआरटीएस कॉरिडोर हटाकर इसकी जगह सिंगल डिवाइडर बनाकर संत नगर की यातायात व्यवस्था में सुधार किया जा सकता है।

गुरूनानक मंडल ने मेधावी छात्र-छात्राओं के साथ सुनी मोदी के मन की बात

देश का भविष्य है आज की युवा पीढ़ी : राकेश कुकरेजा

संत हिरदाराम नगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को गुरुनानक मंडल ने मेधावी छात्र.छात्राओं के साथ सुना। मन की बात में प्रधानमंत्री मोदी ने 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशवासियों से अपने घर में तिरंगा फहराने का अनुरोध किया ष्हर घर तरंगाष् परंपरा जारी रखने का आह्वान किया।

इस अवसर पर गुरुनानक मंडल अध्यक्ष राकेश कुकरेजा ने कहा आज की युवा पीढ़ी ही देश का भविष्य हे हमारे द्वारा मेधावी छात्र छात्राओं को पगड़ी पहनाकरए मेडल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित कर मुख्यमंत्री सीखो कमाओ योजना में पंजीयन कराया गया। इस अवसर पर उत्तर विधानसभा विस्तारक राजकमल सोनी ने बताया की मुख्यमंत्री सीखो कमाओ योजना के माध्यम से मध्य प्रदेश सरकार प्रदेश के युवाओं को उनके कौशल और प्रशिक्षण का संवर्धन करने में मदद कर रही है ताकि वे अच्छे रोजगार के अवसरों का लाभ उठा सकेंए चयनित युवाओं को हर महीने 8 हजार से लेकर 10 हजार रुपये का स्टाइपेंड दिया जाएगा। इस अवसर पर सभी युवाओं ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चैहान का धन्यवाद ज्ञापित किया।

कार्यक्रम में नरेंद्र ठाकुर, संदीप कल्याने, प्रभात मालवीय, सुकांति ठाकुरियाए राजकुमारी डागोर, भगवानदास ढालियाए आलोक भदोरिया, संतोष शर्मा, पीसी कनर्जी, मनीष रामानी, अजय प्रजापति, सुनील विश्वकर्मा, सुजल तोमर, सिद्धार्थ जैन, सूरजकांत चैधरी, जितेंद्र डागोर सहित कई युवा उपस्थित थे।

भाजपा की सरकार आने के बाद गरीबों के लिए शुरू की कई योजनाएं : अमित शाह

इंदौर में आयोजित बूथ स्तर के कार्यकर्ता सम्मेलन में गृह मंत्री ने की प्रदेश संगठन की तारीफ

इंदौर। भारतीय जनता पार्टी की मध्य प्रदेश इकाई के संगठन का केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह कायल हैं और उन्होंने राज्य के संगठन को देश का सबसे अच्छा संगठन बताया है। इंदौर में आयोजित बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं के सम्मेलन में गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि मध्यप्रदेश का पार्टी संगठन देश का नं.-एक संगठन है और इसे गढ़ने में दिवंगत कुशाभाऊ ठाकरे ने दधीचि की तरह अपनी अस्थियां गला दीं, तो राजमाता राजघराने की मर्यादा लांघकर गांव-गांव और गली-गली घूमीं।

शाह ने कहा, मैं प्रदेश की जनता को धन्यवाद देना चाहता हूं, जिसने 2014 तथा 2019 के चुनाव में भाजपा की झोली वोटों से भर दी और 15 महीनों को छोड़कर 2003 के बाद से प्रदेश में लगातार भाजपा की सरकार बनाई। प्रदेश में चार महीने बाद विधानसभा के चुनाव होने जा रहे हैं और आज मालवा की धरती से हम अपने चुनाव अभियान की शुरूआत कर रहे हैं। इंदौर के बाद ऐसे ही कार्यकर्ता सम्मेलन पूरे प्रदेश में होंगे। शाह ने कहा, आप सभी यहां से यह संकल्प लेकर जाएं कि हम परिश्रम की पराकाष्ठा करेंगे और 2023 में रिकॉर्ड बहुमत से प्रदेश में भाजपा की सरकार तथा 2024 में नरेंद्र मोदी को तीसरी बार देश का प्रधानमंत्री बनाएंगे। 2019 के लोकसभा चुनाव में एक सीट कम रह गई थी, लेकिन इस बार पूरी 29 सीटों पर कमल खिलाएंगे।

उन्होंने कहा कि देश में 70 सालों तक कांग्रेस की सरकारें रहीं, लेकिन गरीबों के लिए कोई काम नहीं किया गया। भाजपा की सरकार आने के बाद गरीबों के लिए जो काम हुए हैं, उसी कारण आज भाजपा गरीबों के दिलों की धड़कन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गरीबों के मसीहा बन गए हैं। मध्यप्रदेश में जब कमलनाथ की सरकार थी, तो उस सरकार ने किसान सम्मान निधि योजना के लिए पात्र किसानों के नाम नहीं भेजे। फिर शिवराज की सरकार बनी और 10 दिनों में पात्र किसानों की सूची पहुंचा दी गई। आज प्रदेश के 91.90 लाख किसानों को किसान सम्मान निधि मिल रही है। 60.22 लाख घरों में नल कनेक्शन दिए हैं, 3.6 करोड़ गरीबों को पांच लाख तक का इलाज मुफ्त मिल रहा है। 80 लाख घरों में शौचालय बनाए गए हैं। 1.2 करोड़ परिवारों के लिए प्रति व्यक्ति प्रतिमाह पांच किलो अनाज नरेंद्र मोदी की सरकार दे रही है और शिवराजकी सरकार उसे घर तक पहुंचा रही है। 11 लाख बहनों को उज्जवला योजना के गैस कनेक्शन मिले हैं और 53 लाख प्रधानमंत्री आवास के लिए सवा दो लाख करोड़ रुपये हितग्राहियों के खातों में पहुंचाए गए हैं।

शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने नौ सालों में दुनिया में भारत का झंडा बुलंद किया है। प्रधानमंत्री जहां जाते हैं, वहां मोदी-मोदी के नारे लगते हैं। ये नारे नरेंद्र मोदी के लिए नहीं, बल्कि मालवा की धरती, मध्यप्रदेश और भारत के लिए लगते हैं। नरेंद्र मोदी ने देश को सुरक्षित बनाया है। सोनिया-मनमोहन की सरकार के समय पाकिस्तान से आलिया, मालिया, जमालिया आते थे और बेकसूर लोगों को गोली मारकर चले जाते थे। वह सरकार उफ तक नहीं करती थी। आप सभी के वोटों से देश में नरेंद्र मोदी की सरकार बनी। लेकिन पाकिस्तान भूल गया था कि देश में अब सोनिया-मनमोहन की सरकार नहीं है।

उन्होंने कहा, आतंकियों ने उरी और पुलवामा में हमारे जवानों पर हमला किया, मोदी सरकार ने 15 दिनों के अंदर सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक करके आतंकियों की उनके घर में घुसकर धज्जियां उड़ा दी। कांग्रेस 70 सालों तक धारा 370 को गोदी में रखकर पालती रही। मोदी सरकार ने धारा 370 हटा दी। उस समय कांग्रेस, यूपीए और अन्य दलों ने मिलकर इसका विरोध किया था।

2 सीनियर आईपीएस प्रमोट, 18 आईएएस के ट्रांसफर, 5 कलेक्टर, 4 संभागायुक्त के तबादले

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

इंदौर-भोपाल के कमिश्नर की अदला-बदली

मध्यप्रदेश के गृह विभाग ने दो सीनियर आईपीएस के प्रमोशन किए हैं। 1989 बैच की आईपीएस सुषमा सिंह को प्रमोट करते हुए विशेष पुलिस महानिदेशक, सतर्कता बनाया गया है। वे अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, नारकोटिक्स का जिम्मा संभाल रही थीं। इसी तरह 1990 बैच के आईपीएस डॉ. एस डब्ल्यू नकवी को विशेष पुलिस महानिदेशक, नारकोटिक्स बनाया गया है। उन्हें अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, नराकोटिक्स के पद से प्रमोट किया गया है। आदेश सोमवार सुबह जारी किए गए। मध्यप्रदेश शासन ने रविवार आधी रात को 18 आईएएस के तबादला आदेश जारी किए हैं। इनमें 5 जिलों के कलेक्टर और 4 संभागों के आयुक्त भी बदले गए हैं। भोपाल संभाग के कमिश्नर माल सिंह भयडिया को इंदौर संभागायुक्त बनाया गया है। इंदौर के कमिश्नर डॉ. पवन कुमार शर्मा को भोपाल का संभागायुक्त बनाया गया है। रविवार रात करीब पौने 12 बजे आईएएस के दो तबादला आदेश जारी हुए हैं। पहले ऑर्डर 13 आईएएस अफसरों के तबादले का है। इनमें गुना, भिंड, पन्ना, उमरिया और छिंदवाड़ा के कलेक्टरों का भी ट्रांसफर किया गया है। दूसरे आदेश में 5 वरिष्ठ ब्रूस अफसरों के ट्रांसफर किए गए हैं।

श्रीकांत भनोट को श्रम आयुक्त इंदौर, तरुण राठी को कलेक्टर गुना, भोपाल नगर निगम कमिश्नर बीएस चौधरी कोलसानी को नगरीय विकास एवं आवास विभाग में उप सचिव बनाया गया है। हरजिंदर सिंह पन्ना के नए कलेक्टर होंगे। संजीव श्रीवास्तव को भिंड कलेक्टर बनाया है। मनोज पुष्प अब छिंदवाड़ा के कलेक्टर होंगे। पन्ना कलेक्टर संजय कुमार मिश्रा को मध्यप्रदेश शासन में उप सचिव बनाया गया है। उमरिया कलेक्टर कृष्ण देव त्रिपाठी को माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल में सचिव बनाया गया है। भिंड कलेक्टर सतीश कुमार एस मध्यप्रदेश स्टेट कोऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन लिमिटेड भोपाल के प्रबंध संचालक बनाए गए हैं। इसके साथ ही उनके पास पशुपालन एवं डेयरी विभाग के उप सचिव का भी चार्ज रहेगा। गुना कलेक्टर फ्रेंक नोबेल ए भोपाल नगर निगम के कमिश्नर बनाए गए हैं। उनके पास एमपी मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड के प्रबंध संचालक का अतिरिक्त प्रभार रहेगा। छिंदवाड़ा कलेक्टर शीतला पटले मुख्यमंत्री कार्यालय में उप सचिव बनाई गई हैं। इसके साथ ही उन्हें मध्यप्रदेश स्किल डेवलपमेंट प्रोजेक्ट परियोजना संचालक का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है । भोपाल विकास प्राधिकरण के सीईओ बुद्धेश कुमार वैद्य उमरिया के कलेक्टर होंगे। भोपाल नगर निगम के अपर आयुक्त संदीप केरकेट्टा भोपाल विकास प्राधिकरण (बीडीए) के मुख्य कार्यपालन अधिकारी बनाए गए हैं। पवन शर्मा भोपाल के कमिश्नर बने इंदौर, भोपाल, उज्जैन और नर्मदापुरम के संभाग आयुक्तों का तबादला किया गया है। इंदौर के संभाग आयुक्त पवन कुमार शर्मा को भोपाल संभाग का संभागायुक्त बनाया गया है। शर्मा के पास नर्मदापुरम के कमिश्नर का अतिरिक्त प्रभार रहेगा। उज्जैन के संभाग आयुक्त संदीप यादव को प्रमुख राजस्व आयुक्त मध्यप्रदेश की जिम्मेदारी दी गई है। इसके साथ ही वे सेक्रेटरी राजस्व विभाग तथा आयुक्त भू अभिलेख एवं बंदोबस्त ग्वालियर के अतिरिक्त प्रभार में रहेंगे। संजय गोयल को उज्जैन संभाग का कमिश्नर बनाया गया है। भोपाल संभाग आयुक्त माल सिंह भयडिया इंदौर संभाग के आयुक्त बनाए गए हैं। इसके साथ ही नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण इंदौर के आयुक्त फील्ड का भी अतिरिक्त प्रभार उनके पास रहेगा। नर्मदापुरम के संभाग आयुक्त श्रीमन शुक्ला कृषि विपणन बोर्ड के प्रबंध संचालक और कमिश्नर बनाए गए हैं।

हिम शिवलिंग की पूजा कर किया भंडारे का आयोजन

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

ओम शिव शक्ति सेवा मंडल रजिस्टर्ड भोपाल के सचिव रिंकू भटेजा ने बताया कि मंडल के 51 भक्तों का आठवां जत्था जो कि अमरनाथ यात्रा पूर्ण कर सकुशल भोपाल बापिस आ गया है जिसका प्रतिनिधित्व प्रकाश पाटिल द्वारा किया गया था । इस जत्थे में एक भक्त भोलेनाथ के स्वरूप में यात्रा की थी एवम अपने साथ धतूरे के पौधे को अमरनाथ गुफा लेकर गए थे रिंकू भटेजा ने आगे बताया कि यात्रा पर गए भक्तों द्वारा बाबा बर्फानी का विशाल हिम शिव लिंग बनाकर विधिविधान एवम मंत्रोतचारर्णो द्वारा भोलेनाथ का पूजन कर भंडारे का आयोजन किया गया । भोपाल के प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा भोलेनाथ के भजनों की प्रस्तुति दी गई । इस भंडारे में अनेकों भक्तों द्वारा प्रसाद ग्रहण किया गया । शिव लिंग का पूजन महामंडलेश्वर पंचदसनाम जूना अखाड़ा (उज्जैन) से पधारे शैलाशानंद गिरी के सानिध्य में संपन्न हुआ इस इस अवसर पर मंडल सचिव रिंकू भटेजा भोपाल सांसद प्रतिनिधि अवधेश प्रताप तिवारी,सांसद प्रतिनिधि प्रतिनिधि पंकज जायसवाल, महेश पाल ,पंडित गिरीश शर्मा ,वार्ड पार्षद श्रमंजू शिवनानी, पी के सोनी ,योगेश श्रीवास्तव ,गजेंद्र ठाकुर, अरुण तिवारी ,मुकेश रायकवार, प्रदीप दुबे सहित अनेकों मंडल सदस्य उपस्थित हुए ।

जूनियर एवं सीनियर ट्रायथलॉन प्रतियोगिता संपन्न

भोपाल । प्रतियोगिता में प्रदेश के 16 जिलों के 64 बालक एवं बालिकाओं ने भाग लिया प्रतियोगिता का आयोजन मध्य प्रदेश ट्रायथलॉन संघ द्वारा किया गया। प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण वन विभाग के प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन बल प्रमुख आर के गुप्ता ने किया। ४

विचारधारा के आत्मीय आनंद के लिए काम करता है कार्यकर्ता: प्रभात झा

राहतगढ़ में आयोजित हुआ सुरखी विधानसभा क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ताओं का सम्मेलन

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

सुरखी विधानसभा क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ताओं का सम्मेलन राहतगढ़ के एमडी गार्डन में रविवार को आयोजित किया गया। इसमें सुरखी विधानसभा क्षेत्र के समस्त भाजपा कार्यकर्ता, पदाधिकारी तथा जनप्रतिनिधि शामिल हुए। सम्मेलन में भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व राज्यसभा सदस्य प्रभात झा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा में विचारधारा के आत्मीय आनंद के लिए कार्यकर्ता काम करता है। हम विचारधारा से जुड़े हुए हैं। हमारी पार्टी के जब देश में केवल दो सांसद थे, हम तब नहीं घबराए, आज कार्यकर्ताओं की दम पर और उनकी मेहनत से 303 सांसद हो गए हैं। अपनी सरकार का एक अलग ही आनंद होता है। प्रभात झा ने कार्यकर्ताओं का आव्हान करते हुए कहा कि सुरखी विधानसभा के लिए प्रदेश का गौरव बनाना है। इसके लिए हम सभी संकल्प ले कि इस बार सुरखी विधानसभा 75000 से अधिक मतों से जीतें। प्रदेश में अपनी विधानसभा का नाम ऊंचा करेंगे। उन्होंने कार्यकर्ता से अपील कि है कि अगर इतिहास रचना है तो 72 दिनों के लिए घर छोड़ें और क्षेत्र में मेहनत करें। आपकी महेनत जरूर रंग लाएंगी।

पार्टी का आधार स्तंभ होता है कार्यकर्ता: गोविंद सिंह राजपूत

कार्यकर्ता सम्मेलन में राजस्व एवं परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत में कहा कि भारतीय जनता पार्टी एक मात्र ऐसा दल है, जिसमें कार्यकर्ता ही सर्वोपरि है। यह वही दल है जहां एक साधारण कार्यकर्ता भी प्रधानमंत्री बन सकता है। हालांकि इसके लिए पूर्ण निष्ठा, समर्पण और संकल्प के भाव से पार्टी के लिए समर्पित होना पड़ेगा। मंत्री राजपूत ने कहा कि चुनाव आने वाले हैं, सभी कार्यकर्ताओं की पूरी मेहनत के साथ बूथ जिताने होगा। उन्होंने कहा कि हमारे कार्यकर्ता हमारी शान है। जिनकी मेहनत से हम चुनाव जीते हैं। हर कार्यकर्ता अपने अपने क्षेत्र में मेहनत करता है। इस बार सुरखी विधानसभा क्षेत्र ने 41000 मतों से विजय प्राप्त की जिसका श्रेय हमारे कार्यकर्ताओं को ही जाता है। सुरखी विधानसभा क्षेत्र में 15 सौ करोड़ के विकास कार्य चल रहे जिसने सुरखी विधानसभा क्षेत्र की तस्वीर बदल दी है और यह विकास का रथ इसी तरह चलता रहेगा। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष हीरा सिंह राजपूत ने कहा कि भाजपा के सभी कार्यकर्ताओं को मैं प्रणाम करता हूं। यही पार्टी की रीढ़ हैं, जिन्होंने भाजपा को विश्व का सबसे बड़े राजनैतिक दल होने का दर्जा दिलाया है। कार्यकर्ताओं की मेहनत से ही चुनाव जीते जाते हैं। इस बार सभी को पूरी मेहनत के साथ विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक जीता दिलाने का कार्य करना है। कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष गौरव सिरोठिया ने कहा कि भाजपा सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को लेकर आगे बढ़ाने वाली पार्टी है, जिसमें कार्यकर्ता राष्ट्र के लिए कार्य करता है। आगामी समय चुनाव है, कार्यकर्ताओं को अभी से अपनी तैयारियां तेज करना होगी। अपने बूथ को मजबूत करने के संकल्प के साथ घर-घर जाकर भाजपा की जनकल्याणकारी नीतियों और योजनाओं की जानकारी जनमानस तक पहुंचाने का काम करना है। इस दौरान सुरखी विधानसभा क्षेत्र भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता, मंडलों एवं मोर्चा के अध्यक्ष समेत बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम को सुना: राहतगढ़ के वरिष्ठ समाजसेवी दीना चौरसिया के निवास पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुना गया। इस दौरान पूर्व राज्य सभा सदस्य प्रभात झा, जिला पंचायत अध्यक्ष हीरा सिंह राजपूत, जिला अध्यक्ष गौरव सिरोठिया, मंडल अध्यक्ष अमित राय, वीरेंद्र पाठक, शैलेंद्र सिंह ठाकुर, देवेंद्र

एम्स में बेसिक 2डी इकोकार्डियोग्राफी पर कार्यशाला का आयोजन

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

एम्स के एनेस्थिसियोलॉजी विभाग ने कार्यपालक निदेशक प्रोफेसर डॉ अजय सिंह के मार्गदर्शन में 29 जुलाई 2023 को एलटी 4 और स्किल लैब, एम्स भोपाल में बेसिक 2डी इकोकार्डियोग्राफी पर एक सीएमई सह कार्यशाला का आयोजन किया। सीएमई ने एक पैक्ड वैज्ञानिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। पूरे देश से लगभग 70 प्रतिनिधियों की उपस्थिति के साथ सीएमई का सफलतापूर्वक समापन हुआ। सीएमई का उद्घाटन एम्स भोपाल के कार्यवाहक निदेशक डॉ. प्रो. बर्था एडी रथिनम ने किया। एम्स दिल्ली, एम्स बीबीनगर, जेआईपीएमईआर पांडिचेरी, चित्रा इंस्टीट्यूट तिरुवनंतपुरम, एएफएमसी पुणे, धर्मशिला नारायण सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल दिल्ली, गांधी मेडिकल कॉलेज भोपाल के अतिथि वक्ताओं और अन्य प्रमुख संस्थानों के संकाय सदस्यों और कार्यशाला प्रशिक्षकों ने भाग लिया। पेरिऑपरेटिव अवधि, गंभीर देखभाल, आघात और आपातकाल में ट्रांस थोरेसिक इकोकार्डियोग्राफी (टीटीई) और ट्रांस एसोफेजियल इकोकार्डियोग्राफी टीईई के अनुप्रयोगों पर वैज्ञानिक सत्र आयोजित थे और इन विषयों पर एक जीवंत चर्चा हुई। प्रतिनिधियों ने 2-डी इकोकार्डियोग्राफी, टीटीई

और टीईई व्यू और वाल्वुलर हृदय रोगों और फुफ्फुसीय उच्च रक्तचाप के मूल्यांकन पर कौशल प्रशिक्षण के लिए व्यावहारिक कार्यशाला को शैक्षिक और जानकारीपूर्ण पाया। एम्स के कार्यवाहक निदेशक प्रोफेसर बर्था एडी रथिनम ने इस बात पर जोर दिया कि कार्यशाला के माध्यम से इकोकार्डियोग्राफी द्वारा गंभीर रूप से बीमार रोगियों के मूल्यांकन और प्रबंधन में मूल्यवान नैदानिक जानकारी प्रदान की गई और उन्होंने इस महत्वपूर्ण विषय पर सीएमई और कार्यशाला आयोजित करने के लिए एनेस्थिसियोलॉजी विभाग की सराहना की। एनेस्थिसियोलॉजी विभाग के कार्यवाहक प्रमुख प्रोफेसर (डॉ.) जे.पी. शर्मा ने संकाय और प्रतिनिधियों का स्वागत किया और इस बात पर जोर दिया कि पोर्टेबल इकोकार्डियोग्राफी मशीन के साथ ट्रांसथोरेसिक इकोकार्डियोग्राफी (टीटीई) मरीज के हृदय की स्थिति का त्वरित, सुरक्षित और गैर-इनवेसिव मूल्यांकन प्रदान कर सकती है । सीएमई का समापन कार्यक्रम की आयोजन सचिव, एनेस्थिसियोलॉजी विभाग की अतिरिक्त प्रोफेसर डॉ. पूजा सिंह के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

सिंधी रचना गोष्ठी में नवसृजन सामने आया

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मध्यप्रदेश सिंधु भवन न्यास ,शिवाजी नगर में रविवार की शाम मासिक सिंधी साहित्यिक गोष्ठी हुई। आज संपन्न रचना गोष्ठी में दस कवि उपस्थित थे। गोष्ठी का संयोजन और संचालन ओम प्रकाश टहलियानी पखी ने किया। ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री राजेंद्र मनवानी ने रचनाकारों का स्वागत किया। महासचिव मोहन लालवानी ने आभार माना। गोष्ठी में जिन कवियों ने रचनाएं सुनाईं उनमें नारी लछवानी,भगवान बाबानी,नंद सनमुखानी,हर्षा मूलचंदानी सरिता, मनोज सोनी पंजवानी, मुरली बबलानी, कन्हयो मोटवानी मांदो, वासदेव किशनानी और मनोज बुधवानी शामिल थे। वासदेव किशनानी ने पहली बार काव्य पाठ किया। अशोक मनवानी ने हैप्पीनेस के महत्व पर आधारित लघुकथा टिप और आसुदो लछवानी ने यात्रा संस्मरण शैली में कहानी पढ़ी। आज की गोष्ठी में मानवीय मूल्यों की गरिमा को बढ़ाने और इंसानियत की अहमियत बताने वाली काव्य रचनाएं पढ़ी गईं।

वासुदेव मोही की याद में होगा कवि सम्मेलन: आगामी माह प्रख्यात साहित्यकार स्व. वासदेव मोही की स्मृति में उनकी पुण्यतिथि पर विशेष कवि सम्मेलन करने का निर्णय लिया गया। सिंधु भवन ट्रस्ट इसके लिए आयोजन समिति बनाएगा। कवि सम्मेलन में लेखकों और श्रोताओं की व्यापक भागीदारी के प्रयास होंगे।

इस अवसर पर साहित्य अकादमी,संस्कृति परिषद द्वारा वर्ष 2019 में श्रेष्ठ हिंदी नाट्य लेखन के लिए हरी कृष्ण प्रेमी प्रादेशिक पुरस्कार से पुरस्कृत अशोक मनवानी को सभी रचनाकारों ने बधाई दी।

योग केंद्र पर 90 वर्षीय योग साधिका का सम्मान

भोपाल। आदर्श योग आध्यात्मिक केंद्र के संचालक योग गुरु महेश अग्रवाल ने बताया कि बुजुर्गों का सम्मान करना हमारी परंपरा है। वृद्धजनों से हमें प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से सदैव मार्गदर्शन मिलता है। देश में सर्वाधिक युवा हैं, बुजुर्ग उन्हें मार्गदर्शन देते रहें तो भारत को अग्रणी देश बनाया जा सकता है। इंडस गार्डन फेज एक बाबड़िया कलां रोड़ भोपाल के योग केंद्र पर 90 वर्षीय योग साधिका श्रीमती सुशीला दीक्षित का सम्मान एवं जन्मदिन मनाया गया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से कॉलोनी अध्यक्ष रमन श्रीवास्तव, वरिष्ठ योग गुरु पुष्पा भदौरिया , रमेश कुमार साहू, विमला साहू, मनीषा श्रीवास्तव, किरण जौहरी , उर्मिला सिंह, दीप्ती दूरवार , ज्योति खरे, ज्योति परिहार, मंजुला श्रीवास्तव, आरती नायक सहित सभी नियमित योग साधक उपस्थित रहें

स म्पा द की य

पहले मणिपुर, अब मेरठ..!

मणिपुर में दो महिलाओं के साथ हुई दरिंदगी ने पूरे देश को ही नहीं हिलाया, अपितु दुनिया भर में भारत पर एक दाग लग गया। महिलाओं को निर्वस्त्र करके जिस तरह से भीड़ के बीच परेड करवाई गई, उनमें से एक लड़की का ब्लात्कार किया गया, इस घटना ने सड़क से लेकर संसद तक हाहाकार मचा दिया, लेकिन बावजूद इसके एक के बाद एक इसी तरह के मामले सामने आ रहे हैं। मणिपुर के बाद ही पश्चिम बंगाल में भी एक ऐसा ही वीडियो सामने आया था। वहां भी महिला के कपड़े उतारकर उसके साथ मारपीट की जा रही थी। अब उसी से मिलती जुलती घटना मेरठ में सामने आई है।

मेरठ में एक लड़की के साथ पहले रेप किया गया और फिर उसकी लड़की वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया गया। ये घटना मेरठ के किठौर में हुई जहां लड़की को जंगल में ले जाकर उसके साथ गैंगरेप किया गया। इस गैंगरेप में 4-5 लड़के शामिल थे। ये लड़की को बहला फुसलाकर अपने साथ जंगल में ले गए। वहां ले जाकर लड़की को नशीली दवा पिलाई और फिर उसके साथ बलात्कार किया। ये लड़के यहां पर भी नहीं रुके। लड़की का बिना कपड़ों के वीडियो बनाया गया और फिर उस वीडियो को फेसबुक पर भी डाल दिया गया।

इस वीडियो में लड़की बिना कपड़ों के थी वो इस दरिंदों के सामने दया भीख मांग रही है। उसे छोड़ देने की गुहार लगा रही थी। इनके हाथ-पैर जोड़ रही है। बलात्कार के बाद जब लड़की को होश आया तो वो अपने कपड़े मांग रही थी। इस वीडियो लड़की की आवाज साफ सुनाई दे रही है जिसमें वो इन हैवानों को भैया बोल रही है। वो कह रही है भैया मुझे मेरे कपड़े दे दो, प्लीज मेरे कपड़े मुझे लौटा दो। लेकिन ये हैवानियत की हर सीमा को पार करते दिख रहे हैं।

ये घटना कुछ दिन पहले मेरठ में हुई, लेकिन ये वीडियो अब सोशल वायरल किया गया। वीडियो के सामने आते ही हड़कंप मच गया। इस वीडियो को देखकर लोगों का खून खौलने लगा। लड़की की मां ने अब शिकायत दर्ज करवाई है। पुलिस ने तीन लड़कों को गिरफ्तार किया है। मणिपुर की तरह ही ये घटना बेहद खौफनाक है। एक के बाद एक इस तरह की दिल दहलाने वाली घटनाएं कानून व्यवस्था पर तो सवाल उठा ही रही हैं, हमारे सामाजिक ताने-बाने को भी गंभीर चुनौती दे रही हैं।

मणिपुर के बाद मेरठ में हुई इस घटना ने लड़कियों की सुरक्षा को लेकर मन में सवाल पैदा कर दिए हैं। मध्यप्रदेश में भी बच्चियों के यौन शोषण की घटनाएं लगातार बढ़ी हैं। ये घटना कानून की कमजोरियों और परिवार व समाज पर भी सवाल उठाती है। अगर परिवार वालों को ये बात पता थी तो क्या इस घटना को लेकर शिकायत नहीं की गई? यदि की गई, तो पुलिस वालों ने इस पर एक्शन क्यों नहीं लिया? वैसे आम तौर पर देखा यह गया है कि या तो परिवार वाले अपनी बदनामी के भय से पुलिस को शिकायत नहीं करते, या फिर आरोपियों का इतना दबदबा होता है कि वे शिकायत कर ही नहीं पाते। शिकायत होती भी है तो दबा दी जाती है। रोजनामचे तक में शिकायत का कई बार जिक्र नहीं होता है।

सवाल तो कानून व्यवस्था पर उठते ही हैं, कि घरों पर बुलडोजर चलने के बावजूद लोग कानून से खेलने में डर नहीं रहे हैं। अब कानून से हटकर बात करें तो हमारे समाज पर सवालिया निशान उठते हैं। समाज के जो ठेकेदार किसी फिल्म के डायलोग या एक दृश्य पर पूरे देश में हंगामा कर देते हैं, जाम लगा देते हैं, रेल की पटरियां उखाड़ देते हैं, उनमें इतना साहस नहीं कि ऐसी घटनाओं के खिलाफ जंग छेड़ सकें? टिकट के लिए राजनीतिक पार्टियों से सौदेबाजी करने वाले सामाजिक और विशेषकर जातीय संगठन इन घटनाओं को लेकर सड़क पर क्यों नहीं उतरते? वैसे ऐसे सवाल उठाना बेमानी ही है।

हमने दिल्ली में महिला पहलवानों के लंबे चलने वाले धरने को देखा है। हमने लखीमपुर में किसानों को कुचलने वालों के साथ होने वाले व्यवहार को देखा है। और भी बहुत कुछ देख रहे हैं। मणिपुर की घटना से शर्मसार होते और आंखें बंद किए लोगों को भी देख रहे हैं। सच बात तो यह है कि हमारे समाज के ठेकेदार राजनीतिक मुद्दों को ज्यादा पसंद करते हैं। उन्हें नेताओं के दरबार में हाजिरी लगाना पसंद है, सरकारों के खिलाफ सड़क पर आना नहीं। उन्हें समाज में आ रही बुराइयां दिखती नहीं। अपने परिवार को ही ठीक से शायद नहीं देख पा रहे तो समाज को कौन देखे? पैसे कमाने और चमचागिरी-चापलूसी से वक्त मिले तब तो?

खैर..मणिपुर के बाद मेरठ की घटना भी यदि हमारे अंदर कोई हलचल पैदा नहीं कर पाए तो कोई क्या कर सकता है। हमें मूक दर्शक बन कर देखते रहना ही होगा। सुप्रीम कोर्ट जब मणिपुर की घटना के लेकर कह सकता है कि सरकार नहीं करेगी, तो उसे कुछ करना होगा? तो आम आदमी क्या हिम्मत जुटाएगा? क्या बोलेगा? और सुप्रीम कोर्ट भी बोल ही सकता है, फटकार लगा सकता है, करना तो फिर सरकार या सरकारों को भी है। लेकिन फिर कहेंगे कि सरकार समाज से है, समाज सरकार से नहीं। यदि हम यह नहीं सोच पाए, तो ऐसी घटनाएं होती रहेंगी।

Vallabh Bhawan Corridors 2 Central Vista

तो इसलिए केंद्रीय नेतृत्व ने कमान अपने हाथ में ली!

सुरेश तिवारी

प्रदेश में भाजपा के कार्यकर्ता इस बात को समझ रहे हैं कि राज्य के शीर्ष नेतृत्व में चल रहे मतभेद और एंटी इनकंबेंसी के मद्देनजर इस साल

के अंत में होने वाले विधानसभा चुनावों की कमान केंद्रीय नेतृत्व ने अपने हाथ में ले ली है। पार्टी कार्यकर्ताओं ने यह तर्क देना भी शुरू कर दिया कि प्रदेश प्रभारी मुरलीधर राव, प्रदेश इकाई के अध्यक्ष वीडी शर्मा और सबसे महत्वपूर्ण रूप से सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के भी, जिन्होंने अपने करिश्माई नेतृत्व और कल्याणकारी योजनाओं के कारण लगातार दो विधानसभा चुनाव 2008 और 2013 अकेले जीते, पर पार्टी हाईकमान इस बार आश्वस्त दिखाई नहीं दे रहा था।

राजनीतिक पर्यवेक्षकों ने कहा कि 2008 और 2013 के चुनावों के बारे में भूल जाइए, 2018 में पिछले विधानसभा चुनावों के दौरान केंद्रीय नेतृत्व का हस्तक्षेप उस हद तक नहीं था और राज्य इकाई भाजपा ने अपने दम पर चुनाव लड़ा। इसलिए वह बहुमत हासिल करने में विफल रही। कांग्रेस की 114 सीटों के मुकाबले सिर्फ 109 सीटों के साथ, भाजपा को सबसे पुरानी पार्टी की तुलना में 0.1 प्रतिशत अधिक वोट मिले। यही कारण है कि इस बार केंद्रीय नेतृत्व ने चुनाव का सारा प्रबंधन अपने हाथ में ले लिया।

नाराज नेताओं को मनाने का फ़ार्मूला निकाला गया!

बीजेपी में पुराने नेताओं की नाराजी का सबसे बड़ा कारण था कि वीडी शर्मा के कार्यकाल में उन्हें हाशिए पर डाल दिया गया था। कुछ ने खुलकर अपना विरोध दर्ज कराया जबकि कुछ मन ही मन कुढ़ते और अपने मन की पीड़ा जताते रहे। लेकिन, अमित शाह के कमान संभालने के बाद नरेंद्र तोमर की टीम ने पहला काम पुराने नाराज लोगों को मनाने का ही किया।

चुनाव समितियों के बहाने पुराने नेताओं को साधने की कवायद की गई और कई पुराने नेताओं को मनाने की कोशिश की गई। जयंत मलैया को घोषणा समिति का संयोजक बनाया गया। प्रभात झा को सह संयोजक की जिम्मेदारी दी गई। मुखर विरोधी अजय विश्नोई और पूर्व मीडिया प्रभारी दीपक विजयवर्गीय को भी समितियों में जगह दी गई। अभी और भी कई ऐसे नेता है जिन्हें चुनाव पर प्रबंधन के दौरान जी जिम्मेदारी देकर उनकी नाराजगी को दूर करने की कोशिश की जाएगी। अभी तक वरिष्ठ नेता विक्रम वर्मा और उमा भारती के नाम की इसी समिति में दिखाई नहीं दिया है। अब देखना है कि आगे इनका क्या उपयोग किया जाता है?

पुलिस कमिश्नर की तर्ज पर हुए इंदौर और भोपाल संभाग के कमिश्नर के तबादले

इसे केवल संयोग ही कहा जाएगा लेकिन यह है हकीकत कि जिस प्रकार पुलिस कमिश्नर के मामले में इंदौर और भोपाल के बीच अदला बदली हुई थी, उसी तर्ज संभागीय कमिश्नर के मामले में भी अदला बदली हुई है। इंदौर के संभागीय कमिश्नर पवन कुमार शर्मा को भोपाल और भोपाल के कमिश्नर माल सिंह भयडिया को इंदौर का कमिश्नर बनाया गया है।

इंदौर संभागीय कमिश्नर के मामले में यह बताना उचित होगा कि प्रभात पाराशर के बाद भयडिया ऐसे दूसरे कमिश्नर हैं जो सीधी भर्ती के ना होकर प्रमोटी ड्रूस है। इंदौर संभाग के कमिश्नर की पोस्टिंग की दृष्टि से अगर अभी तक का इतिहास देखा जाए तो भयड़िया को काफी जूनियर ही कहा जाएगा।

शहडोल के दो कार्यों का उल्लेख 'मन की बात' में!

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रविवार हुए आकाशवाणी कार्यक्रम 'मन की बात' में जिस भी इलाके और जिस काम का उल्लेख होता है, वो जनचर्चा का विषय बन जाता है। इस रविवार प्रधानमंत्री के इस कार्यक्रम में उन्होंने अपनी पिछली शहडोल यात्रा का उल्लेख किया और वहां चल रहे दो कार्यक्रमों का उल्लेख कर उसकी दिल खोलकर तारीफ की।

नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' में कहा कि मैं पिछले दिनों शहडोल जिले के पकरिया गांव गया था। वहां के आदिवासी भाई-बहनों ने कुंओं को वाटर रिचार्जिंग सिस्टम में बदलने का निश्चय किया। पता चला है कि उन्होंने 100 कुंओं को इसके लिए तैयार भी कर लिया।

उन्होंने पूरे क्षेत्र के 800 कुंओं को वाटर रिचार्जिंग के लिए तैयार करने का लक्ष्य बनाया है। इसी प्रकार फुटबॉल क्रांति का भी उन्होंने उल्लेख किया और कहा कि ब्राजील की तर्ज पर वहां गांव-गांव में फुटबॉल लोकप्रिय होता जा रहा है।

दरअसल ऐसा कम ही होता है जब मन की बात में एक ही जिले के दो कार्यों का की तारीफ हो लेकिन ऐसा मध्यप्रदेश के शहडोल जिले के कार्यों को लेकर हुआ है। निश्चित तौर पर उसका श्रेय वहां के संभागीय कमिश्नर राजीव शर्मा और कलेक्टर वंदना वैद्य को दिया जाना चाहिए, जिन्होंने योजनाबद्ध तरीके से जनभागीदारी के माध्यम से यह दोनों काम शुरू किए।

कन्हैया कुमार ने बड़े नेताओं के बीच मैदान मारा

कांग्रेस के कई नेता रविवार को इंदौर आए। कमलनाथ और दिग्विजय सिंह समेत सारे बड़े नेता कई कार्यक्रमों में इकट्ठा हुए। विधायक संजय शुक्ला के यहां हुए आयोजन के बाद महिला कांग्रेस और आदिवासी महापंचायत का कार्यक्रम हुआ। लेकिन, सबसे ज्यादा चर्चा हुई फायर ब्रांड वक्ता कन्हैया कुमार के भाषण की। पार्टी के बड़े नेताओं के होने के बावजूद कन्हैया कुमार ने मैदान मार लिया। यहां तक कि भाजपा के नेताओं ने भी कन्हैया कुमार की बातों पर प्रतिक्रिया दी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने प्रदेश के मुख्यमंत्री के साथ केंद्र और राज्य के गृहमंत्रियों को आड़े हाथ लिया। उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का बेटा विदेश में पढ़ता है। क्योंकि, वो अपने राज्य में ही इतने अच्छे स्कूल और कॉलेज नहीं बनवा सके। कन्हैया कुमार ने कहा कि आदिवासियों ने वोट का अधिकार लेने के लिए भी संघर्ष किया है। अब सरकारों को समझना होगा कि, वो आदिवासियों के अधिकार उन्हें नहीं देगी तो हम उनसे छीनकर लेंगे।

उन्होंने प्रदेश के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा के नाम पर टिप्पणी करते हुए कहा कि उनके राज्य में सबसे ज्यादा महिला अपराध होते हैं, यह हम नहीं बल्कि केंद्र से जारी आंकड़ों में दर्ज है। हमें सवाल पूछना होगा कि, सिलेंडर क्यों महंगा है। सरकार और नेता हमें ठग रहे हैं। आंखों में धूल झोंककर हमारे जल जंगल जमीन खींचे जा रहे हैं। हमारे बच्चों के लिए भी अच्छा स्कूल होना चाहिए। भर्ती घोटाला खत्म ही नहीं हो रहा।

राकेश सिंह ने बताया कि वे गोविंद सिंह से सीनियर नेता

कांग्रेस के नेता चौधरी राकेश सिंह और नेता प्रतिपक्ष डॉ गोविंद सिंह एक-दूसरे को फूटी आंख नहीं सुहाते। भिंड और लहार के इन दोनों नेताओं के बीच हमेशा खींचतान चलती रहती है। हाल ही में चौधरी राकेश सिंह का एक वीडियो सामने आया जिसमें उन्होंने गोविंद सिंह के बारे में खरी खरी बातें कही।

इस वीडियो में राकेश सिंह को बेहद आक्रोश में दिखाया गया है। उन्होंने पहले तो गोविंद सिंह का पुराना इतिहास खोला जब वे जनता दल और लोकदल के टिकट पर चुनाव लड़े और हारे थे। राकेश सिंह ने यह भी कहा कि 1993 में दिग्विजय सिंह उन्हें कांग्रेस में लाए थे तब वे पहली बार चुनाव जीते। ये बताते हुए राकेश सिंह ने बता दिया कि गोविंद सिंह राजनीति में उनसे सीनियर नहीं हैं।

मणिपुर: आखिर सत्ता और विपक्ष चाहते क्या हैं?

दिल्ली के सत्ता और राजनीतिक गलियारों में पिछले सप्ताह मणिपुर ही छाया रहा। इसके कारण संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही भी बाधित रही। चर्चा मे यह मुद्दा विशेष रूप से छाया रहा कि आखिर सता और विपक्ष चाहते क्या है? इस बात पर भी सहमति सुनी गई है दोनों ही पक्ष इस मुद्दे पर सिर्फ राजनीति कर रहे हैं। समस्या के समाधान की बात न करके केवल बहस के मुद्दे पर बात अटकाई हुई है।

दिल्ली प्रशासनिक अध्यादेश:सत्ता और विपक्ष के बीच जोर आजमाई होना तय

दिल्ली प्रशासनिक अध्यादेश को लेकर सत्ता और विपक्ष के बीच जोर आजमाई होना तय है। केंद्र सरकार ने तय किया है कि इस अध्यादेश को पहले राज्य सभा में पेश किया जाएगा। सभी विपक्षी दलों ने व्हिप जारी कर दिए हैं। सबकी नजर राज्य सभा के उपाध्यक्ष हरिवंश पर है। देखना है कि वे पार्टी जनता दल यूनाईटेड के व्हिप का पालन करते हैं कि उल्लंघन। वैसे भी अध्यादेश के फैसले के लिए कुल तीन वोटों का अंतर है। सूत्रों का कहना है कि उपाध्यक्ष सरकार के पक्ष में जा सकते हैं। इस अध्यादेश को सरकार इसी हफ्ते प्रस्तुत कर सकती है। इसका पारित होना भी सरकार के लिए बहुत जरूरी है। इसमें उप राज्यपाल को दिल्ली सरकार का मुखिया बनाया गया है।

कौन बनेगा केंद्र में आईटी सचिव?

केंद्र मे दूरसंचार विभाग के सचिव का पद 31 जुलाई को खाली हो रहा है। वर्तमान सचिव राजाराम एक अन्य पद पर जा रहे हैं। वे तमिलनाडु काडर के आईएएस अधिकारी है। सरकार लगता है फिलहाल कोई नया सचिव नियुक्त करने की बजाय किसी सचिव को अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंप सकती हैं।

अन्य केंद्रीय सेवा के अधिकारियों में पनपता असंतोष

केंद्र सरकार मे संयुक्त सचिव के पद पर अन्य केंद्रीय सेवा के अधिकारियों को नियुक्ति न मिलने से उनमें असंतोष है। बताया जाता है कि कुछ अधिकारी तो एक साल से अधिक समय से नियुक्ति की प्रतीक्षा कर रहे हैं। केंद्र मे एम्पैनलमेट के बाद यदि दो साल तक नियुक्ति नहीं मिलती तो उनका एम्पैनलमेट स्वत: समाप्त माना जाता है। कयी अधिकारी तो डीओपीटी के भी चक्कर लगा चुका है लेकिन अभी तक सफलता नहीं मिली है।

राज-काज:भाजपा से चुनाव लड़ने को तैयार ये आईएफएस

दिनेश निगम 'त्यागी'

आला अफसरों की राजनीति में रुचि नई नहीं है। भारतीय वन सेवा (आईएफएस) के दो अफसर भी रिटायरमेंट के बाद भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं। एक की मंशा लोकसभा और दूसरे की विधानसभा चुनाव लड़ने की है। ये अफसर हैं सीएस निनामा और डीएस डोडवे। निनामा अगस्त 2022 में सेवानिवृत्त हो चुके हैं जबकि डोडवे 31 जुलाई को रिटायर हो रहे हैं। निनामा पहले से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े रहे हैं। वे झाबुआ लोकसभा सीट से चुनाव लड़ना चाहते हैं। खबर है कि भाजपा से उन्हें तैयारी करने के संकेत भी मिल चुके हैं।

झाबुआ से सांसद जीएस डामोर ईएनसी रहे हैं लेकिन उन पर कई आरोप हैं। भाजपा उनके स्थान पर निनामा पर दांव लगा सकती है। दूसरे अफसर डोडवे रतलाम के ग्रामीण इलाके के रहने वाले हैं। वे भाजपा के टिकट पर सैलाना से चुनाव लड़ने की इच्छुक हैं। सैलाना में कांग्रेस का कब्जा है। इसलिए उन्हें टिकट मिलने में ज्यादा परेशानी नहीं आएगी। अफसरों के राजनीति में आने का यह नया मामला नहीं है। इससे पहले डॉ भागीरथ प्रसाद, रुस्तम सिंह सहित कई आला अफसर भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ चुके हैं। सेवानिवृत्त आईएएस डीएस राय भी कांग्रेस से टिकट मांग रहे हैं।

चुरहट में आप बिगाड़ेगी दिग्गजों के समीकरण

विंध्य अंचल की चर्चित चुरहट विधानसभा सीट में दूसरी बार मुकाबला रोचक होगा। पिछला मुकाबला इसलिए चर्चित था क्योंकि नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह को यहां पहली बार पराजय का सामना करना पड़ा था। भाजपा के शरदेंदु तिवारी ने उन्हें लगभग साढ़े 6 हजार वोटों के अंतर से हरा दिया था। इस बार भी दोनों आमने-सामने होंगे, इसकी वजह से सभी की नजरें इस सीट पर पहले से थीं, लेकिन आम आदमी पार्टी से गोविंद मिश्रा के बेटे अनेंद्र मिश्रा उर्फ राजन के चुनाव लड़ने की तैयारी से चुनाव और रोचक हो गया है।

गोविंद मिश्रा सीधी से दो बार सांसद रहे हैं और 1993 में वे चुरहट से विधायक भी चुने गए थे। तब अजय सिंह भोजपुर में तत्कालीन मुख्यमंत्री सुंदरलाल पटवा से मुकाबला करने चुरहट छोड़ आए थे। इस नाते गोविंद मिश्रा एवं उनके परिवार के भी चुरहट क्षेत्र में अच्छे संपर्क हैं। गोविंद के बेटे अनेंद्र काफी समय से लोगों से संपर्क कर चुनाव की तैयारी कर रहे हैं।

सूत्र बताते हैं कि अनेंद्र के मैदान में होने से शरदेंदु और अजय दोनों के समीकरण गड़बड़ हो सकते हैं। अनेंद्र भाजपा के शरदेंदु को 80 फीसदी नुकसान पहुंचाएंगे तो अजय सिंह को भी 20 फीसदी नुकसान होगा, क्योंकि अजय को मिलने वाला शरदेंदु से नाराज वोट अनेंद्र के पास भी जा सकता है।

चार बिंदुओं पर फोकस कर रहे अमित शाह

विधानसभा चुनाव से पहले पूरी कमान अपने हाथ में लेने का फैसला भाजपा नेतृत्व ने अचानक नहीं लिया। इसकी वजह प्रदेश से मिल रही कुछ रिपोर्ट हैं। इनमें मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के परिश्रम के बावजूद पार्टी की हालत कमजोर बताई जा रही थी। कमियों को दूर करने के उद्देश्य से तीन केंद्रीय मंत्रियों को जवाबदारी सौंपने के बावजूद पार्टी के चाणक्य केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने खुद मोर्चा संभाला। व्यवस्थित चुनाव अभियान पर तो फोकस है ही, शाह ने चार बिंदुओं पर अपना ध्यान केंद्रित कर रखा है।

पहली खबर थी कि प्रदेश भाजपा के अंदर वरिष्ठों एवं कनिष्ठों के बीच खाई पैदा हो गई है। इसे पाट कर सभी को संतुष्ट करना। दूसरा, 'अपनी-अपनी ढपली, अपना-अपना राग' अलाप रहे नेताओं को एकजुट करना। तीसरा, प्रत्याशी चयन में भाई भतीजावाद पर विराम लगाकर जीतने की क्षमता वालों को टिकट देना। चौथा बार-बार दौरे कर पार्टी कार्यकर्ताओं को मना कर उनमें जोश भरना।

पार्टी नेतृत्व का मानना है कि यदि इन क्षेत्रों में काम हो गया तो फिर भाजपा को सत्ता तक पहुंचाया जा सकता है। केंद्र की सक्रियता का असर पार्टी में दिखाई भी देने लगा है। पार्टी नेता मैदान में सक्रिय हो गए हैं। शाह के दौरे के दौरान भी वे भोपाल का रुख नहीं कर रहे हैं।

गोपाल के अभिषेक को करना होगा लंबा इंतजार

प्रदेश के पीडब्ल्यूडी मंत्री और भाजपा के कद्दावर नेता गोपाल भार्गव की क्षेत्र में पकड़ ऐसी है कि जब चाहें अपने बेटे अभिषेक को विधानसभा पहुंचा सकते हैं लेकिन बेटे की किस्मत में अभी लंबा इंतजार लिखा है। अभिषेक रहली के साथ पूरे सागर जिले में खासे सक्रिय हैं। चुनाव में अपने पिता के प्रचार अभियान की कमान वे ही संभालते हैं। पिता गोपाल भार्गव भी चाहते हैं कि बेटा राजनीति की मुख्य धारा में आए लेकिन दो कारणों से उन्हें इंतजार ही करना होगा। पहला कारण तो यही कि भाजपा में एक ही परिवार के दो लोगों को टिकट नहीं मिल सकता। भाजपा परिवारवाद को लेकर अन्य दलों पर हमलावर रहती है, इसलिए भी यह संभव नहीं।

गोपाल पार्टी के प्रतिबद्ध रहने वाले नेता हैं, इसलिए वे पार्टी लाइन से बाहर नहीं जा सकते। दूसरा, गोपाल भार्गव ने खुद कह दिया है कि गुरू की आज्ञा है कि मैं अभी तीन चुनाव और लड़ूं, इसलिए गुरू की आज्ञा का पालन करना और कराना है। गुरू की आज्ञा के कारण भार्गव बेटे के लिए सीट छोड़ने का निर्णय भी नहीं ले सकते। साफ है कि अभिषेक भले लगभग डेढ़ दशक से लगातार सक्रिय हैं, लेकिन हालात ऐसे निर्मित हो गए हैं कि उन्हें बिना चुनाव लड़े ही जनता की सेवा में लगे रहना होगा और अपने पिता की मदद करते रहना होगी।

भाजपा की तर्ज पर रणनीति बना रही कांग्रेस

विधानसभा चुनाव में जब बमुश्किल चार माह का समय बचा है तब भाजपा और कांग्रेस के बीच शह-मात का खेल जारी है। जनता के बीच ओपिनियन में कुछ आगे चल रही कांग्रेस को भाजपा ने झटका दिया है। भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने जब से प्रदेश में ध्यान केंद्रित किया, तीन केंद्रीय मंत्रियों भूपेंद्र यादव, अश्विनी वैष्णव और नरेंद्र सिंह तोमर को जवाबदारी सौंपी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दौरे तेज किए तो कांग्रेस पिछड़ती दिखने लगी।

भाजपा के पक्ष में फिर वातावरण बनने लगा। लिहाजा, कांग्रेस में भी चुनाव को लेकर भाजपा की तर्ज पर रणनीति बनाई जाने लगी है। पार्टी के प्रदेश प्रभारी जेपी अग्रवाल को बदलने की चर्चा चल पड़ी है।

कहा जा रहा है कि रणदीप सुरजेवाला को चुनाव के लिहाज से प्रमुख दायित्व सौंपा जा सकता है। कर्नाटक में वे अपना कमाल दिखा चुके हैं। प्रदेश कांग्रेस के मीडिया विभाग का काम देखने भी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता मप्र में डेरा डालने वाले हैं। मोदी-शाह की तरह मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के दौरे शुरू होने वाले हैं। कर्नाटक में आजमाए अन्य राष्ट्रीय चेहरों को भी चुनाव के लिए तैनात किया जाने वाला है। अर्थात कांग्रेस में भी केंद्रीय नेतृत्व के हाथ में पूरा मैनेजमेंट होगा।

नेताओं में नेशन फर्स्ट होना चाहिए

अजात शत्रु श्रीवास्तव

विश्वशक्ति अमेरिका का 250 साल पुराना लोकतंत्र अपनी बहुत सारी खूबियों को समाहित किए हुए है जो कि सभी लोकतांत्रिक देशों के लिए सबक़ भी है। विशेष रूप से विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत के लिए, और वो भी सभी राजनीतिक नेताओं के लिए।

ऐसा नहीं है कि अमेरिका में भ्रष्टाचार, हिंसा, पक्षपात नहीं है। वहाँ ट्रम्प है, हिंसा भी है, लेकिन सामान्य रूप से राष्ट्रहित पहले है। नेशन फ़र्स्ट मात्र नारा नहीं है, बल्कि उसे क्रियान्वित भी करते हैं इसका उदाहरण विगत सप्ताह की दो छोटी से बातों से होता है।

गत सप्ताह अमेरिकी सरकार ने उनके पूर्व राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन (1913-1994) का 21 मार्च 1994 का पत्र डिक्लासिफाई किया है। यह पत्र अपने आप में अमेरिकी लोकतंत्र का बहुत ही सुंदर उदाहरण ही नहीं बल्कि राजनीतिक सूझबूझ का नमूना है।

हम इस पत्र के तथ्यों में जाने के पहले यह समझ ले कि निक्सन अमेरिका के रिपब्लिकन पार्टी के नेता थे। वे 1969 से 1974 तक राष्ट्रपति थे और उन्हें बहुत बे आबरु होकर वाटरगेट कांड में स्तीफा देकर जाना पड़ा था। उन्ही निक्सन को रिपबब्लिकन पार्टी की धुरविरोधी पार्टी डेमक्रैटिक पार्टी के तत्कालीन राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने 1994 में अमरीकी विदेश नीति के विस्तार के लिए रुस, यूक्रेन, जर्मनी व इंग्लेंड चार देशों की यात्रा में देश के प्रतिनिधि के रूप में भेजा था। विदेश यात्रा से लौट कर निक्सन ने क्लिंटन को जो पत्र लिखा है वह अमेरिका के विजन व दूरदर्शिता तथा लोकतंत्र की परिपक्वता को दर्शाता है।

निक्सन के 7 पेज के पत्र में बहुत ही स्पष्ट रूप से क्लिंटन को लिखते हैं कि वे अपने निर्णयों में नौकरशाही पर निर्भर ना होकर सीधे निर्णय करें और वो भी ऐसा ही करते थे, क्योंकि नौकरशाही स्पष्ट निर्णय ना लेकर सिर्फ़ विषय टालती है।

उसके बाद निक्सन लिखते हैं कि क्लिंटन का इन चारों देशों में बहुत सम्मान है, यह उनके लिए शुभ समाचार है और इसे बहुत ही स्पष्ट रूप से क्लिंटन को बता रहें है। फिर निक्सन लिखते हैं की इस विदेश यात्रा में पत्रकार उनसे वाइट वाटर स्कैंडल के बारे में पूछते है। इस स्केंडल में क्लिंटन आरोपित थे, जिस पर निक्सन ने स्पष्ट रूप से पत्रकारों को बोला कि वे विदेश यात्रा में घरेलू राजनीति में बात नहीं करते। इस प्रकार उन्होंने क्लिंटन का बचाव किया जो उनके राजनीतिक विरोधी थे। निक्सन ने आगे यह भी कहा कि घरेलू मुद्दों को विदेश की महत्वपूर्ण विदेश नीति में हावी नहीं होने देंगे और देश के दोनो रजनीतिक दल राष्ट्रपति का समर्थन करेंगे।

पत्र में वो रुस के तत्कालीन राजनीतिक स्थितियों का विस्तृत विश्लेषण कर क्लिंटन को सुझाव दे रहें कि रुस के संदर्भ में क्या विदेश नीति होनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि निक्सन वर्ष 1994 में चीन की बढ़ती हुई आर्थिक प्रगति व यूक्रेन की बिगड़ती हुई स्थिति को रेखांकित कर रहें हैं जो उनकी दूरदर्शिता को बता रहा है और देश की नीति क्या होनी चाहिए उस पर सुझाव दे रहें हैं। पत्र के आख़िर में निक्सन अपने राजनीतिक विरोधी को शुभकामना दे रहें हैं बल्कि आशा कर रहें हैं कि क्लिंटन के नेत्रत्व में देश की विदेश नीति ऐसी रहेगी जो की बीसवीं शताब्दी में अमेरिका के हितों को सुरक्षित रखेगी।

अमेरिका के लोकतंत्र की एक खूबसूरती और सामने तब आयी जब अमेरिका-चीन के बिगड़ते रिश्तों को सम्भालने के लिए डेमक्रैटिक पार्टी के राष्ट्रपति जो बाइडन ने 100 वर्षीय हेनरी किसिंगर को देश के विशेष प्रतिनिधि के रूप में गत सप्ताह चीन भेजा है। उल्लेखनीय है कि किसिंगर रिपब्लिक पार्टी के नेता रहें हैं व निक्सन के विदेश मंत्री 50 साल पहले थे। चूँकि किसिंगर के शिंग जी पिन से पुराने सम्बंध रहें हैं, इसलिए उन्हें चीन भेजा गया। शि जिन पिंग ने उन्हें मिलने का भी समय दिया जो की उनकी अहमियत बताता है।

उपरोक्त विश्लेषण का आशय यह है की सभी देशों के नेताओं में नेशन फ़र्स्ट होना चाहिए ना की राजनीतिक हित। हमें ऐसा अनुभव नरसिंहराव-अटल बिहारी वाजपेई के समय हो चुका है, लेकिन वर्तमान में ऐसा लग रहा है की घरेलू राजनीति विदेशी भूमि में ज़्यादा लड़ी जा रही है क्योंकि वहाँ के दो ईकोसिस्टम भारत को नुक़सान पहुँचाने के लिए ना सिर्फ़ पैसा खर्च कर रहें हैं बल्कि पूरी ताक़त इस प्रकार लगाये हुए हैं कि जैसे कि वो अगले चुनाव में खुद ही सत्ता में आना चाहते हैं। अपेक्षा है कि देश के सभी नेता लोकतांत्रिक मूल्यों का सम्मान करते हुए सुरक्षित और विकसित राष्ट्र के सपनों को पूरा करने के मार्ग में चलेंगे अन्यथा जनता को ही निर्णय करना पड़ेगा की राष्ट्रहित के लिए क्या करना चाहिए।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना, प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

पूरन गुलाबजामुन के उस्ताद की स्मृति में हुआ पौधरोपण

औबेदुल्लागंज .नगर की फेमस गुलाबजामुन के नाम से प्रख्यात पूरन सेठ की स्मृति में सावन मास के अवसर पर पौधरोपण कार्यक्रम रखा गया। रविवार को नर्मदापुरम (होशंगाबाद) मार्ग स्थित बड़ वाले बाबा के स्थान पर स्वर्गीय पूरन उस्ताद की स्मृति में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। पौधरोपण नगर के अधिवक्ता दीपक नागर की ओर से कराया गया। मांझी समाज के अध्यक्ष बब्लू कहार की अध्यक्षता में पौधरोपण कार्यक्रम संपन्न हुआ। बड़ वाले बाबा के स्थान पर नीम, आम, चांदनी, शीशम, वीलपत्र के पौधे रोपे गए। उपरांत बब्लू कहार ने पूरन उस्ताद की स्मृति में मुक्तिधाम पर भी वीलपत्र के पौधे रोपे। इस मौके पर पूर्व प्रेस क्लब अध्यक्ष भारत निहाल ने भी अपने पुत्र आहान निहाल के जन्मदिन पर पौधे रोपे। इस मौके पर प्रीतम राजपूत, वैभव जैन, अजय मालवीय, बीके मिश्रा आदि मौजूद रहे।

बटली घाट के अवैध रेत कारोबार को चला रहा पप्पू

शहडोल। जिले मे रेत खनन अक्टूबर तक पूर्ण रूप से प्रतिबंधित है,क्योकि बरसात का समय नदी मे रहने वाले जलीय जीवो के प्रजनन का माना जाता है,परन्तु बुढार क्षेत्र के जरवाही व बटली घाट मे इन दिनो रेत का अवैध खनन जारी है जिसपर प्रशासन लागाम लगा पाने मे असफल प्रतीत हो रहा है,सूत्रो की माने तो इस खनन की सम्पूर्ण जवाबदेही बुढार थाना के वाहन चालक पप्पू ने ले रखी है,बुढार से लेकर धनपुरी,कंचनपुर,शहडोल तक के लोग यहां रात के अंधेरे मे रेत लेने पहुचते है।जनचर्चा तो यह भी है कि सभी का रेट 10,000 से लेकर ओहदे अनुसार फिक्स कर दिया गया है जिसकी कमान भी पप्पू ने संभाल रखी है तो वही स्थानीय लोगो की माने तो जिले के खनिज अधिकारी से लेकर थाना तक सभी की हिस्सेदारी की बात आम हो चली है।मालूम हो बीते वर्ष मे घाट मे अवैध उत्खनन को लेकर दो गुटों मे जमकर विवाद हुआ था और गोलियां भी चली थी बावजूद इसके खनन को खुले तौर पर पप्पू नामक व्यक्ति द्वारा चलाया जा रहा है।बहरहाल जिले के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा यदि इसपर रोक नहीं लगाई जाती तो किसी दिन कोई बडी घटना अखबारो की सुखियां बन सकती है।

कशोर कुमार नाइट 4 अगस्त को अग्रोहा लान में

सिवनी- जबलपुर रोड लूघरवाड़ा स्थित अग्रोहा लान में 4 अगस्त शुक्रवार को देश के सुप्रसिद्ध गायब किशोर कुमार गांगुली के 94वें जन्मोत्सव पर किशोर कुमार नाइट कार्यक्रम आयोजित किया गया है। आयोजन समिति के गोविंद अग्रवाल, सल्लू अग्रवाल, पराग कटरे, आशीष अग्रवाल ने बताया कि शाम 7 बजे से गायकों द्वारा अपनी आवाज में किशोर कुमार के सदाबहार गीतों की सुमधुर प्रस्तुति दी जाएगी। कार्यक्रम में प्रवेश निःशुल्क रहेगा। आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि संगीतमय कार्यक्रम में जिले के प्रसिद्ध उद्योगपति व समाजसेवी संजय सुनील मालू मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहेंगे। जिंदल हास्पिटल के संचालक व समाजसेवी डा. सुनील अग्रवाल विशिष्ट अतिथि होंगे। किशोर कुमार नाइट में स्थानीय व जिले के बाहर से आए चुनिंदा गायकों द्वारा किशोर कुमार के सदाबहार गीतों की सुमधुर प्रस्तुति दी जाएगी। विश्व संगीत के सुनहरे पन्नों पर अपनी अमिट पहचान बनाने वाले, विशिष्ट गायन शैली के हरफनमौला कलाकार व मध्यप्रदेश की माटी में जन्में महान गायक व अभिनेता किशोर कुमार गांगुली के 94वें जन्मोत्सव पर संगीतमय कार्यक्रम आयोजित किया गया है।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में लापरवाही पर कलेक्टर ने नर्सिंग ऑफिसर को किया निलंबित

खरगोन । जिले के वन ग्राम सिरवेल के अस्पताल में गुरुवार को हुई लापरवाही के मामले में कलेक्टर श्री शिवराज सिंह वर्मा ने सीएमएचओ से 24 घंटे में जांच कराई और जांच के बाद लापरवाही करने वाले स्टाफ पर कार्यवाही की। जांच रिपोर्ट के आधार पर कलेक्टर श्री वर्मा ने बताया कि जिस स्टाफ को डिलेवरी के लिए रखा गया है। उनके द्वारा डिलेवरी न करना एक घोर लापरवाही उजागर हुई है। इस मामले में नर्सिंग ऑफिसर कविता अलावे को निलंबित किया गया है। साथ ही एएनएम मोनिका वास्कले की संविदा समाप्ति का प्रस्ताव राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन को भेजा गया है। इसके अलावा वहां पदस्थ डॉ. संदीप मंडलोई पर अनुशासनात्मक कार्यवाही प्रस्तावित की गई है।

संगम सेवालय ट्री एम्बुलेंस ने पौधारोपण कर मनाया अपना स्थापना दिवस

आज सुबह संगम सेवालय की ट्री एम्बुलेंस टीम ने न्यू कॉलोनी के संगम पार्क में पौधारोपण कर अपना पांचवा स्थापना दिवस मनाया टीम के सदस्य दीपू चतुर्वेदी जी ने बताया कि 30 जुलाई 2018 को ट्री एम्बुलेंस की सेवा प्रारंभ की गई थी जिसके बाद से लगातार हमारी टीम शहरमे पौधारोपण और पौधों की देखभाल कर रही है हमारी टीम के द्वारा इस दौरान लगभग 5000 से ज्यादा पौधे रोपे है जिनमे से 90 प्रतिशत पौधे देखभाल के कारण जीवित है टीम के सदस्य देवकीनंदन साहू ने बताया कि आज एंजिल अवस्थी ने अपने जन्मदिन की उपलक्ष्य में पौधे रोपे है हमारी टीम ने यह पार्क कचरा स्थल को साफ करके बनाया है आज पौधारोपण के समय विपिन अवस्थी, हरेन्द्र सिंह चंदेल,दिल्लाराम अहिरवार रागी अवस्थी, दीपू चतुर्वेदी, देवकीनंदन साहू ,एंजिल अवस्थी, और प्रमोद रैकवार उपस्थित रहे

सांची विधानसभा क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ता सम्मेलन में उमड़ा कार्यकर्ताओं का सैलाब, ऐतिहासिक रहा कार्यक्रम

प्रत्येक बूथ भारतीय जनता पार्टी की महत्वपूर्ण कड़ी

रायसेन। रायसेन जिले की सांची विधानसभा क्षेत्र के समस्त भाजपा कार्यकर्ताओं का विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन सागर मार्ग स्थित श्रीराम परिसर में आयोजित किया गया जिसमें बड़ी संख्या में सांची विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं ने उत्साह के साथ भाग लिया पूरे श्रीराम परिसर में जिधर देखो उधर भाजपा कार्यकर्ता ही कार्यकर्ता नजर आ रहे थे। कार्यकर्ता सम्मेलन का शुभारंभ कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए प्रदेश के वरिष्ठ भाजपा नेता अजय प्रताप सिंह एवं मध्य प्रदेश शासन के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ प्रभु राम चौधरी जिला भाजपा अध्यक्ष राकेश शर्मा नवनियुक्त जिला भाजपा चुनाव प्रबंधन समिति के जिला संयोजक एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता नरेंद्र सिंह कुशवाह जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंत मीणा आदि ने सर्वप्रथम भाजपा के ध्वज फहराकर कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत की । इसके पश्चात कार्यक्रम में मौजूद भाजपा चुनाव प्रबंधन समिति के जिला संयोजक नरेंद्र सिंह कुशवाहा का सभी ने स्वागत किया। भाजपा कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता अजय प्रताप सिंह ने कार्यक्रम में मौजूद सभी भाजपा कार्यकर्ता भाई बहनों को धन्यवाद देते हुए उन्होंने विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन में विचार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रत्येक प्रत्येक बूथ भारतीय जनता पार्टी की महत्वपूर्ण कड़ी है अगर बूथ मजबूत होगा तो पार्टी मजबूत होगी उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा कि आगामी होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए पूरी एकता के साथ अपने काम में जुट जाएं और भाजपा को ऐतिहासिक सफलता दिलाएं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने संपूर्ण मध्यप्रदेश में जो विकास के कार्य किए हैं इससे पहले कभी नहीं हुए केंद्र शासन से लेकर प्रदेश सरकार की अनेक योजनाओं का लाभ मध्य प्रदेश की आम जनता के लोगों को मिल रहा है हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान जी द्वारा प्रदेश के विकास में कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही चाहे मध्यप्रदेश में लाडली बहना योजना की बात हो और चाहे लाडल लक्ष्मी योजना हो सड़कों के निर्माण कार्य हो और अन्य कई कारगर योजनाओं को लागू करते हुए पूरे प्रदेश में हर विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों की जो सौगात दी है जिसका लाभ प्रदेश की आम जनता को मिल रहा है उन्होंने कहा कि लाडली लक्ष्मी योजना के तहत प्रदेश में 46 लाख से भी अधिक बहनों को लाभ मिल रहा है इसी प्रकार से उज्जवला योजना के तहत भी मध्य प्रदेश की लाखों बहनों को लाभ मिला है हमारे प्रधानमंत्री जी ने किसान भाइयों के लिए किसान सम्मान निधि योजना लागू की है उसका भी भरपूर लाभ सभी को मिल रहा है तीर्थ दर्शन योजना के तहत हमारे प्रदेश के मुखिया शिवराज सिंह जी चौहान द्वारा अब हवाई यात्रा के माध्यम से भी तीर्थों की यात्रा कराई जा रही है जोकि भारतवर्ष में अपने आप में एक सराहनीय योजना बन गई है जिसका लाभ प्रदेश के लोगों को मिल रहा है उन्होंने सभी भाजपा कार्यकर्ताओं से कहा कि आप सभी एकजुट होकर पार्टी की मजबूती के लिए काम करें और आगामी होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए भी मेहनत करते हुए आम जनता के सामने जाकर प्रदेश सरकार और केंद्र सरकार की कारगर योजनाओं की जानकारी दें और आम जनता के लोगों को उनका लाभ दिलाने का काम करें कार्यक्रम को आगे संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सांची विधानसभा क्षेत्र में पिछली बार 65 हजार वोटों से डॉक्टर चौधरी जी को आपने चुनाव जिताया था अब की बार एक लाख मतों से उन्हें चुनाव जिताना है। उन्होंने सभी भाजपा कार्यकर्ताओं से आगामी विधानसभा चुनाव के लिए पूरी मेहनत के साथ कार्य में जुट जाने के लिए मंच के माध्यम से आह्वान किया।

जिला भाजपा अध्यक्ष राकेश शर्मा ने दिलाया सभी भाजपा कार्यकर्ताओं को संकल्प

श्रीराम परिसर में आयोजित सांची विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ता सम्मेलन में बड़ी संख्या में शामिल हुए सभी भाजपा कार्यकर्ताओं माता बहनों को मंच के माध्यम से जिले के ऊर्जावान जिला अध्यक्ष राकेश शर्मा द्वारा विजय संकल्प दिलाया और शपथ दिलाई गई । इस अवसर पर मौजूद भाजपा के पदाधिकारियों एवं सभी कार्यकर्ताओं ने एकमत होकर संकल्प लेते हुए पार्टी की मजबूती और विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक सफलता के लिए कार्य करने का संकल्प लिया इससे पूर्व जिला भाजपा अध्यक्ष श्री शर्मा ने कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी कार्यकर्ता आगामी विधानसभा चुनाव के लिए पूरी तैयारी के साथ जुट जाएं उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान जी एवं प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री डॉ प्रभु राम चौधरी जी द्वारा क्षेत्र में करोड़ों के विकास कार्य कराए जा रहे हैं शासन की जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ भी सांची विधानसभा क्षेत्र से लेकर पूरे जिले की आम जनता को मिल रहा है उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से आह्वान करते हुए कहा कि जिस प्रकार से आपने इस कार्यकर्ता सम्मेलन में अपनी ऐतिहासिक उपस्थिति दर्ज कराई उसी प्रकार से हमें आगामी विधानसभा चुनाव के लिए पूरी एकजुटता के साथ काम करना है और सांची विधानसभा क्षेत्र सहित जिले की सभी विधानसभा क्षेत्रों में ऐतिहासिक जीत दिलाना है। कार्यक्रम के अंत में भाजपा जिला महामंत्री जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंत मीणा,नगर पालिका रायसेन अध्यक्ष सविता जमना सेन, जनपद अध्यक्ष विजय पटेल, भाजपा नेता धीरेंद्र सिंह कुशवाह, कन्हैया लाल सूरमा, भूपेंद्र वर्मा, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष एवं विधायक प्रतिनिधि जमना सेन एवं शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आए सभी भाजपा कार्यकर्ता ,जनपद अध्यक्ष, नगर पालिका नगर पंचायत अध्यक्ष, पार्षद, जिला पंचायत सदस्य, जनपद सदस्य, ग्राम सरपंच पंच एवं पूरे विधानसभा क्षेत्र के रायसेन, देवनगर, गैरतगंज, सांची, सलामतपुर, दीवानगंज, गढ़ी सहित भाजपा कार्यकर्ता बड़ी संख्या में कार्यकर्ता सम्मेलन में शामिल हुए । इस अवसर पर कार्यक्रम में पुराने समय के कई वरिष्ठ भाजपा नेता एवं वरिष्ठ कार्यकर्ताओं ने भी उत्साह के साथ शिरकत करते हुए आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन को ऐतिहासिक बना दिया।

संपूर्ण सांची विधानसभा क्षेत्र का विकास नहीं हो जाता तब तक मैं सुख चैन की नींद नहीं सोऊंगाः प्रभु राम चौधरी

सांची विधानसभा क्षेत्र के आयोजित भाजपा कार्यकर्ता सम्मेलन में विचार व्यक्त करते हुए सांची विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ भाजपा विधायक एवं मध्य प्रदेश शासन के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ प्रभु राम चौधरी ने कहा कि सांची विधानसभा क्षेत्र का विकास करने की जिम्मेदारी मेरी है और मैं आपको पूरा भरोसा दिलाता हूं कि जब तक सांची विधानसभा क्षेत्र का संपूर्ण विकास नहीं होगा तब तक मैं भी सुख चैन की नींद नहीं सोऊंगा, भले ही इसके लिए मुझे रात दिन एक कर क्यों ना क्षेत्र विकास के लिए काम करना पड़े, उन्होंने कहा कि आज के वर्तमान दौर में आप देख सकते हैं कि सांची विधानसभा क्षेत्र में करोड़ों के विकास कार्य पूर्ण हो चुके हैं और करोड़ों के कार्य अभी चल रहे हैं पूरे क्षेत्र में विकास कार्यों की कोई कमी नहीं है हमने प्राथमिकता के साथ सांची क्षेत्र के शहरी क्षेत्रों से लेकर ग्रामीण अंचलों तक विकास कार्य कराए हैं उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान जी द्वारा जो आम जनता के हित में कार्य योजना बनाकर लागू की हैं उनका सफल क्रियान्वयन किया जा रहा है चाहे शासन की लाड़ली लक्ष्मी योजना हो चाहे लाडली बहना योजना हो और चाहे किसान सम्मान निधि योजना हो और भी अनेक ऐसी योजना है जिन पर हम पूरी तरह से ध्यान देते हुए क्षेत्र का विकास कर आ रहे हैं उन्होंने कहा कि सांची विधानसभा क्षेत्र में ही सीएम राइस स्कूल खोले गए हैं इसके अलावा करोड़ों की लागत से सड़कों का निर्माण कार्य हो रहा है जितना विकास 2003 के पहले नहीं हुआ था उससे कई गुना अधिक विकास के कार्य सांची विधानसभा क्षेत्र में किए गए हैं जो आपके सामने हैं । इसके अलावा सांची विधानसभा क्षेत्र नहीं संपूर्ण जिले में अनेक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खोलकर हमने लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देने के लिए काम किया है और कर रहे हैं।कभी कांग्रेस की सरकार ने ऐसी परिकल्पना नहीं की होगी जो हमारी भाजपा सरकार ने विकास कर दिखाया है उन्होंने कहा कि सांची विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्य की कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जाएगी संपूर्ण क्षेत्र का विकास करने की जिम्मेदारी मेरी है बस आप इसी तरह से मुझे आशीर्वाद देते रहें और आगे बढ़ाते रहें मैं भी आपको पूरा भरोसा दिलाता हूं कि सांची विधानसभा क्षेत्र में ऐसा विकास होगा कि प्रदेश ही नहीं देश में जाना जाएगा उन्होंने कहा कि पर्यटन स्थल सांची में देश का पहला सोलर प्लांट भी लग रहा है प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान जी के नेतृत्व में चहूंओर विकास हो रहा है। उन्होंने कार्यक्रम में पधारे सभी भाजपा कार्यकर्ता माताओं बहनों को धन्यवाद देते हुए उनसे इसी प्रकार से आशीर्वाद बनाए रखने का आग्रह किया।

जिले की आबकारी टीम की संयुक्त कार्रवाई

हजारों का महुआ लहान बरामद

नर्मदापुरम- इटारसी // आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने सिवनी मालवा क्षेत्र के कुछ इलाकों में अवैध रूप से बनाकर बेचीं जा रही शराब ,परिवहन के विरुद्ध विशेष अभियान कार्यवाही कि गई जिसमें कुल 200 बल्क लीटर कच्ची हाथभट्टी शराब एवं लगभग कुल 2500 किलो ग्राम महुआ लहान जप्त कर मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 धारा 34 के अंतर्गत 10 प्रकरण बनाए गये। लहान की अनुमति कीमत 290000/ बताई जा रही हैं।

जिला कलेक्टर नर्मदापुरम नीरज कुमार सिंह एवं जिला आबकारी अधिकारी अरविंद सागर के मार्गदर्शन में एन पी सिंह सहायक जिला आबकारी अधिकारी के नेतृत्व में आबकारी जिला टीम का गठन कर सिवनी मालवा क्षेत्र में अवैध शराब के निर्माण विक्रय परिवहन के विरुद्ध विशेष अभियान के अंतर्गत सिवनी मालवा क्षेत्र के कुचबंदिया मोहल्ला , गनजालढाना, टीटी नगर एवं नदी किनारे कार्यवाही में लगभग कुल 200 बल्क लीटर हाथ भट्टी शराब सहित 2500 लगभग किलोग्राम शराब बनाने के उपयोग होने वाला महुआ लहान जप्त किया गया ,जिसकी अनुमति कीमत 290000/- बताई जा रही है । मौके पर मौजूद आरोपियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा (34) के अंतर्गत 10 प्रकरण पंजीबद्ध किये गए । आबकारी विभाग की इस संयुक्त कार्रवाई में विनोद सल्लाम ,सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्री सिंह, आबकारी उपनिरीक्षक सुयश फौजदार, वासुदेवाचार्य त्रिपाठी, नीलेश पंवार, राजेशसाहू ,हेमन्त चौकसे, आर एस राठौर, मुख्य आरक्षक रामदत्त शर्मा , आरक्षक मदन रघुवंशी, राजेश गौर इत्यादि कार्यपालिका स्टाफ का विशेष रूप से भूमिका रही ।

एक अगस्त से स्कूल आंगनबाड़ी में वितरण नहीं होगा भोजन

बैरसिया। 1 अगस्त से पूरे प्रदेश के स्कूलों और आंगनबाडीयों में बच्चों को भोजन नास्ता नहीं दिया जाएगा। इस सम्बंध में प्रांतीय समूह संघ ने 20 जुलाई को आवेदन देकर स्कूल और आंगनबाड़ी में भोजन नाश्ता नहीं देने की सूचना दे दी है।

सरकारी स्कूलों और आंगनबाड़ी में भोजन नाश्ता पकाकर खिलाने वाले महिला स्व सहायता समूहो ने 1 अगस्त से सांझा चूल्हा बंद करने की कॉल दी है। इस संबंध में प्रदेश व्यापी आंदोलन के तहत सभी जिलों में 20 जुलाई को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया जिसमें 1 अगस्त से स्कूलों और आंगनबाडियो में भोजन नाश्ता बनाना बंद करने का उल्लेख है। प्रांतीय समूह संघ की प्रदेश अध्यक्ष सरिता ओम प्रकाश बघेल ने बताया की विगत 1 साल से महिला स्व सहायता समूह अपनी जायज मांगों के लिए लगातार ज्ञापन प्रदर्शन कर रहे हैं। 2 जुलाई को पूरे प्रदेश से महिलाएं एकत्रित होकर भोपाल पहुंची थी 1 लाख से अधिक महिलाओं ने एकत्रित होकर ज्ञापन सौंपा था लेकिन सरकार के कान पर जूं तक नहीं रेंगी है। महंगाई के दौर में स्कूलों और आंगनबाड़ी में भोजन नाश्ता पुरानी दर पर बनाना मुश्किल काम हो गया है इसलिए पूरे प्रदेश में स्कूलों और आंगनबाड़ी में 1 अगस्त से समूह मांगे नहीं माने जाने पर भोजन नाश्ता बनाना बंद कर देंगे।

इनका कहना है: प्रदेश व्यापी हड़ताल के तहत एक अगस्त से स्कूल और आंगनबाड़ियों में भोजन नाश्ता बनाना बंद कर दिया जाएगा
सरिता ओमप्रकाश सिंह बघेल
जिलाध्यक्ष प्रांतिय समूह संघ मध्य प्रदेश

कुबेरेश्वरधाम पर रवि प्रदोष साढ़े तीन लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने की विशेष पूजा अर्चना

सीहोर। जिला मुख्यालय के समीपस्थ चितावलिया हेमा स्थित निर्माणाधीन मुरली मनोहर एवं कुबेरेश्वर महादेव मंदिर में श्रावण पुरुषोत्तम मास में प्रदोष श्रद्धा भक्ति के साथ मनाया गया। इस मौके पर यहां पर लाखों की संख्या में आए श्रद्धालुओं ने फूलों से विशेष श्रृंगार किया और यहां पर स्थित पवित्र शिला पर जल अर्पित कर जगत की कामना की। सुबह भागवत भूषण पंडित प्रदीप मिश्रा ने रवि प्रदोष पर महा आरती। रविवार को छुट्टी होने के कारण साढ़े तीन लाख से अधिक श्रद्धालुओं धाम पर पहुंचे। मंदिर से इंदौर-भोपाल हाई वे के दो किलोमीटर तक वाहनों की कतारें लगी हुई थी। जाम की स्थिति को देखते हुए यातायात और पुलिस सहित समिति ने ट्राफिक व्यवस्था संभाली। इस मौके पर समिति की ओर से पंडित विनय मिश्रा, समीर शुक्ला आदि सहित अन्य ने प्रसादी व्यवस्था संभाली और यहां पर आए श्रद्धालुओं को प्रसादी का वितरण किया। इस संबंध में जानकारी देते हुए विठ्ठलेश सेवा समिति के मीडिया प्रभारी प्रियांशु दीक्षित ने बताया कि इन दिनों कुबेरेश्वरधाम पर नियमित रूप से सुबह दस बजे से शाम पांच बजे तक अभिमंत्रित रुद्राक्षों का वितरण किया जा रहा है। रविवार को करीब एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं को यहां पर बने काउंटरों से रुद्राक्ष वितरण किए। उन्होंने बताया कि श्रावण पुरुषोत्तम मास में प्रदोष है। इसको रवि प्रदोष व्रत करने से आय, आयु और सौभाग्य में अपार वृद्धि होती है। साथ ही मानसिक और शारीरिक पीड़ा से मुक्ति मिलती है। अतः शिव भक्त श्रद्धा भाव से देवों के देव महादेव की पूजा उपासना करते हैं। अगर आप भी भगवान शिव का आशीर्वाद पाना चाहते हैं, तो रवि प्रदोष व्रत पर विधि विधान से महादेव और माता पार्वती की पूजा करें।

प्रान्तीय आह्वान पर नगर पालिका समस्त कर्मचारी संघ दमोह ने की कलम बंद हड़ताल

दमोह प्रदेश के नगरीय निकायों में कार्यरत कर्मचारियों की लंबित 11 सूत्रीय मांगो का शीघ्र निराकरण हेतु। कृपया उपोक्त अनुरोध है कि महासंघ द्वारा विगत कई बार नगरीय निकाय के अधिकारियों/कर्मचारियों की लंबित मांगों के निराकरण हेतु मांग पत्र दिये गये है, किंतु आज तक कोई निराकरण नहीं होने से नगरीय निकाय के कर्मचारियों / सफाई कामगारों को वेतन भुगतान नहीं होने से

कर्मचारियों में रोष व्याप्त है। अतः निम्नानुसार पुनः मांग पत्र का निराकरण करने हेतु सादर

प्रदेश की नगरीय निकायों में कार्यरत समस्त कर्मचारियों / सफाई कामगारों को शासन निर्देशानुसार दिनांक 01 से 05 के बीच वेतन भुगतान सुनिश्चित किया जावे तथा चुंगी यात्रीकर से कटोत्रा बंद किया जाकर चुंगी क्षतिपूर्ति की राशि दो गुना किया जावे। पुरानी पेंशन योजना नगरी निकाय के समस्त सेवकों पर लागू किया जावे। नगरीय निकाय में कार्यरत समस्त दे.वे.भो. कर्मचारियों का नियमितिकरण किया जाये एवं विनियमित कर्मचारियों को तृतीय / चतुर्थ श्रेणी के पदों पर स्थायी किया जाये। निकाय में कार्यरत विनियमित कर्मचारियों की मृत्यु होने पर उसके स्थान पर उसके परिवार के सदस्य को अनुकंपा नियुक्ति दी जावे । समयमान वेतनमान का लाभ नगरीय निकायों के कर्मचारियों को दिया जायें जो कि शासन निर्देशानुसार संभागीय कार्यालय में लंबित है। निकायों में कार्यरत समस्त संवर्ग के कर्मचारियों की पदोन्नति की जाये एवं पदोन्नति उपरांत चयनित कर्मचारियों 94 (4) की पुष्टि की जावे। नगरीय निकाय के कर्मचारियों से अन्य विभागों का कार्य नहीं लिया विभाग में एक ही शाखा में तीन वर्षों से अधिक कर्मचारियों की शाखा

परिवर्तन की जाये सामान्य प्रशासन विभाग के आदेशानुसार। 19. प्रत्येक तीन माह में आयुक्त महोदय की अध्यक्षता में कर्मचारी कल्याण समिति की बैठक आहूत की जाये। नगरीय निकायों में कार्यरत वाहन चालकों एवं विद्युत शाखा में कार्यरत कर्मचारियों के लिये बीमा सुरक्षा योजना लागू हो। व्यापम से 50 प्रतिशत भर्ती की जाये तथा 50 प्रतिशत भर्ती विभागीय की जावे अथवा स्थापना व्यय 65 प्रतिशत से अधिक होने पर उक्त निकायों में नवीन भर्ती प्रतिबंधित की जावे शासन आदेशानुसार।

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, भदभदा रोड, संभाग क्रमांक-02, भोपाल
Mobile No. 9425601534, ई-मेल : bhopaldivision2@gmail.com
क्र.- मप्रपुआअविनि/485/पयं/भोपाल-02/तशा/2023
भोपाल, दिनांक 26.07.2023

प्रेस विज्ञप्ति

"स्ट्रीट लाइट पोल एवं लाइट फिक्सिंग कार्य (72+240) आवास गृह पुलिस रेडियो कॉलोनी भोपाल हेतु निविदा क्रमांक-04/2023-24 ऑनलाइन निविदा क्रमांक - MPPHCL/TENDER No. - 2023_MPPHC_294645_1 आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 16.08.2023 समय 5.00 बजे तक** ऑनलाइन से खरीदे जा सकते हैं, विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।
म.प्र. माध्यम/111074/2023 **परियोजना यंत्री**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, मैकेनिकल खण्ड अशोक विहार, लहारपुर डेम के समीप, बाग़ मुंगालिया, भोपाल
Fax & Phone No. 0755-2930001, E- Mail I.D. emphbpl@mp.nic.in
क्रमांक 2184 / तक/ काव्यं. / लो.स्या./मैके.खण्ड/भोपाल/2023/दिनांक 24/07/2023
निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 31 (द्वितीय आमंत्रण) / 2023-24 दिनांक 31.05.2023 ऑन-लाईन निविदा क्रमांक 2023_PHED_293736_1 दिनांक 24.07.2023

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग, मैकेनिकल खण्ड भोपाल के अंतर्गत् वर्ष 2023-24 में नर्मदापुरम जिले की विभागीय कॉम्बीनेशन रिग मशीन से ग्वालियर संभाग के विभिन्न जिलों में खनित किये जाने वाले ग्रेव्हल पेक नलकूपों हेतु 130 क्यु. मी. ग्रेव्हल प्रदाय करने हेतु (विभागीय यू. एस. ओ. आर. जूलाई 2018 के अनुसार) ऑन लाईन डिजिटली हस्ताक्षरित निविदा दिनांक **04.08.2023** सायं **17.30** बजे तक अनुभवी ठेकेदार से प्रपत्र "Anne&ure 2.10÷ पर आमंत्रित की जाती है। निविदा हेतु अभिलेखों जैसे प्रतिभूति राशि पावती, उक्त कार्य हेतु केन्द्रीय पंजीयन प्रणाली, लोक निर्माण विभाग में पंजीयन का प्रमाण-पत्र इत्यादि (निविदा अनुसार) निर्धारित अवधि में अनिवार्य रूप से ऑन-लाईन जमा करना होगा। निविदा दिनांक 07.08.2023 को सायं 15.00 बजे ऑन लाईन खोली जावेगी । कार्य की अनुमानित लागत रूपये **4,94,000 /-** (रूपये चार लाख चौरान्वे हज़ार) मात्र है तथा प्रतिभूति राशि रूपये **9,880 /-** (रू. नो हज़ार आठ सौ अस्सी) मात्र है । निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्युमेंटस) राशि रूपये **2000 /-** दिनांक **04.08.2023** सांय **17.30** बजे तक ऑन लाईन भुगतान करने के उपरांत बेबसाईट: https://mptenders.gov.in पर ऑनलाईन क्रय किये जा सकते हैं। परिशिष्ट / संशोधन केवल वेबसाईट पर ही प्रकाशित किया जावेगा ।

कार्य का नाम	टेण्डर के प्राक्कलन की अनुमानित लागत राशि (रू.)	धरोहर राशि (रू.)	टेण्डर का मूल्य	टेण्डर आनलाईन जमा करने की अंतिम तिथि	टेण्डर खुलने की तिथि	टेण्डरे खुलने की तिथि
वर्ष 2023-24 में नर्मदापुरम जिले की विभागीय कॉम्बीनेशन रिग मशीन से ग्वालियर संभाग के विभिन्न जिलों में खनित किये जाने वाले ग्रेव्हल पेक नलकूपों के लिये 130 क्यु. मी. ग्रेव्हल प्रदाय कार्य	4,94,000/-	9,880/-	2,000/-	04.08.2023 17.30 तक	07.08.2023 15.00 बजे	अनुबंध दिनांक से 01 वर्ष

निविदा से संबंधित अन्य समस्त शर्तें एवं विवरण वेब साइट पर https://mptenders.gov.in निविदा क्रमांक 2023_PHED_293736_1 दिनांक 24.08.2023 उपलब्ध हैं।

जी-17485/23

कार्यपालन यंत्री
लोक स्वा.यां. मैकेनिकल खण्ड, भोपाल

एएसपी और उप सेनानियों के थोक तबादले

मध्य प्रदेश शासन
गृह विभाग
मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल
–: आदेश

भोपाल, दिनांक 31 जुलाई, 2023

क्रमांक 3054 / 1474965/2023/बी–4/दो :– राज्य शासन एतद्द्वारा राज्य पुलिस सेवा संवर्ग के निम्नांकित अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक/उप सेनानी स्तर के अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से कॉलम–3 में दर्शित वर्तमान पदस्थापना से स्थानांतरित कर अस्थायी रूप से आगामी आदेश तक उनके नाम के सम्मुख कॉलम–4 में दर्शाये गए पदस्थापना स्थल पर पदस्थ किया जाता है :–

स.क्र.	नाम अधिकारी	वर्तमान पदस्थापना	नवीन पदस्थापना
1.	श्री देवेन्द्र सिंह सिरोलिया डीडी 1995	उप सेनानी, 29वीं वाहिनी, विसबल दतिया	सहायक पुलिस महानिरीक्षक पुलिस मुख्यालय, भोपाल
2.	श्री ए.पी.सिंह बागरी डीडी 1997	अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जिला नर्मदापुरम	अति. पुलिस अधीक्षक जिला छिन्दवाड़ा
3.	श्री अमृत मीणा डीडी 1997	अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जिला रायसेन	उप सेनानी, 14वीं वाहिनी विसबल ग्वालियर
4.	श्री संदीप मिश्रा डीडी 1998	सहायक पुलिस महानिरीक्षक पुलिस मुख्यालय, भोपाल	अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जिला दमोह
5.	श्री मुकेश कुमार वैश्य डीडी 1998	अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जिला शहडोल	उप सेनानी, 5वीं वाहिनी, मुरैना
6.	श्रीमती सीमा अलावा डीडी 1998	अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जिला खण्डवा	अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (मुख्यालय), नगरीय पुलिस जिला, इन्दौर
7.	श्री रामदास प्रजापति डीडी 1998	अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जिला बड़वानी	उप सेनानी, 17वीं वाहिनी, विसबल, भिण्ड
8.	श्री घनश्याम मालवीय डीडी 1998	उप सेनानी, हॉकफोर्स, बालाघाट	अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (आसूचना) नगरीय पुलिस जिला,भोपाल
9.	श्री राजेश रघुवंशी डीडी 1998	अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, जोन–03, नगरीय पुलिस जिला, इन्दौर	अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, जिला खण्डवा
10.	श्री अनिल कुमार पाटीदार डीडी 1998	अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, यातायात, नगरीय पुलिस जिला, इन्दौर	अति. पुलिस अधीक्षक जिला गुना

स.क्र.	अधिकारी का नाम	वर्तमान पदस्थापना	नवीन पदस्थापना
12.	श्री आशुतोष मिश्रा निरी–2013	नगर पुलिस अधीक्षक जिला इन्दौर	अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जिला नर्मदापुरम
13.	श्री आनंद कुमार यादव निरी–2013	उप पुलिस अधीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना,लोकायुक्त संगठन इन्दौर	अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, सुरक्षा, नगरीय पुलिस जिला, भोपाल (सेवाएँ सामान्य प्रशासन विभाग से वापस लेते हुए)
14.	श्री तरुणेन्द्र सिंह बघेल, निरी–2013	नगर पुलिस अधीक्षक पीथमपुर, जिला धार	अति.पुलिस अधीक्षक जिला खरगौन
15.	श्री संतोष सिंह भदौरिया निरी–2013	उप पुलिस अधीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, लोकायुक्त, जबलपुर	जोनल पुलिस अधीक्षक, विशेष शाखा, रीवा (सेवाएँ सामान्य प्रशासन विभाग से वापस लेते हुए)
16.	श्री निरंजन शर्मा निरी–2013	उप पुलिस अधीक्षक आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ, भोपाल	अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जिला ग्वालियर (सेवाएँ सामान्य प्रशासन विभाग से वापस लेते हुए)
17.	श्री जयन्त सिंह राठौर निरी–2013	सहायक पुलिस आयुक्त, खजराना नगरीय पुलिस जिला, इन्दौर	अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, जिला उज्जैन
18.	श्री संतोष कुमार सिंह तोमर, निरी–2013	सहायक पुलिस आयुक्त, सराफा नगरीय पुलिस जिला, इन्दौर	सहायक पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस मुख्यालय, भोपाल
19.	श्रीमती निशा रेड्डी निरी–2013	नगर पुलिस अधीक्षक भिण्ड	अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, जिला आगर मालवा
20.	श्रीमती सुनीता करनेलियस निरी–2013	उप पुलिस अधीक्षक अजावि, पुलिस मुख्यालय, भोपाल	सहायक पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस मुख्यालय, भोपाल
21.	श्रीमती उषा घावड़े निरी–2013	उप पुलिस अधीक्षक अजावि, पुलिस मुख्यालय, भोपाल	सहायक पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस मुख्यालय, भोपाल
22.	श्री मानसिंह ठाकुर निरी–2013	उप पुलिस अधीक्षक कल्याण, पुलिस मुख्यालय,भोपाल	अति.पुलिस अधीक्षक, बड़वानी
23.	श्री सुशील कुमार तिवारी, रक्षित निरी–2013	सहायक पुलिस आयुक्त, यातायात जोन–1, नगरीय पुलिस जिला, भोपाल	अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, यातायात, नगरीय पुलिस जिला, इन्दौर
24.	श्री विजय सिंह पवार रक्षित निरी– 2013	उप पुलिस अधीक्षक पीटीएस, इन्दौर	सहायक पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस मुख्यालय, भोपाल
25.	श्री विक्रम सिंह रघुवंशी, रक्षित निरी–2013	सहायक पुलिस आयुक्त, पुलिस लाईन, नगरीय पुलिस जिला, भोपाल	अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, यातायात नगरीय पुलिस जिला, भोपाल

24	श्रीमती शालिनी दीक्षित, डीडी–2002	सहायक पुलिस महानिरीक्षक, महिला सुरक्षा शाखा, पुलिस मुख्यालय, भोपाल	अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, (महिला सुरक्षा एवं अजाक) नगरीय पुलिस जिला, भोपाल
25	श्री दुर्गेश राठौर डीडी 2002	जोनल पुलिस अधीक्षक, विशेष शाखा, रीवा	अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, जोन–3, नगरीय पुलिस जिला, भोपाल
26	डॉ सोनाली चंदेल(दुबे) डीडी 2002	सहायक पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस महानिरीक्षक कार्यालय, देहात इन्दौर	अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, जिला जबलपुर
27.	श्रीमती रश्मि मिश्रा डीडी 2002	अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त/स्टाफ आफिसर टू पुलिस आयुक्त, नगरीय पुलिस जिला, भोपाल	अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (आसूचना), नगरीय पुलिस जिला, इन्दौर
28	श्री जयवीर सिंह भदौरिया डीडी–2002	अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त ,जोन–01, नगरीय पुलिस जिला, इन्दौर	अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जिला देवास
29	श्री राजेश दण्डोतिया, डीडी–2002	अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, जिला ग्वालियर	अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त अपराध, नगरीय पुलिस जिला इन्दौर
30	श्री सूर्यकान्त शर्मा डीडी–2002	अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, ग्रामीण, देवास	अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जबलपुर
31	श्री प्रदीप पटेल डीडी 2002	अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, जिला अशोकनगर	अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, रेल, भोपाल
32	श्रीमती सुषमा अग्रवाल डीडी 2004, रेडियो	पुलिस अधीक्षक रेडियो, रीवा	सहायक पुलिस महानिरीक्षक, रेडियो मुख्यालय, भोपाल
33	डॉ इन्द्रजीत बाकलवार, डीडी 2006	अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, जिला उज्जैन	अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, जिला धार
34	श्री आकाश भूरिया डीडी 2006	अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, जिला उज्जैन	अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जिला देवास
35	श्री सुरेन्द्रपाल सिंह डाबर डीडी 2006	अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, जिला निवाड़ी	अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त/स्टाफ आफिसर टू पुलिस आयुक्त, नगरीय पुलिस जिला, भोपाल
36	श्री प्रवीण कुमार भूरिया डीडी 2006	अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, जिला शिवपुरी	अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त/स्टाफ आफिसर टू पुलिस आयुक्त, नगरीय पुलिस, जिला इन्दौर
37	डॉ संजीव कुमार उईके, डीडी 2006	अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, जिला छिन्दवाड़ा	अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बीना, जिला सागर
38	श्री शिवकुमार सिंह डीडी 2006	अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, जिला दमोह	अति. पुलिस अधीक्षक जिला अनूपपुर
39	श्री नवल सिंह सिसोदिया डीडी 2006	अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, जिला आगर मालवा	अति. पुलिस अधीक्षक जिला नीमच
40	श्रीमती ज्योति ठाकुर डीडी 2006	अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, बीना, जिला सागर	अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, जिला निवाड़ी
1	श्री गजेन्द्र सिंह कंवर डीडी 2008	अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, जिला मण्डला	अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, जिला अशोकनगर
42	डॉ शिवेश सिंह बघेल डीडी 2008	अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, ग्रामीण, जिला जबलपुर	अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जिला सतना
43	श्री कमलेश कुमार खरपुसे डीडी 2008	अति.पुलिस अधीक्षक भिण्ड	अति. पुलिस अधीक्षक जिला रायसेन
44	श्री मंजीत सिंह चावला, डीडी 2008	अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, जिला देवास	उप सेनानी, एसआईएसएफ, जिला रीवा
45	डॉ नीरज चौरसिया डीडी 2008	सहायक पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस मुख्यालय, भोपाल	अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, भोपाल (ग्रामीण)
6	श्री शशिकान्त कनकने डीडी 2008	अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, महू, इन्दौर	प्रमुख अधीक्षक, पुलिस अग्निशमन सेवायें, इन्दौर
7	श्रीमती रिचा चौबे डीडी 2008	अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, महिला सुरक्षा एवं अजाक, नगरीय पुलिस, जिला भोपाल	सहायक पुलिस महानिरीक्षक पुलिस मुख्यालय, भोपाल
	श्री सुनील कुमार शिवहरे, डीडी 2008	अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, जिला नरसिंहपुर	अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जिला दतिया
	श्री विक्रम सिंह कुशवाह, डीडी 2008	अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, जिला सागर	अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जिला सतना
52	श्री नीतेश भार्गव डीडी 2010	अति.पुलिस अधीक्षक, महिला सुरक्षा, इन्दौर	अति.पुलिस अधीक्षक, जिला उज्जैन
53	श्री अरविंद सिंह ठाकुर डीडी 2011	पुलिस अधीक्षक, अजाक रेंज, चम्बल	अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, जिला मुरैना
54	श्री आलोक कुमार शर्मा डीडी 2011	जोनल पुलिस अधीक्षक, विशेष शाखा, बालाघाट	अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, जोन–1, नगरीय पुलिस जिला, इन्दौर
55	श्री लोकेश कुमार सिन्हा, डीडी 2011	सहायक पुलिस महानिरीक्षक, सायबर जबलपुर	अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जिला सागर
56	श्री हरनारायण अहिरवार निरी. रेडियो 2011	पुलिस अधीक्षक (रेडियो) दूरसंचार, मुख्यालय, भोपाल	पुलिस अधीक्षक, रेडियो। रीवा
57	श्री मनोहर सिंह बारिया, डीडी 2012	सहायक पुलिस महानिरीक्षक, पुमु भोपाल	अति.पुलिस अधीक्षक, जिला खरगौन (ग्रामीण)
58	श्री संजीव पाठक डीडी 2012	सहायक पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस मुख्यालय, भोपाल	अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, जिला भिण्ड
59	सुश्री नीतू सिंह ठाकुर डीडी 2012	उप सेनानी, 13वीं वाहिनी, विसबल ग्वालियर	अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, मुख्यालय, नगरीय पुलिस जिला,भोपाल

मध्य प्रदेश के राज्यपाल के नाम से
तथा आदेशानुसार
(अन्नू भलावी)
अवर सचिव
मध्य प्रदेश, शासन गृह विभाग

पृ. क्र 3053 1474965/2023/बी–4/दो
भोपाल, दिनांक 31 जुलाई 2023

प्रतिलिपि

44 प्रभारी तहसीलदार, नायब तहसीलदार, प्रभारी एएसएलआर, प्रभारी एसएलआर के स्थानांतरण

भोपाल। राजस्व विभाग ने 15 प्रभारी सहायक अधीक्षक भू अभिलेख और प्रभारी अधीक्षक भू–अभिलेख के अलावा सात प्रभारी तहसीलदार और 22 नायब तहसीलदार के तबादले किये हैं ।

मध्यप्रदेश शासन
राजस्व विभाग
मंत्रालय
//आदेश//
भोपाल, दिनांक 30/07/2023

क्रमांक एफ 1/1/4/0014/2023/सात-5, राज्य शासन एतद् द्वारा मध्यप्रदेश भू-अभिलेख और बंदोबस्त, तृतीय श्रेणी, अराजपत्रित (कार्यपालिक एवं तकनीकी) सेवा भर्ती नियम 2012 के तहत गठित विभागीय छानबीन समिति की पुनर्विचार बैठक 09/06/2023 को की गई अनुशंसा के अनुक्रम में कॉलम 02 में अंकित राजस्व निरीक्षक को कण्डिका दो में वर्णित सेवा शर्तों के अधीन, कॉलम-4 में अंकित जिले में स्थानांतरित करते हुए कॉलम-4 में वर्णित पद का प्रभार तत्काल प्रभाव से सौंपा जाता है :-

[illegible]

मध्यप्रदेश शासन,
राजस्व विभाग,
वल्लभ भवन,मंत्रालय, भोपाल
// आदेश//
भोपाल, दिनांक 30 / 07/2023

क्रमांक एफ 1/14/0026/2023/सात/4, राज्य शासन एतद् द्वारा निम्नलिखित नायब तहसीलदार/प्रभारी नायब तहसीलदारों के स्थानांतरण करते हुए अस्थाई रूप से आगामी आदेश तक कालम-4 में दर्शाये गये जिले में तत्काल प्रभाव से पदस्थ करता है:-

क्रमांक	नायब तहसीलदारों का नाम	वर्तमान पदस्थापना जिला	नवीन पदस्थापना जिला	स्थानांतरण का प्रकार
1	2	3	4	5
1	श्री रवीश भदौरिया	भिण्ड	श्योपुर	प्रशासकीय
2	श्री विजय कुमार शर्मा	शिवपुरी	ग्वालियर	प्रशासकीय
3	श्री प्रेमनारायण सिंह	टीकमगढ	सागर	प्रशासकीय
4	श्री संतोष धाकड	गुना	शिवपुरी (विभागीय समसंख्यक आदेश दिनांक 25.07.2023 से जिला मुरैना किये गये स्थानांतरण को संशोधित करते हुए)	प्रशासकीय
5	सुश्री ममता पटेल	रीवा	सतना (विभागीय समसंख्यक आदेश दिनांक 25.07.2023 से जिला सिंगरौली किये गये स्थानांतरण को संशोधित करते हुए)	प्रशासकीय
6	सुश्री सपना झिलौरिया	सीहोर	राजगढ	प्रशासकीय
7	श्री हेमंत शर्मा	विदिशा	रायसेन (विभागीय समसंख्यक आदेश दिनांक 25.07.2023 से जिला टीकमगढ किये गये स्थानांतरण को संशोधित करते हुए)	प्रशासकीय
8	श्री मिठठूलाल पवार, प्रभारी नायब तहसीलदार	सीहोर	भोपाल	प्रशासकीय
9	श्री रतिराम अहिरवार, प्रभारी नायब तहसीलदार	सीहोर	भोपाल	प्रशासकीय
10	श्री राजेन्द्र कुमार शुक्ला	जबलपुर	शहडोल (विभागीय समसंख्यक आदेश दिनांक 25.07.2023 से जिला बैतूल किये गये स्थानांतरण को संशोधित करते हुए)	प्रशासकीय
11	श्री विजय कुमार त्यागी	ग्वालियर	ग्वालियर (विभागीय समसंख्यक आदेश दिनांक 25.07.2023 से जिला शिवपुरी किये गये स्थानांतरण को निरस्त करते हुए)	प्रशासकीय
12	श्री मूलचंद जूनवाल, प्रभारी नायब तहसीलदार	नीमच	उज्जैन	प्रशासकीय
13	श्री अरविन्द सिंह दिवाकर	राजगढ	देवास (विभागीय समसंख्यक आदेश दिनांक 25.07.2023 से जिला टीकमगढ किये गये स्थानांतरण को संशोधित करते हुए)	प्रशासकीय
14	श्री संजय चौहान	बडवानी	खरगोन	प्रशासकीय
15	श्री भगवान दास कुमरे	डिण्डौरी	बैतूल	प्रशासकीय
16	श्री रामजी तिवारी, प्रभारी नायब तहसीलदार	टीकमगढ	भोपाल	प्रशासकीय
17	श्री नीरज प्रजापति	इंदौर	देवास	प्रशासकीय
18	कु छवि पंत	छिन्दवाडा	बालाघाट (विभागीय समसंख्यक आदेश दिनांक 25.07.2023 से जिला बैतूल किये गये स्थानांतरण को संशोधित करते हुए)	प्रशासकीय
19	श्री आशीष राठौर	झाबुआ	धार (विभागीय समसंख्यक आदेश दिनांक 25.07.2023 से जिला नीमच किये गये स्थानांतरण को संशोधित करते हुए)	प्रशासकीय
20	सुश्री सारिका परस्ते	बालाघाट	सिंगरौली (विभागीय समसंख्यक आदेश दिनांक 25.07.2023 से जिला मण्डला किये गये स्थानांतरण को संशोधित करते हुए)	प्रशासकीय
21	श्री इन्द्रसेन तुमराली	बालाघाट	छिन्दवाडा (विभागीय समसंख्यक आदेश दिनांक 25.07.2023 से जिला सिंगरौली किये गये स्थानांतरण को संशोधित करते हुए)	प्रशासकीय
22	श्री राजकुमार उईके, प्रभारी नायब तहसीलदार	रीवा	बैतूल	प्रशासकीय

2/- उपरोक्त अधिकारियों को निर्देशित किया जाता है कि वे अपनी नवीन पदस्थापना स्थल पर तत्काल कार्यभार ग्रहण कर उपस्थिति प्रतिवेदन विभाग को प्रेषित करना सुनिश्चित करें।

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से
तथा आदेशानुसार
(दिनेश कुमार मौर्य)
उप सचिव
म.प्र.शासन,राजस्व विभाग

मध्यप्रदेश शासन,
राजस्व विभाग,
वल्लभ भवन,मंत्रालय, भोपाल
// आदेश//
भोपाल, दिनांक 30/07/2023

क्रमांक एफ 1/14/0027/2023/सात/4, राज्य शासन एतद् द्वारा निम्नलिखित तहसीलदार/प्रभारी तहसीलदारों के स्थानांतरण करते हुए अस्थाई रूप से आगामी आदेश तक कालम-4 में दर्शाये गये जिले में तत्काल प्रभाव से पदस्थ करता है:-

[illegible]

2/- उपरोक्त अधिकारियों को निर्देशित किया जाता है कि वे अपनी नवीन पदस्थापना स्थल पर तत्काल कार्यभार ग्रहण कर उपस्थिति प्रतिवेदन विभाग को प्रेषित करना सुनिश्चित करें।

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से
तथा आदेशानुसार
(दिनेश कुमार मौर्य)
उप सचिव
म.प्र.शासन,राजस्व विभाग

पृ. क्रमांक एफ 1/14/0027/2023/सात/4,
भोपाल, दिनांक 30/07/2023
प्रतिलिपि:-
5. प्रमुख राजस्व आयुक्त कार्यालय भोपाल।
6. उप सचिव, मुख्य सचिव, कार्यालय।
7. समस्त संभागायुक्त, मध्यप्रदेश।
8. समस्त जिला कलेक्टर। कृपया स्थानांतरित अधिकारियों को बिना रिलीवर की प्रतीक्षा किए नवीन पदस्थापना हेतु तत्काल कार्यमुक्त कर इस विभाग को पालन प्रतिवेदन प्रेषित किया जाना सुनिश्चित करें।
9. संबंधित अधिकारीगण।

मध्यप्रदेश शासन
राजस्व विभाग
मंत्रालय
//आदेश//
भोपाल, दिनांक 30/07/2023

क्रमांक एफ 1/1/4/0016/2023/सात-5, राज्य शासन एतद् द्वारा मध्यप्रदेश भू-अभिलेख और बंदोबस्त, तृतीय श्रेणी, अराजपत्रित (कार्यपालिक एवं तकनीकी) सेवा भर्ती नियम 2012 के तहत गठित विभागीय छानबीन समिति की पुनर्विचार बैठक 09/06/2023 को की गई अनुशंसा के अनुक्रम में कॉलम 02 में अंकित सहायक अधीक्षक भू-अभिलेख को कण्डिका दो में वर्णित सेवा शर्तों के अधीन, कॉलम-4 में अंकित जिले में स्थानांतरित करते हुए कॉलम-4 में वर्णित पद का प्रभार तत्काल प्रभाव से सौंपा जाता है :-

[illegible]

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से
तथा आदेशानुसार
(दिनेश कुमार मौर्य)
उप सचिव
मध्यप्रदेश शासन, राजस्व विभाग

पृष्ठांकन एफ 1/1/4/0016/2023/सात-5,
भोपाल, दिनांक 30/07/2023
प्रतिलिपि :-
1. प्रमुख सचिव, मध्यप्रदेश शासन मुख्यमंत्री कार्यालय।
2. उप सचिव, मध्यप्रदेश शासन, मुख्य सचिव कार्यालय।
3. विशेष सहायक, माननीय मंत्री जी, मध्यप्रदेश शासन, राजस्व विभाग।
4. निज सचिव, प्रमुख सचिव, म0प्र0 शासन राजस्व विभाग।
5. आयुक्त, भू-अभिलेख म0प्र0 ग्वालियर।
6. महालेखाकार मध्यप्रदेश ग्वालियर।
7. संभागायुक्त ग्वालियर/ इंदौर/ उज्जैन संभाग मध्यप्रदेश।
8. जिला कलेक्टर - ग्वालियर/ इंदौर/ खण्डवा/ देवास मध्यप्रदेश। कृपया स्थानांतरित अधिकारियों को बिना रिलीवर की प्रतीक्षा किए नवीन पदस्थापना हेतु तत्काल कार्यमुक्त कर इस विभाग को पालन प्रतिवेदन प्रेषित किया जाना सुनिश्चित करें।
9. संबंधित श्री .... ।
10. गार्ड फाईल।
की ओर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

उप सचिव
मध्यप्रदेश शासन, राजस्व विभाग

डीएसपी से एडीशनल एसपी और उप सेनानी पर पदोन्नति एवं पदस्थापना

मध्य प्रदेश शासन
गृह विभाग
मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल
–: आदेश :–

भोपाल,दिनांक 31 जुलाई 2023

क्रमांक 3054 /1474965/23/बी–4/दो, :– राज्य शासन एतद्द्वारा राज्य पुलिस सेवा संवर्ग के उप पुलिस अधीक्षक/सहायक सेनानी स्तर के अधिकारियों को जो नीचे की तालिका के कॉलम–3 में उल्लेखित पद पर पदस्थ हैं, को अस्थाई रूप से आगामी आदेश तक उनके नाम के सम्मुख तालिका के कॉलम–4 में अंकित पद एवं स्थानों पर उनके द्वारा कार्यभार ग्रहण करने के दिनांक से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक/उप सेनानी के पद पर पदस्थापना उपरांत पदस्थ किया जाता है :–

स.क्र. (1)	अधिकारी का नाम (2)	वर्तमान पदस्थापना (3)	नवीन पदस्थापना (4)
1.	श्री अरविन्द श्रीवास्तव निरी–2013	एसडीओपी, वारासिवनी, बालाघाट	अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जिला सीधी
2.	श्री नागेन्द्र पटेरिया निरी–2013	सहायक पुलिस आयुक्त, कोतवाली, नगरीय पुलिस जिला, भोपाल	अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, जिला नरसिंहपुर
3.	श्री इसरार मंसूरी निरी–2013	उप पुलिस अधीक्षक पीटीएस, उमरिया	अति.पुलिस अधीक्षक रेल, जबलपुर
4.	श्री बृहस्पतिसिंह परिहार निरी–2013	सहायक पुलिस आयुक्त अन्नपूर्णा, नगरीय पुलिस जिला, इन्दौर	अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, नगरीय पुलिस जिला, इन्दौर
5.	श्री अजय कुमार जैन निरी–2013	उप पुलिस अधीक्षक ईओडब्ल्यू, भोपाल	सहायक पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस मुख्यालय, भोपाल (सेवाएँ सामान्य प्रशासन विभाग से वापस लेते हुए)
6.	श्री अनुराग पाण्डे निरी–2013	उप पुलिस अधीक्षक,लेखा, पुलिस मुख्यालय, भोपाल	उप सेनानी, 13वीं वाहिनी, विसबल, ग्वालियर
7.	श्री जी.डी.शर्मा निरी–2013	एसडीओपी, राघोगढ जिला गुना	अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, जिला सिवनी
8.	श्री आर.डी.भारद्वाज निरी–2013	नगर पुलिस अधीक्षक, ओमती, जिला जबलपुर	पुलिस अधीक्षक, ई.ओ.डब्ल्यू., भोपाल (सेवाएँ सा.प्र.वि. को सौंपते हुए)
9.	श्री राज्यवर्धन माहेश्वरी निरी–2013	उप पुलिस अधीक्षक अजावि, पुलिस मुख्यालय, भोपाल	सहायक पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस मुख्यालय, भोपाल
10.	श्री दीपक मिश्रा निरी–2013	एसडीओपी, लखनादौन, जिला सिवनी	सहायक पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस मुख्यालय, भोपाल
11.	श्री मलकीत सिंह निरी–2013	एसडीओपी, ओबेदुल्लागंज, रायसेन	अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, जोन–4 नगरीय पुलिस जिला, भोपाल

स.क्र.	अधिकारी का नाम	वर्तमान पदस्थापना	नवीन पदस्थापना
12.	श्री आशुतोष मिश्रा निरी–2013	नगर पुलिस अधीक्षक जिला इन्दौर	अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जिला नर्मदापुरम
13.	श्री आनंद कुमार यादव निरी–2013	उप पुलिस अधीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना,लोकायुक्त संगठन इन्दौर	अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, सुरक्षा, नगरीय पुलिस जिला, भोपाल (सेवाएँ सामान्य प्रशासन विभाग से वापस लेते हुए)
14.	श्री तरुणेन्द्र सिंह बघेल, निरी–2013	नगर पुलिस अधीक्षक पीथमपुर, जिला धार	अति.पुलिस अधीक्षक जिला खरगौन
15.	श्री संतोष सिंह भदौरिया निरी–2013	उप पुलिस अधीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, लोकायुक्त, जबलपुर	जोनल पुलिस अधीक्षक, विशेष शाखा, रीवा (सेवाएँ सामान्य प्रशासन विभाग से वापस लेते हुए)
16.	श्री निरंजन शर्मा निरी–2013	उप पुलिस अधीक्षक आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ, भोपाल	अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जिला ग्वालियर (सेवाएँ सामान्य प्रशासन विभाग से वापस लेते हुए)
17.	श्री जयन्त सिंह राठौर निरी–2013	सहायक पुलिस आयुक्त, खजराना नगरीय पुलिस जिला, इन्दौर	अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, जिला उज्जैन
18.	श्री संतोष कुमार सिंह तोमर, निरी–2013	सहायक पुलिस आयुक्त, सराफा नगरीय पुलिस जिला, इन्दौर	सहायक पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस मुख्यालय, भोपाल
19.	श्रीमती निशा रेड्डी निरी–2013	नगर पुलिस अधीक्षक भिण्ड	अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, जिला आगर मालवा
20.	श्रीमती सुनीता करनेलियस निरी–2013	उप पुलिस अधीक्षक अजावि, पुलिस मुख्यालय, भोपाल	सहायक पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस मुख्यालय, भोपाल
21.	श्रीमती उषा घावड़े निरी–2013	उप पुलिस अधीक्षक अजावि, पुलिस मुख्यालय, भोपाल	सहायक पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस मुख्यालय, भोपाल
22.	श्री मानसिंह ठाकुर निरी–2013	उप पुलिस अधीक्षक कल्याण, पुलिस मुख्यालय,भोपाल	अति.पुलिस अधीक्षक, बड़वानी
23.	श्री सुशील कुमार तिवारी, रक्षित निरी–2013	सहायक पुलिस आयुक्त, यातायात जोन–1, नगरीय पुलिस जिला, भोपाल	अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, यातायात, नगरीय पुलिस जिला, इन्दौर
24.	श्री विजय सिंह पवार रक्षित निरी– 2013	उप पुलिस अधीक्षक पीटीएस, इन्दौर	सहायक पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस मुख्यालय, भोपाल
25.	श्री विक्रम सिंह रघुवंशी, रक्षित निरी–2013	सहायक पुलिस आयुक्त, पुलिस लाईन, नगरीय पुलिस जिला, भोपाल	अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, यातायात नगरीय पुलिस जिला, भोपाल

स.क्र.	अधिकारी का नाम	वर्तमान पदस्थापना	नवीन पदस्थापना
26.	श्री अरविन्द तिवारी रक्षित निरी–2013	सहायक पुलिस आयुक्त, यातायात जोन–4, नगरीय पुलिस जिला, इन्दौर	अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, यातायात, नगरीय पुलिस जिला, इन्दौर
27.	श्री बसन्त कुमार कौल, रक्षित निरी–2013	सहायक पुलिस आयुक्त, यातायात जोन–2, नगरीय पुलिस जिला, इन्दौर	अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, यातायात नगरीय पुलिस जिला, भोपाल
28.	श्री गणेश सिंह ठाकुर, निरीक्षक अंगुली चिन्ह 13	उप पुलिस अधीक्षक अंगुली चिन्ह, शाखा पुमु भोपाल	सहायक पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस मुख्यालय, भोपाल
29.	श्री संजीव मुले निरी–2013	एसडीओपी, बागली जिला देवास	अति. पुलिस अधीक्षक, जिला शिवपुरी

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से
तथा आदेशानुसार
(अन्नू भलावी)
अवर सचिव
म0प्र0 शासन, गृह विभाग

पृ0कमांक 3053 /1474965/23/बी–4/दो,
भोपाल,दिनांक 31 जुलाई 2023
प्रतिलिपि–
1. विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी, मुख्यमंत्री कार्यालय, मंत्रालय, भोपाल।
2. विशेष सहायक, मान0मंत्रीजी, गृह म0प्र0 भोपाल।
3. अपर मुख्य सचिव, म.प्र.शासन, सामान्य प्रशासन विभाग ।
...
की ओर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु अग्रेषित ।

अवर सचिव
म0प्र0 शासन, गृह विभाग

19 निरीक्षकों को उप पुलिस अधीक्षक का प्रभार सौंपा गया

मध्यप्रदेश शासन
गृहविभाग
मंत्रालय, वल्लभभवन, भोपाल
–: आदेश :–

भोपाल,दिनांक 31.07.2023

कमांक 3052/1474948/2023/बी-4/दो:– राज्य शासन द्वारा निरीक्षक/समकक्ष संवर्ग के अधिकारियों को पुलिस रेग्युलेशन एक्ट, 1864 के नियम-45 के संबंध में गृह विभाग द्वारा जारी की गई संशोधन अधिसूचना क्र0-2613-II-Bii, दिनांक 05 जून, 1961 में निहित प्रावधानों के तहत उप पुलिस अधीक्षक (Deputy Superintendent of Police) का मानसेवी (Honorary) पद प्रदान किया जाता है। मानसेवी उप पुलिस अधीक्षक के पद पर नियुक्त निम्नांकित निरीक्षकों/समकक्ष संवर्ग के अधिकारियों को वेतन एवं भत्ते निरीक्षक/समकक्ष पद के अनुसार ही प्राप्त होंगे किन्तु वे उप पुलिस अधीक्षक का गणवेश धारित कर सकेंगे :-

स.क्र.	अधिकारी का नाम	संवर्ग	जन्मतिथि	सेवा निवृत्ति की तिथि
1.	श्री गोपाल सिंह चौहान	निरीक्षक	08.08.1961	31.08.2023
2.	श्री रामसेवक दिवाकर	निरीक्षक	05.07.1961	31.07.2023
3.	श्री जंगबहादुर राव	निरीक्षक	01.09.1961	31.08.2023
4.	श्री राधेश्याम रैगर	निरीक्षक	02.12.1961	31.12.2023
5.	श्री भंवर सिंह बघुलिया	निरीक्षक	08.07.1961	31.07.2023
6.	श्री मदनलाल वर्मन	निरीक्षक	03.12.1961	31.12.2023
7.	श्री पहाड़ सिंह	कम्प.कमा.	01.01.1962	31.12.2023
8.	श्री तरसियुश खलको	कम्प.कमा.	06.08.1961	31.08.2023
9.	श्री जेलियस किरकिट्टा	कम्प.कमा.	24.12.1961	31.12.2023
10.	श्री अतर सिंह जादौन	कम्प.कमा.	03.12.1961	31.12.2023
11.	श्री प्रेमनारायण सराठिया	कम्प.कमा.	01.11.1961	31.10.2023
12.	श्री शिवकुमार गोयल	निरीक्षक (रेडियो)	05.07.1961	31.07.2023
13.	श्री जगदीश प्रसाद भटेले	निरीक्षक (रेडियो)	15.08.1961	31.08.2023
14.	श्री अवधेश कुमार सिंह	निरीक्षक (विशा)	12.08.1961	31.08.2023
15.	श्री जाकिर हुसैन	निरीक्षक (विशा)	07.07.1961	31.07.2023
16.	श्री जी.के.अरोरा	निरीक्षक (शीघ्रलेखक)	29.09.1961	30.09.2023
17.	श्री आर.के.श्रीवास्तव	निरीक्षक (शीघ्रलेखक)	12.11.1961	30.11.2023
18.	श्री केवलराम सोते	निरीक्षक (शीघ्रलेखक)	04.09.1961	30.09.2023
19.	श्री आर.एस.कौरव	निरीक्षक (शीघ्रलेखक)	17.08.1961	31.08.2023

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से
तथा आदेशानुसार
(अन्नू भलावी)
अवर सचिव
म0प्र0 शासन, गृहविभाग

इंदौर में रेपिस्ट शिक्षक को 20 साल की जेल

कोर्ट ने कहा- इसे बख्शा तो लोग बेटियों को पढ़ने नहीं भेजेंगे

इंदौर जिला कोर्ट ने छात्रा से रेप करने वाले एक टीचर को 20 साल की सजा सुनाई है। घटना 8 जून 2020 की है। टीचर हमजा इस्माइल खान ने दसवीं की छात्रा को धोखे से घर ले जाकर उससे रेप किया था। उसके हाथ-मुंह बांध दिए थे। टीचर, छात्रा को स्कूल के अलावा ट्यूशन में मैथ्स पढ़ाता था, इसलिए वो उसे जानती थी। रेप के बाद वह 10 दिन तक सहमी बैठी रही। फिर एक दिन हिम्मत जुटाकर मां को आपबीती सुनाई, तब मामला थाने तक पहुंचा। अदालत ने 26 जुलाई फैसला सुनाते हुए कड़ी टिप्पणी भी की।

बचाव में बोला- हम एक-दूसरे को चाहते हैं- पुलिस ने जांच के बाद कोर्ट में चालान पेश किया था। सुनवाई में आखिर तक हमजा ने स्वीकार नहीं किया था कि उसने छात्रा के साथ दुष्कर्म किया है। वो अलग-अलग तर्क देता रहा। उसने यहां तक कह दिया कि छात्रा और वो एक-दूसरे को चाहते हैं। सब कुछ छात्रा की मर्जी से हुआ है। शादी करना चाहते हैं। छात्रा के घरवाले दोनों की शादी के लिए तैयार नहीं थे, इसलिए उन्होंने झूठी शिकायत करवाई है।

आरोपी की तरफ से इस संबंध में एक गवाह भी कोर्ट में पेश किया, लेकिन उसने अपने बयान में ऐसा कुछ नहीं बताया, जिससे साबित हो सके कि दोनों के बीच प्रेम-प्रसंग था और शादी करना चाहते थे। न ही कोई ऐसा सबूत पेश किया कि छात्रा और आरोपी की शादी की बात चल रही थी।

पीड़िता ने भी अपने बयान में शादी की बात से मना किया। उसने कोर्ट को बताया कि टीचर होने के कारण उसकी बातचीत होती थी। छात्रा के परिजन ने स्पष्ट किया कि शादी की बात का तो सवाल ही नहीं उठता।

अदालत से झूठ बोला कि लड़की बालिग है- जब शादी वाला तर्क कोर्ट में खारिज हो गया तो हमजा की तरफ से कहा गया कि लड़की बालिग है। हालांकि, ये तर्क भी कोर्ट में नहीं टिक सका। क्योंकि स्कूल के स्कॉलर रजिस्टर और पेरेंट्स के बयान करवाए गए तो कोर्ट में साफ हो गया कि घटना के समय छात्रा की उम्र 18 साल से कम थी। जबकि आरोपी की उम्र तब करीब 25 साल थी। आरोपी ये जानता था कि पीड़िता नाबालिग है। इसके बावजूद उसने छात्रा के साथ गलत हरकत की।

आरोपी ने सजा में नरमी की गुहार लगाई, कोर्ट ने की सख्त टिप्पणी- कोर्ट में टीचर के तमाम तर्क खारिज हो गए। सजा सुनाने के पहले उसकी तरफ से गुहार लगाई गई। जिसमें कम उम्र का हवाले देते हुए सजा में नरमी बरतने की मांग की गई। हालांकि, कोर्ट ने इस पर सख्त टिप्पणी की। सरकारी वकील की तरफ से भी कठोर से कठोर सजा सुनाने की मांग की गई थी।

कोर्ट ने बेटियों के भविष्य और उनकी पढ़ाई को ध्यान में रखते हुए आरोपी की सजा में उदारता नहीं बरतने की बात कही। बचाव पक्ष ने कहा था कि यह आरोपी का पहला अपराध है। उसका पूर्व का कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है, आरोपी कम उम्र का व्यक्ति है। अतः आरोपी को परिवीक्षा अधिनियम का लाभ दिया जाए या न्यूनतम दंड से दंडित किया जाए।

कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए क्या कहा- आरोपी द्वारा बालिका का शिक्षक होकर पढ़ाई के बहाने उसे अपने घर ले जाकर ऐसा अपराध करना गुरु-शिष्य के रिश्ते को कलंकित करने वाला कृत्य है। यदि उसके द्वारा किए गए ऐसे कृत्य पर उदारतापूर्वक विचार किया गया तो समाज पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा। लोग अपनी बेटियों को पढ़ाने पर कतराएंगे, जिसका प्रभाव बालिकाओं के भविष्य पर पड़ेगा।

कोर्ट ने टीचर को 20 साल की सजा सुनाई। साथ ही पीड़िता को 80 हजार रुपए की राशि प्रतिकर के रूप में दिलाए जाने की अनुशंसा भी की। कोर्ट ने आरोपी को 24 जुलाई को अंतिम सुनवाई कर फैसला सुरक्षित रख लिया था।

पढ़ाई को लेकर चैटिंग हुई- पीड़िता की तरफ से विशेष लोक अभियोजक सुशीला राठौर ने पैरवी की। उन्होंने बताया कि टीचर हमजा ने कोर्ट में बयान दिया कि वो और छात्रा एक-दूसरे को चाहते हैं। उनकी शादी की बात भी चल रही है, लेकिन इस बात को साबित नहीं कर सका। छात्रा के साथ चैटिंग कोर्ट में पेश की गई, लेकिन उसमें भी ऐसा कुछ नहीं था, जिससे ये साबित हो कि दोनों के बीच प्रेम प्रसंग है।

देश की कमान जब से कर्मठ हाथों में आई है तब से कर्मठता का प्रतीक माने जाने वाले किसानों का सम्मान बढ़ा है

गोपाल भार्गव

देश की असली उन्नति और आर्थिक विकास के लिए कृषि, किसान और कृषि क्षेत्रों का विकास अत्यावश्यक है। कृषि समाज की बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा करने में सशक्त माध्यम है साथ ही बढ़ती आबादी को रोजगार उपलब्ध कराने में भी सर्वाधिक सहायक है। भाजपा ने अपनी भरोसेमंद किसान नीतियों के माध्यम से किसानों के सम्मान को सुनिश्चित और उन में विश्वास को बढ़ाने का कार्य किया है। जड़ों से कृषि क्षेत्र की समस्याओं के समाधान और परिश्रमी व अनुभवी किसानों के उत्थान के भी निरंतर प्रयास किए हैं। जबकि कांग्रेस की किसान विरोधी भ्रष्ट नीतियों से कृषि क्षेत्रों की समस्याएं बढ़ती रही और विकराल रूप ले गई हैं। यही कारण है कि आजादी के बाद से लगातार कांग्रेस के शासन में कृषि क्षेत्र की उपेक्षा बनी रहे और प्रदेश सहित पूरे देश में कृषि व्यवस्था चौपट होती रही। होना यह चाहिए था कि औद्योगिक विकास और कृषि विकास के बीच में संतुलन बनाया जाता और हुआ क्या किसानों की हालत जर्जर होती गई है, गांव उपेक्षा का शिकार बने रहे और अभावग्रस्त होते चले गए, ग्रामीण रोजगार में लगातार गिरावट आई, ग्रामोद्योग का सम्यक विकास ना होने से बहुत बड़ी संख्या में गांव से पलायन हुआ और असंतुलित शहरी शहरीकरण का कारण बना। गांव से पलायन और कॉल बेरोजगारी के कारण किसानों को एक राज्य से दूसरे राज्य में पलायन करना पड़ा जिसका प्रभाव उनके पारिवारिक और सामाजिक जीवन पर भी आया यह कांग्रेस की विकास विरोधी और सामाजिक वाह बुनियादी आवश्यकता पूर्ति करने वाले कृषि क्षेत्र की सही समझ ना हो पाने के कारण और प्रदेश और राज्य स्तर पर गलत नीतियों के दुष्परिणाम भोगने के लिए किसानों को विवश होना पड़ा।

किसान पुत्र शिवराज सिंह चौहान की भारतीय जनता पार्टी सरकार ने लगातार कृषि क्षेत्रों में विभिन्न योजनाओं के माध्यम से 2002-3 की कृषि विकास दर 03? को बढ़ाकर 18.89 तक पहुंचाने में सफलता पाई है। कांग्रेस के राज्य में प्रदेश बीमारू माना जाने लगा था जबकि भाजपा सरकार ने प्रदेश की 1.35 करोड़ आबादी को गरीबी से बाहर लाने में सफलता प्राप्त की है। कांग्रेस हमेशा झूठे वादे करती रही किसानों को ठगने और झूठे आश्वासनों की नीतियों के कारण से किसानों के साथ किए गए वादे पूरे नहीं किए गए, कांग्रेस ने वादा किया था कि किसानों के 5 हॉर्स पावर पंप का बिल माफ करेंगे जिसे पूरा नहीं किया गया जबकि भाजपा की सरकार ने 5 हॉर्स पावर के सोलर पंप योजना में किसानों को 115 करोड़ रुपए का अनुदान उपलब्ध कराया है। मध्यप्रदेश में 5 हॉर्स पावर की कृषि उपभोक्ताओं को 51,022 रुपए के बिल के स्थान पर केवल 3,750 रुपए का ही बिल दिया जा रहा है। आज 93वां सब्सिडी कृषि उपभोक्ताओं को मिल रही है। 32 लाख 76 हजार से अधिक कृषि उपभोक्ता विभिन्न योजनाओं से लाभ प्राप्त कर रहे हैं। अटल ज्योति योजना के तहत 10 हॉर्स पावर के विद्युत कनेक्शन वाले प्रत्येक उपभोक्ता को ?1,15,000 की खपत पर केवल ?7500 का शुल्क लिया जाता है। अनुसूचित जाति और जनजाति के किसानों के एक हेक्टेयर तक भूमि वाले 5 हॉर्स पावर भार वाले लगभग 9,60,000 से भी अधिक किसानों को प्रति वर्ष 4,800 करोड़ की बिजली सब्सिडी मिल रही है इसी प्रकार सरकार ने 3 वर्षों में किसानों की खेती के लिए बिजली कनेक्शन में ?45,150 का अनुदान देने का काम किया है।

भारतीय जनता पार्टी की सरकार किसानों का कर्जा माफ करने के लिए कटिबद्ध है प्रदेश में कृषक ब्याज माफी योजना 2023 में शुरू की गई प्रदेश के 11 लाख से भी अधिक डिफ़ाल्टर किसानों का 2123 करोड रुपए का कर्जा माफ हुआ है। विगत 3 वर्षों में 47,100 करोड़ रुपए से भी अधिक के कृषि ऋण शून्य ब्याज दर पर दिए हैं।

उल्लेखनीय बात तो यह भी रही कि कमलनाथ के कांग्रेसी सरकार में मंत्री रहे गोविंद सिंह ने भी कमलनाथ के द्वारा किसानों को ठगने की बात स्वीकारी थी, कर्ज माफी के झूठे वादे से परेशान किसानों से सामूहिक आत्मदाह तक की बात कहकर सरकार का विरोध किया था और इसी झूठे वादे के चलते कमलनाथ की सरकार से बड़ी संख्या में कांग्रेस के विधायकों का मोह भंग हुआ और उन्होंने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। साल 2018 में कांग्रेस सरकार ने घोषणा की थी कि किसानों के मुकदमे वापस किए जाएंगे लेकिन यह वादा भी पूरा नहीं किया। हम राजस्थान में देख रहे हैं कि किसानों के द्वारा कर्ज नहीं चुकाए जाने पर उनकी जमीनों की नीलामी की जा रही है, क्या यही कांग्रेस की नीति है? क्या कांग्रेस किसानों का इस प्रकार से उत्थान करना चाहती है।

जब केंद्र की सरकार ने किसानों के पक्ष में नीति बनाकर किसानों को और अधिक स्वायत्तता प्रदान करने का प्रयास किया तब इस किसान विरोधी आंदोलन को हवा देकर कांग्रेस ने एक अच्छी नीति को नष्ट करने का काम किया है। मध्यप्रदेश की सरकार ने किसानों के कल्याण के लिए 7 सूत्रीय रणनीति तैयार की है यह देश के कल्याण के लिए आदर्श है जिसमें 1. संकट के समय किसानों की सहायता करना 2. खेती के लिए बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना 3. कृषि की उत्पादन लागत को कम करना4. खेती का उत्पादन बढ़ाना 5. किसानों को उनकी उपज का सही मूल्य दिलाना 6.किसान उत्पादक संगठनों के माध्यम से किसानों को संगठित और सफल बनाना है और 7. खेती के विविधीकरण और कृषि निर्यात को बढ़ावा देना है। भारतीय जनता पार्टी की सरकार किसानों की बेहतरी के लिए समर्पित हो संकल्पित है। सरकार सिर्फ अन्नदाता की बेहतरी का नारा नहीं देती है बल्कि उसकी आमदनी को दोगुना करने के लिए जनकल्याणकारी योजनाओं व कृषि अधोसंरचना विकास के माध्यम से इस दिशा में कार्य कर रही है।

कांग्रेस ने किसानों को एक बार फिर पांच वचन दिए यह वचन नहीं पुनः ठगी का प्रवचन है, इन झूठे वचनों से 2018 के चुनाव में समर में प्रदेश के किसान ठगे गए थे, अब वह भली-भांति इससे परिचित हैं। केंद्र सरकार के द्वारा भी पीएम किसान निधि किसानों के लिए बहुत कारगर साबित हो रही है। इसके तहत आज प्रधानमंत्री मोदी ने 17,000 करोड़ रुपए की चौथी किस्त की राशि 8.5 करोड़ से ज्यादा लाभार्थियों को डीबीटी के जरिए ट्रांसफर की है। भाजपा की केंद्र सरकार ने यूरिया गोल्ड जो सल्फर कोटेड है की एक योजना शुरू की है जिससे मिट्टी में सल्फर की कमी दूर होती है और वास्तविक समस्या का समाधान होता है, इसी प्रकार डिजिटल वाणिज्य के ओपन नेटवर्क पर 1500 किसान उत्पादक संगठनों को शामिल किए जाने का शुभारंभ किया गया है। यह कृषि क्षेत्र के उत्थान के लिए बहुत बड़े कदम साबित हो रहे हैं। हाल ही में राजस्थान में यशस्वी प्रधानमंत्री ने सवा लाख पीएम किसान समृद्धि केंद्र समर्पित किए हैं, जो साल के अंत तक 1,75,000 केंद्र बन जाएंगे जिसमें किसानों की जरूरत जरूरतों के लिए एक ही स्थान पर समाधान देने का विकासात्मक कार्य किया जाएगा इन केंद्रों पर उर्वरक, बीज, उपकरण और मिट्टी से लेकर परीक्षण संबंधी सभी सुविधाएं मुहैया कराई जाएगी। मैं किसान परिवार से हूं, किसानी करता रहा हूं हमारे प्रदेश के मुख्यमंत्री भी किसान पुत्र हैं कृषि और किसानों की समस्याओं से बहुत जमीनी तौर पर जुड़े रहे हैं और पूरी संवेदनशीलता के साथ इनके समाधान के लिए प्रयासरत और कटिबद्ध रहे हैं उसी का परिणाम है कि किसानों के बीच में भारतीय जनता पार्टी की लोकप्रियता बढ़ रही है और गांव और किसानों की स्थितियों में लगातार सुधार आ रहा है विश्वास है कि अब किसान कांग्रेस के झूठे वादों और नए आश्वासनों के चक्कर में ना पढ़कर केंद्र और राज्य सरकारों की विकास योजनाओं का लाभ लेकर उन्नत ग्राम, समृद्ध किसान और स्वाबलंबी कृषि की अवधारणा को स्थापित करेंगे।

(लेखक मध्य प्रदेश सरकार में वरिष्ठ मंत्री हैं)

आज खाटू श्याम भजन संध्या का आयोजन

परासिया- भक्तों द्वारा खाटू श्याम जी की भजन संध्या का आयोजन आगामी को संस्कार लान परासिया में किया जा रहा है जिसमें ख्याति प्राप्त भजन गायक महेंद्र गौतम, प्रतिमा सोनारे रेशमओम प्रधान एवं नीरज मालवीय अपने साथियों सहित सुंदर भजनों की प्रस्तुतियां देंगे। इसके अलावा कार्यक्रम में भव्य दरबार, फूलों की वर्षा, 56 प्रकार के भोग और इत्र वर्षा आकर्षण का केंद्र रहेंगे। बताते है कि इनकी प्रस्तुति आकर्षण एवं आनंदमय होगी

दुनिया का पहला आयोजन 13 घंटे में 13 करोड़ों राम नाम जप भंडारा भी होगा

, छिन्दवाड़ा। रुद्र परिवार द्वारा आज वृन्दावन लॉन, बोहता चाँद रोड में भगवान श्री राम को समर्पित राम नाम जप महायज्ञ आयोजित किया जा रहा है। इस महायज्ञ में 13 घण्टे में 13 करोड़ राम नाम जप महायज्ञ का संकल्प पूरा किया जायेगा। रूद्र परिवार के संस्थापक रितेश रत्नाकर पांडेय ने बताया कि इस महायज्ञ की तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं, और अनेक राजनीतिक व गैर राजनीतिक संगठन के साथ ही आमजन भी इस आयोजन में बढ़-चढ़कर सहयोग के लिए आगे आ रहे है। समिति ने सभी से आग्रह किया है कि राम नाम जप के महायज्ञ में शामिल होकर पुण्य लाभ अर्जित करें। भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के नेताओं द्वारा समिति के सदस्यों और संस्थापक रितेश रत्नाकर पांडे से भेंट कर महायज्ञ में सभी प्रकार के सहयोग देने की बात रखी गई। इस दौरान कमलनाथ, चौधरी चन्द्रभान सिंह, विवेक साहू, विश्वनाथ ओकटे, विक्रम आहाके, रिंकू नैयर एवं आनंद बक्षी द्वारा महायज्ञ की रूपरेखा सम्बंधित चर्चा कर कार्यक्रम को सफल होने के लिए शुभकामनाएं भी दी गई। गौरतलब है कि आज सोमवार को सुबह 9 बजे से रात्रि 10 बजे तक श्री राम नाम जप महायज्ञ और महाप्रसाद भण्डारा आयोजित किया जाएगा। समिति के सदस्यों ने बताया कि श्री राम नाम जप महायज्ञ हेतु किसी भी प्रकार का अनुदान या चन्दा नही लिया जा रहा है एवं कार्यक्रम व पंजीयन निःशुल्क है। उन्होंने किसी भी अनधिकृत व्यक्ति को इस हेतु कोई भी धनराशि ना देने की बात कही है।

1 अगस्त को कांग्रेस की बैठक

छतरपुर एक अगस्त को काँग्रेस कार्यालय राजीव भवन में सुबह 10 बजे जिला काँग्रेस कमेटी की बैठक जिला काँग्रेस अध्यक्ष श्री लखन लाल पटेल की अध्यक्षता एवं जिला काँग्रेस संगठन प्रभारी श्री रूद्र प्रताप सिंह के मुख्य आतिथ्य में बुलाई गई है इस आशय की जानकारी जिला काँग्रेस प्रवक्ता संतोष तिवारी ने देते हुए बताया कि नवनियुक्त संगठन प्रभारी जी का नियुक्ति के बाद पहली बार छतरपुर आगमन हो रहा है अतः आप सभी माननीय विधायक, पूर्व विधायक, पूर्व विधानसभा/लोकसभा प्रत्याशी, पीसीसी सदस्य, कार्यकारी अध्यक्ष, समस्त ब्लॉक अध्यक्ष गण,मंडलम सेक्टर के अध्यक्ष गण,समन्वय समिति के सदस्य गण, महिला कांग्रेस, सेवादल कांग्रेस, युवा कांग्रेस, एन एस यू आई, समस्त मोर्चा संगठन ,प्रकोष्ठ विभाग, कांग्रेस पक्ष से चुने हुए जनप्रतिनिधि, जिला काँग्रेस के पदाधिकारियों, सक्रिय कार्यकर्ताओं से जिला काँग्रेस अध्यक्ष श्री लखन लाल पटेल जी ने आग्रह किया है कि तय समय पर उपस्थित होकर बैठक में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें

सरपंच ने सड़क समस्या को लेकर उपाध्यक्ष को किया अवगत

विधानसभा क्षेत्र परासिया के ग्राम पंचायत सिरगोरी खुर्द की सरपंच श्रीमती चित्रा डेहरिया ने उक्त सड़क की समस्या को लेकर जनपद उपाध्यक्ष जमील खान को अवगत कराया था, जिस पर उपाध्यक्ष ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के इंजीनियर को सड़क का निरीक्षण कर मरम्मत के लिए निर्देश दिए थे, निरीक्षण करने के बाद इस सड़क का मरम्मत कार्य किया जा रहा है, इस सड़क की हर वर्ष मरम्मत की आवश्यकता ना पड़े इसलिए इस सड़क का स्थाई निर्माण कर आवागमन के लिए उपयोगी बनाने की जरूरत है। सरपंच चित्रा डेहरिया कहती है कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के संबंधित अधिकारी इस मार्ग का निरीक्षण कर स्थाई समाधान निकालने का प्रयास किया जाना चाहिए।

एक दूसरे पर आरोप लगाते रहे समन्वय न बनने से अगली पेशी दी गई

परासिया- एस डी ओ पी अनिल शुक्ला के मार्गदर्शन में चल रहे परिवार परामर्श केन्द्र में दिन शनिवार को 12 प्रकरण पंजीबद्ध किए गए 2 प्रकरणों में समझौता हुआ 2 प्रकरणों को नस्तीबद्ध किया गया शेष प्रकरणों को अगली पेशी दी गई द्य आवेदक पति ने बताया कि शादी के 3वर्ष हो गए पति एम आर है पति के अनुसार पत्नी झगड़ा करके मायके चली गई पत्नी ने कहा कि देवर ने शराब पीकर झगड़ा किया सास ने भी झगड़ा किया सास ने गला दबाया मैंने भी वचाव के लिये सास पर हाथ उठा लिया पति ने कहा कि मैं अब शराब छोड़ दुंगा दोनों पक्षों को समझाया गया दोनों में समन्वय बना एवं समझोता कराया गया अन्य प्रकरण में शादी के 10वर्ष हों गए दाम्पत्य जीवन से 3 लड़के हैं पति शादी में खाना बनाता है पति ने कहा कि पत्नी ने सास से झगड़ा किया और मायके चली गई पत्नी ने कहा कि परिवार में सास,पति जेठ मुझ पर आरोप लगाया कि जादू टोना करती है ऐसा लगता है कि परिवार अंध विश्वासी है पत्नी के वार्तालाप से ऐसा लगा कि पत्नी प्रताड़ित है। पति ले जाने को तैयार है परन्तु पत्नी ससुराल जाने को तैयार नहीं है दोनों को समझाइश दी गई। समन्वय बनाने के लिए अगली पेशी दी गई एक अन्य प्रकरण में आवेदक ने कहा कि वह मजदूर है पत्नी ने बताया कि पति बहुत शराब पीता है एक बार झगड़े में बहुत मारा पति हमेशा पैसे मांगता है इसी को लेकर झगड़े करता है दाम्पत्य जीवन से एक लड़की है दोनों को बहुत समझाया गया समन्वय स्थापित करने के लिए अगली पेशी दी गई एक अन्य प्रकरण में आवेदिका पत्नी ने ने बताया कि पति मेरे सभी सामान बेचता रहता है पति ने बताया कि 2बच्चे है पत्नी के पास कुछ पैसे थे मैंने पूछा पैसे कहां से आए इसी बात को लेकर झगड़ा हो गया पत्नी घर से चली गई पति ने बेटे

के बताए अनुसार पुलिस में गुमशु दा की रिपोर्ट की पत्नी एक माह तक बाहर रही पत्नी ने बताया कि पति ने सभी ने सारे जेवर बेच दिया मेरे जेवर ला के दे दोनों ने एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाते रहे समन्वय बनाने के लिए अगली पेशी दी गई एक अन्य प्रकरण में 6मई को शादी हुई। शादी के 3 माह ही हुए है पत्नी ने बताया की पति सहित सभी ससुराल वाले दहेज की मांग कर रहे हैं पति ने बताया कि शादी के बाद पत्नी से शारीरिक संबंध नहीं है पा रहा है पत्नी ने कहा कि पति मेरी बदनामी कर रहा है पति ने दहेज का मामला झूठा है दोनों को बहुत समझाया गया परन्तु समन्वय नहीं बनने से न्यायालय जाने की सलाह दी गई द्यसलाहकार के पी पांडे, जेठूलाल सोनी, श्रीमती चित्रा विश्वकर्मा, श्रीमती संगीता श्रीवास्तव, सुश्री सुशीला झाड़े एवं डेस्क प्रभारी वंदना वघेल ने आज के प्रकरणों की सुनवाई की

चौरई में महामंडलेश्वर स्वामी अखिलेश्वरानंद गिरी के मुख्य आतिथ्य

भारतीय संस्कृति का मूल आधार है सामाजिक समरसता

छिन्दवाड़ा। संत शिरोमणि गुरुदेव रविदास जी के मंदिर निर्माण के लिए प्रारंभ हुई समरसता यात्रा के साथ छिंदवाड़ा जिले के चौरई पहुंचे मध्यप्रदेश गौ-संवर्धन बोर्ड के अध्यक्ष महामंडलेश्वर स्वामी श्री अखिलेश्वरानंद गिरी ने जिले के चौरई जनपद पंचायत कार्यालय परिसर में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कहा कि भारत की धरती अवतारों की धरती है। भगवान ने अनेकों रूपों में जन्म लेकर धरती को विपत्ति से बचाया है। संतों को भी भगवान का स्वरूप माना जाता है। यही कारण है कि भारत की श्रेष्ठ परंपराओं ने अपनी संस्कृति को बचाकर रखा है। भारतीय संस्कृति का मूल आधार सामाजिक समरसता है और संत शिरोमणि रविदास जी ने सामाजिक समरसता व सद्भाव के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया है। उनके कृतित्व और व्यक्तित्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि समाज और आने वाली पीढ़ी हमारे संतों और महापुरुषों के योगदान को विस्मरण ना कर दे, इस प्रयोजन के साथ ही अन्य अनेकों प्रयोजनों से मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने यह समरसता यात्रा निकालने का निर्णय लिया है। इस दौरान मार्ग में पड़ने वाले ग्रामों की मिट्टी और नदियों का जल भी एकत्रित किया जा रहा है जिसे सामाजिक समरसता के धाम संत रविदास जी के मंदिर निर्माण में लगाया जाएगा। इस समरसता यात्रा का हिस्सा बनकर मैं बहुत आनंदित हूं। यह भारत वर्ष का स्वर्णिम काल चल रहा है, संस्कृति के उत्थान का काल चल रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश आगे बढ़ रहा है। इस अवसर पर पूर्व विधायक पंडित रमेश दुबे और नगर पालिका परिषद चौरई की अध्यक्ष श्रीमती पूर्णिमा ने चौरई की पवित्र माटी संत रविदास जी के मंदिर निर्माण के लिए स्वामी श्री अखिलेश्वानंद गिरी को सौंपी।

जनसंवाद कार्यक्रम का शुभारंभ संत रविदास जी के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। समरसता का संदेश फैलाने के लिए कार्यक्रम में नगर पालिका परिषद चौरई के सफाई कर्मियों का शॉल देकर सम्मान किया गया। साथ ही अनुसूचित जाति वर्ग के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का शॉल और मोमेंटो देकर सम्मान किया गया। सेवानिवृत्त शिक्षक श्री लेखराम नागरे को भी सम्मानित किया गया। जनसंवाद में यात्रा के संयोजक मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष डॉ.जितेंद्र जामदार ने मां नर्मदा और गुरुओं को प्रणाम करते हुए कहा कि इस पूरी सृष्टि को जिस ईश्वर ने व्याप्त किया है, वे भी गुरु के चरणों में दिखते हैं। भगवान का स्वरूप संतों का स्वरूप है। संत शिरोमणि रविदास जी दिव्य, प्रखर और महापुरुष थे। उनका जीवन काल लगभग 150 वर्षों का था। उनकी वाणी से अमृत बरसता था, इसीलिए उनके दोहे, शब्द अमृतवाणी कहलाते हैं। संत परंपरा के अंदर जाति-पांति नहीं देखी जाती है। जब देश में विषम परिस्थितियां थीं, उस समय संत रविदास जी ने समरसता और एकता का संदेश देने का काम किया है। उन्होंने बताया कि कर्मों में कुशलता ही योग है। समाज में समरसता फैलाने में उनके अमूल्य योगदान का स्मरण करने और उनके लिए समरसता धाम की स्थापना करने के लिए यह यात्रा चलाई जा रही है। मंदिर का निर्माण भोपाल में बैठकर भी किया जा सकता था, लेकिन समाज के हर व्यक्ति को इससे जोड़ने, प्रदेश के सभी ग्रामों की पवित्र मिट्टी और नदियों के जल को एकत्र कर समरसता के धाम का निर्माण करने के लिए यह यात्रा पूरे प्रदेश में चलाई जा रही है। संत रविदास जी का मंदिर केवल उनका धाम ही नहीं, बल्कि एक अनुसंधान केंद्र, एक कथा वीथिका, एक म्यूजियम होगा। साथ ही उन्होंने मंदिर के साथ एक कुएं का निर्माण कराने का सुझाव देने की बात भी शासन को कही, जिसमें सभी नदियों का जल डाल कर समरसता कूप बनाया जाएगा। यात्रा के संभाग प्रभारी श्री प्रवीण मेसराम ने यात्रा के उद्देश्य पर प्रकाश डाला और मैत्री, करुणा, मुदिता, भाईचारा एवं समरसता की बात कही। स्वागत भाषण पूर्व विधायक पंडित रमेश दुबे द्वारा दिया गया।

वार्ड 13 में 50 से अधिक महिला कार्यकर्ताओं ने भाजपा जिलाध्यक्ष के समक्ष ली सदस्यता

छिंदवाड़ा। - भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष अंकुर शुक्ला ने बताया कि नगर निगम क्षेत्र वार्ड क्र 13 जगन्नाथ वार्ड से बड़ी संख्या में आज हितग्राही सम्मेलन में उपस्थित होकर 50 से अधिक महिला कार्यकर्ताओं ने भाजपा की रीति नीति एवं मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान जी की महिला सशक्तिकरण हेतु संचालित हो रही लाडली बहना योजना से प्रभावित होकर भाजपा जिलाध्यक्ष विवेक बंटी साहू के समक्ष भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। समस्त मातृशक्तियों का भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष श्रीमती गरिमा प्रतीक दामोदर, उपाध्यक्ष अमिता बरैया, मंडल अध्यक्ष जया विश्वकर्मा, पार्षद श्रीमती शिल्पा माईकल पहाड़े, नीलू क्षैत्री, श्रद्धा जैन, वंदना विश्वकर्मा, ममता राय, अनिता ठाकरे एवं भाजपा नेत्रियों द्वारा भाजपा का दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया गया एवं भाजपा की सदस्यता दिलाई गई। समस्त मातृशक्तियों ने आगामी चुनावों में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाने एवं शिवराज सिंह चौहान जी को पुनः मुख्यमंत्री बनाने का संकल्प लिया माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा लाडली बहना योजना के क्रियान्वयन हेतु प्रदेश की प्रदश सरकार का बहुत-बहुत धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष विजय पांडे, भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिलाध्यक्ष जगेन्द्र अल्डक, भाजपा नेता संतोष राय, अरूण गद्रे, भरत घई, नीरज भारद्वाज, शैलेन्द्र बघेल, अरविंद राजपूत, तरूण किनडा, अशोक बिंझोड़े, ओम शर्मा, राजू साहू, नीरज पटेल, विशाल शर्मा, जीतसिंह ठाकुर, बृजेश रघुवंशी, मनोज साहू, हेमराज श्रीवास, शैलेन्द्र बघेल, कैलाशधाम महिला स्वसहायता समूह चूनाभट्टा की महिलाएं वनिता सनोडिया, रानू साहू, रश्मि साहू, गायत्री धुर्वे, प्रमिला चौहान, पूनम श्रीवास, सरिता बैस, नीतू सूर्यवंशी एवं बड़ी संख्या में मातृशक्ति उपस्थित रही।

सदस्यता ग्रहण करने वालों में प्रमुख रूप से बबली डेहरिया, कविता गुप्ता, सरोज यादव, राजकुमारी सोनेकर, राधा वर्मा, कांता बंदेवार, उषा जी, लक्ष्मी जी, अमिता जी, माला जी, संगीता जी, यास्मिन सोनेकर, रानी वर्मा, मोनिका डेहरिया, छोटी, संगीता, शांति मंडराह, पार्वती जी, कविता जी, देविका डेहरिया, शांता वस्त्राणे, देवकी डेहरिया सहित बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

पेज-1 का शेष (साध्यप्रकाश विशेष)

किस्सा-ए-आईएएसः 5 साल की सेवा में यह आईएएस बना सबसे बड़े शहर का कलेक्टर

फर्स्ट अटेम्पट में सेलेक्ट न होने के बाद गूगल इंडिया कंपनी ज्वॉइन की और हैदराबाद में जॉब करने लगे थे। अनुदीप की तैयारी की एक और खास बात यह रही की पूरी तैयारी के दौरान उन्होंने कभी नौकरी नहीं छोड़ी, हमेशा जॉब के साथ ही तैयारी की। इस कारण से उनकी मुख्य तैयारी केवल वीकेंड्स पर हो पाती थी। वे इन दो दिनों में जान लगा देते थे और बाकी के दिनों में जो थोड़ा-बहुत समय मिलता था उसे यूटिलाइज करने का पूरा प्रयास करते। अनुदीप का ऑप्शनल था एंथ्रोपोलॉजी। उन्होंने यही विषय चुना।

मिसाल भी कायम की- अनुदीप सरकारी सुविधाओं की एक मिसाल भी कायम करना चाहते हैं। यही कारण है कि उन्होंने अपनी पत्नी की डिलीवरी सरकारी अस्पताल में करवाई, जबकि उनका ऑपरेशन भी हुआ। उनकी पत्नी माधवी का सरकारी अस्पताल में सी-सेक्शन ऑपरेशन हुआ था। ये तब की बात है जब वे भद्राचलम में पदस्थ थे। जिला अस्पताल के उपाधीक्षक एम रामकृष्णन ने तब कहा था कि उनकी इस पहल से सरकारी अस्पतालों में आम जनता का विश्वास फिर से मजबूत हुआ। साथ ही उनके फैसले को हमेशा एक मिसाल के तौर पर लिया जाएगा। वे चाहते तो अपनी पत्नी को किसी बड़े निजी अस्पताल में ले जा सकते थे, लेकिन उन्होंने सरकारी अस्पताल चुना। उन्होंने सबको दिखा दिया कि हमारे सरकारी अस्पताल भी निजी अस्पतालों से कम नहीं हैं। इतना ही नहीं, अपनी पत्नी को भर्ती कराने से पहले भी वह नियमित जांच के लिए भी हमारे पास आते थे।

कैंडिडेट्स को ये सलाह है अनुदीप की- अनुदीप यूपीएससी के कैंडिडेट्स को सलाह देते हैं कि नौकरी के साथ तैयारी करना मुश्किल तो है, पर नामुमकिन नहीं। अपनी प्राथमिकता तय करें और उन्हीं के हिसाब से तैयारी भी करें। पूरा सिलेबस कवर करें, क्योंकि यूपीएससी में सिलेक्टिव स्टडी नहीं चलती। सिलेबस के साथ ही गवर्नमेंट स्कीम्स पर पूरी निगाह रखें, जितना संभव हो बार-बार अपने लिमिटेड सोर्सेस को रिवाइज करें और प्री में एजुकेटेड गेस लें। क्योंकि, ऐसा तो कोई होता ही नहीं जिसे सभी प्रश्न आते हों।

उनका कहना है कि आंसर राइटिंग की जितनी हो सके प्रैक्टिस करें। न्यूज पेपर लगातार पढ़ते रहें और एथिक्स एवं ऐस्से के पेपर को पूरी इंपॉर्टेंस दें। अनुदीप कहते हैं कि पढ़ता हर कोई है पर कौन लिख पाता है, वह मैटर करता है। लिखते समय आपके थॉट्स क्लियर होने चाहिए। अनुदीप अपने पिछले फेलियर्स के बहुत से कारणों में से एक कारण आंसर राइटिंग प्रैक्टिस न करने को भी मानते हैं। अपने आस-पास की चीजों को लेकर अवेयर रहें और आंसर्स में एक्स्ट्रा इनपुट्स जैसे डायग्राम्स आदि डालें। इतने करने पर आप भी यूपीएससी सीएसई परीक्षा में सफल हो सकते हैं।

रतलाम प्रेस क्लब के उत्कृष्ट पत्रकारिता सम्मान समारोह में विधायक चेतन्य काश्यप ने कहा

-समारोह में हुआ उत्कृष्ट पत्रकारों का सम्मान

रतलाम। किसी भी प्रेस क्लब का पहला स्थान रतलाम है जहां प्रेस क्लब चिंतन भी करता है और अपने साथियों का सम्मान भी करता है। यह अभिनव प्रयास है। क्योंकि युवा पत्रकारों को जो अवार्ड मिलें हैं, उनका नाम दिवंगत साथियों की स्मृति में है। कम से कम साल में एक बार हम उनकी स्मृतियों और उनकी मेहनत का भी सम्मान करेंगे।

यह बातें रतलाम शहर के विधायक और राज्य योजना आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष चैतन्य काश्यप ने रतलाम प्रेस क्लब द्वारा आयोजित उत्कृष्ट पत्रकारिता पुरस्कार समारोह में आतिथ्य प्रदान करते हुए कही। उन्होंने कहा कि घटनाओं के ऊपर पुलिस का काम है तत्काल पंहुचकर अपराधियों को पकड़ना। पत्रकारों का काम घटनाओं की जानकारी ऐसे दी जाए कि समाज में अशांति भी न हो जाग्रति भी बढ़े। रतलाम प्रेस क्लब और पत्रकार सकारात्मक कार्यों में हमेशा आगे रहा है। उन्होंने कहा कि अगली बार से ग्रामीण पत्रकारिता को भी सम्मानित करने की योजना बनाई जाए। रतलाम प्रेस क्लब द्वारा रविवार को पहली बार अपने साथी पत्रकारों को सामाजिक सरोकार से जुड़ी उनकी खबरों के लिए 11-11 हजार रुपए का नगद पुरस्कार और शील्ड प्रदान की गई। उत्कृष्ट पत्रकारिता सम्मान समारोह का आयोजन अमृत गार्डन में हुआ। इसमें श्री काश्यप, रतलाम ग्रामीण के विधायक दिलीप मकवाना, डीआईजी मनोज कुमार सिंह, कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी और एसपी सिद्धार्थ बहुगुणा थे।

रतलाम की पत्रकारिता बेहद सकारात्मकः डीआईजी मनोज कुमार सिंह ने कहा कि मेरे 30 साल के पुलिस सेवा अनुभव में रतलाम की पत्रकारिता सर्वश्रेष्ठ है। उन्होंने कहा कि रतलाम के पत्रकारों में जिम्मेदारी और समाज के प्रति कर्तव्यों का भाव है। महज 4 महीनों में ही काफी नजदीकी महसूस करता हूं। इस दौरान उन्होंने सड़क हादसों में होने वाली मृत्यु के खिलाफ जनजाग्रति फैलाने का आव्हान करते हुए कहा कि विशेष रूप से अगली बार इस क्षेत्र में खबरें बनाने वाले पत्रकारों को वे स्वंय पुरस्कृत करना चाहेंगे। कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी ने कहा कि रतलाम प्रेस क्लब के पत्रकारों का यह आयोजन न केवल अनूठा रहा बल्कि रतलाम की पत्रकारिता भी बेहद सकारात्मक है। उन्होंने कहा कि प्रशासन, राजनेता के साथ मीडिया यदि सकारात्मक हो तो समाज निश्चित तौर पर विकसित होता है। एसपी सिद्धार्थ बहुगुणा ने कहा कि पुलिस और पत्रकारों का काम एक जैसा ही है। इसलिए हमें भाई भी कह सकते हैं। उन्होंने कहा कि समाज में सृजन के लिए जितनी जिम्मेदारी प्रशासन और पुलिस की है, उतनी ही पत्रकारों की भी और अब तक रतलाम के कार्यकाल में मेरा अनुभव बहुत अच्छा रहा है।

चुनौतियों के बीच जिम्मेदारी का निर्वाहः वरिष्ठ पत्रकार और निर्णायक कीर्ति राणा ने कहा कि डिजिटल पत्रकारिता के सामने आज बहुत चुनौती है। आज जिसके भी हाथ में फोन है, वह पत्रकार है। पहले समाचारों के प्रकाशन के लिए पर्याप्त समय मिलता था जिसमें अध्ययन होता था, लेकिन अब समाचार त्वरित हो गए हैं। इस जिम्मेदारी को निभाते हुए डिजिटल और सभी श्रेणियों के पत्रकार जो काम कर रहे हैं वह प्रशंसनीय है। विशेष आमंत्रित सदस्य नीरज कुमार शुक्ला ने आयोजन में आई प्रविष्ठियों की जानकारी दी। संस्था अध्यक्ष मुकेशपुरी गोस्वामी ने आयोजन की रूपरेखा बताते हुए कहा कि अपने दिवंगत पत्रकारों की स्मृति को जीवित रखने और अपने साथी पत्रकारों को सकारात्मक पत्रकारिता के लिए प्रेरित करेगा।

इनकी स्मृति में इन्हें मिले पुरस्कारः प्रिंट मीडिया- स्व. सुशील नाहर स्मृति पुरस्कार आरिफ कुरैशी, स्व. सुरेश पंड्या स्मृति पुरस्कार जितेंद्र श्रीवास्तव, स्व. प्रकाश उपाध्याय स्मृति पुरस्कार अदिति मिश्रा

इलेक्ट्रानिक मीडिया - स्व. प्रकाश खंडेलवाल स्मृति पुरस्कार यशवंत सिंह राठौर, स्व. गोपाल सिंह कुशवाह स्मृति पुरस्कार चंद्रशेखर सोलंकी, स्व. रमेश ललवानी स्मृति पुरस्कार सुधीर जैन

डिजिटल मीडिया- स्व. रमाकांत शुक्ल स्मृति पुरस्कार हेमंत भट्ट, स्व. चांद शर्मा स्मृति पुरस्कार असीमराज पांड्ेय, स्व. अशोक डोसी स्मृति पुरस्कार दिव्यराज सिंह राठौर

-फोटोग्राफी स्व. गजानन शर्मा मॉय डियर स्मृति पुरस्कार चिंटू मेहता।

उच्च न्यायालय के आदेश अनुसार संपत्ति कर और कमर्शियल लाइसेंस शुल्क लिया जाएः पाली

भोपाल चेम्बर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज ने दिया नगर निगम को नोटिस

VAAK LEGAL
ADVOCATES AND CONSULTANTS

BY REGISTERED SPEED POST A.D.

Dated. 30.07.2023

The Commissioner,
Bhopal Municipal Corporation
ISBT Complex, Near Chetak Bridge,
Bhopal – M.P.

Sir,

For and on behalf of and under the instructions of my client Bhopal Chamber of Commerce and Industries represented through its Chairman through Tejkul Singh Pali, Address: A-15, Sehgal Tower, Housing Board Colony, Main Road, Koh-e-Fiza, Bhopal, I give you the following notice.

1. A Writ Petition No. 14145/2023 has been filed in the M.P. High Court at Jabalpur where there are three petitioners (i) Smt. Om Rani Pandey, (ii) Shri S.N. Sharma (iii) Bhopal Chamber of Commerce and Industries. The said petition has been filed challenging the permanent orders No. 11/21 and 29/22 (Annexed as Annexure P-3 and P-6 respectively with the Writ Petition) whereby variable trade license fee has been imposed by changing it from the regime of fixed trade license fee, as was being done as per permanent Order No. 10/2017 (Annexed as Annexure P-1 in the Writ Petition) of Municipal Corporation, Bhopal.

2. The challenge is on various grounds including that the Administrator of the Corporation was not competent to have issued Permanent Orders No. 11 of 2021 dtd. 02.11.2021 and also Permanent Order No. 29/22 dtd. 01.08.2021. It is also a ground that the State Government has already suspended the implementation of M.P. Municipality (Trade Licensing) Rules 2023 w.e.f. 25.04.2023. Other grounds are also taken.

3. The above Writ Petition No. 14145/2023 was heard on 03.07.2023 and the Hon'ble High Court while issuing notices to Bhopal Municipal Corporation and its Commissioner, has directed as an interim measure, that the Trade license fee, if any is required to be charged, then the same be charged in accordance with Annexure-P-1 to the petition, which is a Permanent Order No. 10/2017 dtd. 02.06.2017. Copy of the order dated 03.07.2023 passed by the Hon'ble High Court in W.P. 14145/2023 is annexed herewith for ready reference as **Document No. 1**. A copy of

VAAK LEGAL
ADVOCATES AND CONSULTANTS

Writ Petition No. 14145/2023 along with its annexures, as filed in High Court, is also annexed herewith for your ready reference as **Document No. 2**.

4. It is expected of you to comply and abide by the order issued by the order dated 03.07.2023.

5. Various members of my clients are complaining that you the noticee being Commissioner and other officers of the Municipal Corporation, Bhopal, are still demanding trade license fee as per Permanent Order No. 11/21 and 29/22. In this regard, you are informed that both these permanent orders are under challenge before the Hon'ble High Court and as per interim order you can only charge trade license fee as per Permanent Order No. 10/2017 (Annexure-P-1 of the petition).

6. You are called upon to kindly follow and adhere to the interim order passed by the Hon'ble High Court. Charging/demanding trade license fee on any other basis except Permanent Order No. 10/2017 (Annexure P-1 of the Petition) will be an act of disobedience of the Hon'ble High Court order dtd. 03.07.2023 mentioned above.

7. If you have any doubt about the interim order dtd. 03.07.2023, you may file your reply in the W.P. No. 14145/2023 and may seek appropriate order, but you cannot on your own, choose not to follow the order of the Hon'ble High Court.

8. By this notice, you are informed about interim order dtd. 03.07.2023 of the Hon'ble High Court and called upon to act in accordance with the same, thereby following it in letter and spirit, as non-adherence of the same will amount to contempt of court and my client will be forced to initiate contempt proceedings against you the notice being the Principal Officer of Municipal Corporation, Bhopal in the Hon'ble High Court of M.P. at Jabalpur and the same shall be at your sole risk, cost and consequences.

Stand notified.

Yours Sincerely

(Aasli Agarwal)
Advocate

भोपाल। भोपाल नगर निगम के द्वारा संपत्ति कर और व्यावसायिक कर को मनमाने तरीके से वसूली कर रहा है। इस मामले में उच्च न्यायालय जबलपुर ने भी गत माह आदेश किया था। व्यापारियों के साथ हो रहे मनमानी वसूली को लेकर भोपाल चेम्बर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष तेजकुलपाल सिंह पाली ने निगमायुक्त को पत्र लिखा है जिसमे उच्च न्यायालय के आदेश का पालन करने उल्लेख किया है।

राजधानी में व्यापारी नगर निगम की अवैध वसूली से परेशान हो रहे हैं। निगम के अधिकारियों द्वारा संपत्ति कर और कमर्शियल लाइसेंस शुल्क को मनमाने तरीके से वसूला जा रहा है। जबकि उच्च न्यायालय जबलपुर ने चालू माह में 3 जुलाई को आदेश किया था कि सभी कर नए दरों से लिए जाएं। उक्त आदेश को धता बटुए हुए वर्ष 2021 के अनुसार संपत्ति और व्यवसायिक कर की वसूली हो रही है। नगर निगम के द्वारा उच्च न्यायालय के आदेश की धज्जियां उड़ाई जा रही है। इस मामले की जानकारी व्यापारियों के द्वारा भोपाल चेम्बर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष तेजकुलपाल सिंह पाली को दी। जिसे गंभीरता से लेते हुए श्री पाली ने निगमायुक्त को पत्र लिखा जिसमें उन्होंने कहा कि संपत्ति कर और कमर्शियल लाइसेंस शुल्क जबलपुर उच्च न्यायालय के 3 जुलाई, 2023 को हुए फैसले के बावजूद भोपाल नगर निगम द्वारा कमर्शियल लाइसेंस शुल्क मन माने तरीके से वसूला जा रहा है। जो उच्च न्यायालय के आदेश की अवहेलना है। व्यापारियों के द्वारा संगठन को जानकारी मिली है कि नगर निगम वर्तमान में पुराने दर वर्ष 2021 के अनुसार वसूली कर रहा है। इस मामले की शिकायत पूर्व में भी नगर निगम महापौर मालती राय को भी पत्र के माध्यम से अवगत करा चुका है। इस तरह की वसूली पर रोक लगाई जाए। जो व्यापारियों के हित में होगा साथ उच्च न्यायालय के आदेश का पालन भी सुनिश्चित होगा।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज स्मार्ट उद्यान में बरगद कदम और महुआ के पौधे लगाए। इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता डॉ अभय प्रताप सिंह यादव, श्रीमती राजकुमारी यादव ने भी पौधारोपण किया। युवा पर्यटन क्लब की सदस्य बालिकाएं पौधारोपण में शामिल हुई। पौधारोपण में अन्य नागरिकों में अनीता चौधरी पूजा चौधरी, आमिर खान, बाबूलाल बंजारा अध्यक्ष, पीयूष तिवारी कशिश तोमर, आर्ची राठी सिंह, स्नेहा चौहान, भव्या मिश्रा पायल पौधरोपण में शामिल हुईं।

परमेश्वर मंदिर में सावन सोमवार पर पूजा अर्चना करते भक्त

सावन का चौथा सोमवार, भगवान शिव के जयकारे गूंजे

भगवान महाकाल के 1.50 लाख से ज्यादा भक्तों ने दर्शन किए

भोपाल/उज्जैन। आज सावन महीने का चौथा सोमवार है। तड़के 2.30 बजे भगवान महाकालेश्वर मंदिर के पट खुलते ही मंदिर भगवान शिव के जयकारों से गूंज उठा। रात 12 बजे रिमझिम बारिश के बीच भक्त लाइन में लगना शुरू हो गए थे। सुबह 10 बजे तक महाकालेश्वर मंदिर में 1.70 लाख भक्तों ने दर्शन लाभ लिए। राजधानी भोपाल सहित प्रदेश भर के शिव मंदिरों में आज विशेष श्रृंगार और पूजन, अभिषेक का दौर चल रहा है। यह शाम तक चलेगा।

उज्जैन में तड़के भस्म आरती में बाबा महाकाल को दूध, दही, घी, शहद और शक्कर से बने पंचामृत से अभिषेक पूजन कर भस्म अर्पित की गई। भगवान महाकाल का भांग, चंदन, आभूषणों से राजा स्वरूप में दिव्य श्रृंगार किया गया। हरि ओम जल चढ़ाकर कपूर आरती के बाद भांग, चंदन, अबीर के साथ महाकाल के मस्तक पर ऊँ, चंद्र

और त्रिपुंड अर्पित कर राजा स्वरूप में श्रृंगार किया गया। श्रृंगार पूरा होने के बाद ज्योतिर्लिंग को कपड़े से ढक कर भस्म रमाई गई। आखिरी में भगवान की विशेष भस्म आरती की गई।

महाकालेश्वर मंदिर से सोमवार को शाम 4 बजे बाबा महाकाल की चौथी सवारी निकलेगी। इस दौरान चांदी की पालकी में भगवान महाकाल उमा महेश के स्वरूप में दर्शन देंगे। इसके साथ ही, भगवान के पिछले स्वरूप चंद्रमौलेश्वर, हाथी पर मनमहेश स्वरूप, गरुड़ पर सवार भगवान शिव तांडव की प्रतिमा भी शामिल रहेंगी। सवारी से पहले महाकालेश्वर मंदिर स्थित सभा मंडप में भगवान का पूजन-अर्चन किया जाएगा।सवारी मंदिर से प्रारंभ होकर कोट मोहल्ला, गुदरी चौराहा, बक्षी बाजार, कहारवाड़ी होते हुए मोक्षदायिनी शिप्रा के रामघाट पहुंचेगी। यहां शिप्रा जल से भगवान महाकाल का अभिषेक कर पूजन किया जाएगा। पूजन के बाद सवारी परंपरागत मार्ग से होते हुए पुनः महाकाल मंदिर पहुंचेगी।

मां वैष्णो धाम आदर्श नव दुर्गा मंदिर श्रावण के चतुर्थ सोमवार को भगवान पशुपतिनाथ का दूध और दूध से अभिषेक किया गया। पिछले साढे 8 वर्षों से नित्य प्रतिदिन भगवान पशुपतिनाथ का रुद्राभिषेक किया जा रहा है।

विधायक खुलकर देंगे स्वेच्छानुदान, मासिक लिमिट पर लगी रोक हटाई

भोपाल। विधानसभा चुनाव की आचार संहिता को देखते हुए राज्य सरकार ने विधायकों को स्वेच्छानुदान निधि से आर्थिक सहायता देने के लिए मासिक खर्च सीमा के बंधन से मुक्त कर दिया है। अब विधायक खुलकर स्वेच्छानुदान से आर्थिक मदद कर सकेंगे। संचालक बजट आईरीन सिद्धिया ने प्रथम अनुपूरक अनुमान के लिए दी गई राशि के उपयोग को लेकर प्रदेश के सभी बजट नियंत्रण अधिकारियों को इस संबंध में निर्देशित किया है।

कुल सत्रह तरह विभाग की विभिन्न योजनाओं के लिए प्रावधानित राशि पूरी तरह विमुक्त कर दी गई है। शेनाओं में प्रावधानित राशि के उपयोग के पूर्व वास्तविक मासिक आवश्यकता की तथा विशीय संसाधनों की उपलब्धता का आंकलन जरुरी है। इसके लिए प्रशासन विभाग के जरिए भेजना होगा। सामान्य प्रशासन विभाग के अंतर्गतसाल सचिवालय भरित और मुख्यमंत्री निवास परिसर में एनेक्सी के के लिए छूट दी गई है। वहीं जेल विभाग में प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान की स्थापना में मध्यप्रदेश राज्य गवर्नमेंट स्टाक वाणिज्य कर विभाग में जिला प्रभार विभाग में केपा और वन्य जीव संरक्षण योजना प्रभार कैंपा निवल वर्तमान मूल्यविभाग में एनएचएम. पंद्रये वित्त के अनुदान के तहत राहत वितरण को छूट गई है।

मेडिकल छात्रा ने इंजेक्शन लगाकर जान दी, कारणों की जांच में जुटी पुलिस

भोपाल। राजधानी के कोहेफिजा इलाके में रहने वाली गांधी मेडिकल कालेज की छात्रा बाला सरस्वती ने रविवार-सोमवार को एनेस्थीसिया का इंजेक?शन लगाकर जान दे दी। उसके जान देने का कारण फिलहाल सामने नहीं आ रहा है। पुलिस मामले में मृतका के पति से पूछताछ कर रही है, वह भी अपने बयानों में इधर -उधर की बात कर रहा है। वह कभी अपने आप को आइएएस ट्रेनी बताता है तो कभी खुद को प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने की बात कह रहा है। मामले में जांच शुरु कर दी है। कोहेफिजा टीआइ विजय सिसोदिया ने बताया कि लालघाटी में किराये के मकान में रहने वाली 31 वर्षीय बाला सरस्वती मूलतः आंधप्रदेश की रहने वाली थी, वह यहां पर अपने पति के साथ किराये के मकान में रहती थी। सुबह पुलिस को हमीदिया अस्पताल से इस घटना की जानकारी मिली है, मामले में महिला डाक्टर के शव को हमीदिया अस्पताल में रखवाया है, जहां पर उसका विशेषज्ञ डाक्टरों की निगरानी में पोस्टमार्टम किया जाएगा। पुलिस ने गांधी मेडिकल कालेज प्रबंधन से भी इस मामले में जानकारी मांगी है कि उसको किसी प्रकार की परेशानी तो नहीं थी। उसकी थिसीस का काम भी चल रहा था।

पति पुलिस को सही बात नहीं बता रहा है- पुलिस शुरुआती पूछताछ में पति से पुलिस ने थाने लाकर पूछताछ कर रही है,लेकिन फिलहाल सही कारण सामने नहीं आ पाया है। पुलिस को वह कभी ट्रेनी आइएएस तो कभी यूपीएससी की तैयारी करने वाला छात्रा बता रहा है। इस मामले में पुलिस घटनास्थल का मुअयना कर रही है, इससे स्थ्त साफ हो पाएगी। फिलहाल मामले में पुलिस की एक टीम गांधी मेडिक्ल में उसके बारे में जानकारी जुटा रही है।

आज आईएसबीटी स्थित महापौर कार्यालय पर महापौर परिषद की बैठक संपन्न हुई, इस अवसर पर महापौर श्रीमती मालती राय, समस्त एमआईसी सदस्य एवं नगर निगम आयुक्त उपस्थित रहे।

बुरहानपुर में ताप्ती का जलस्तर घटा, तवा डैम फुल लेवल से 7 फीट कम; सतना-पन्ना में भारी बारिश का अलर्ट

भोपाल। मध्यप्रदेश के दक्षिण-पूर्वी हिस्से में अगले 24 घंटे के दौरान बारिश की एक्टिविटी जारी रहेगी। कुछ जिलों में तेज बारिश हो सकती है, जबकि कुछ में हल्की बारिश का अनुमान है। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर और उज्जैन में मौसम साफ रहने की संभावना है।

मौसम विभाग के अनुसार, सतना और पन्ना में भारी बारिश हो सकती है। विदिशा, शिवपुरी, सिंगरौली, सीधी, रीवा, अनूपपुर, शहडोल, डिंडोरी, बालाघाट, दमोह, सागर, छतरपुर में भी तेज बारिश का अलर्ट है। सोमवार के बाद अगले एक-दो दिन तक तेज बारिश का दौर थमेगा। सीनियर मौसम वैज्ञानिक एचएस पांडे ने बताया कि 5 अगस्त से दोबारा तेज बारिश शुरू होने का अनुमान है।

बुरहानपुर में ताप्ती नदी तीन दिन से खतरे के निशान के करीब बह रही है। सोमवार को भी नदी के सारे घाट डूबे हुए हैं। रविवार सुबह ताप्ती खतरे के निशान से 0.700 मीटर नीचे बही, लेकिन दोपहर बाद जलस्तर कम हो गया। लेवल 218.290 मीटर पर आ गया। खतरे का निशान 220.800 मीटर पर है।

15 अगस्त तक खुल सकते हैं तवा डैम के गेट- इटारसी में सुबह से रुक-रुक कर बारिश हो रही है। तवा डैम का जलस्तर धीरे-धीरे बढ़ रहा है। डैम का वाटर लेवल 1155 फीट पर पहुंच चुका है। फुल लेवल 1162 फीट है। ऐसे में गेट 15 अगस्त तक ही खुल सकते हैं। अशोकनगर में भी बारिश हो रही है।

मध्यप्रदेश में 1 जून से अब तक ओवरऑल 4त्न ज्यादा बारिश हुई है। इनमें प्रदेश के पूर्वी हिस्से में 8त्न कम और पश्चिमी हिस्से में 15त्न ज्यादा बारिश दर्ज की गई है।

सिवनी में 28 इंच, नरसिंहपुर में 27 इंच बारिश हुई। छिंदवाड़ा, हरदा, इंदौर, रतलाम, सीहोर में 24 इंच या इससे ज्यादा पानी गिर चुका है।

बालाघाट, मंडला, सागर, बैतूल, देवास, रायसेन, शाजापुर, उज्जैन और विदिशा जिले में 20 इंच या इससे ज्यादा बारिश दर्ज की गई है।

भोपाल, अनूपपुर, डिंडोरी, जबलपुर, शहडोल, आगर-मालवा, अलीराजपुर, भिंड, गुना, झाबुआ, नीमच, श्योपुर, शिवपुरी में 16 इंच से ज्यादा बारिश है।